चौथा
इक्का
जेम्स
हेडली
चेइज़

चौथा इक्का
जेम्स हेडली चेइज़

चौथा इक्का

eISBN: 978-93-5261-664-0

प्रकाशक: डायमंड पॉकेट बुक्स (प्रा.) लि .
X-30 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II
नई दिल्ली-110020
फोन: 011-40712100, 41611861
फैक्स: 011-41611866
ई-मेल: ebooks@dpb.in
वेबसाइट: www.diamondbook.in
संस्करण: 2016
चौथा इक्का
लेखक : जेम्स हेडली चेईज

चौथा इक्का

नाश्ते की ट्रे को पूरी तरह खाली करके और तसल्ली करके कि अब उसमें कुछ भी बाकी नहीं बचा है, जैक आरशर ने उसे एक ओर खिसका दिया। फिर उसने कॉफी के पॉट के अन्दर झांका। केतली खाली हो चुकी थी। आरशर ने दीर्घ नि:श्वास भरी। और सिगरेट जलाकर कमरे की दरो-दीवार का निरीक्षण करने लगा।

उसे याद हो आया कि वह सैंट सेविन जैसे निकृष्टतम होटलों में रह चुका है। उसके मुकाबले तो यह होटल कहीं ज्यादा साफ सुथरा था। और सबसे बड़ी बात तो यह थी कि इससे ज्यादा सस्ता और कोई होटल पेरिस में था भी नहीं।

आरशर ने अपनी कलाई घड़ी की ओर दृष्टिपात किया। जो पेट्रसन से मिलने का समय हो चुका था। इस अप्वाइंटमेंट का विचार आते ही वह उस नीरस मेट्रो रेलयात्रा के विषय में सोचने लगा जो प्लाजा एंथनी होटल से आरम्भ होकर डर्बोक, इकेवेलिस कोन्कॉर्ड-फ्रेंकलिन रूजवेल्ट होकर अन्त में अलामा मार्सेयू पर समाप्त होगी।

उसकी विचारधारा अतीत की ओर मुड़ गई। यदि वक्त ने उसके साथ दगा न किया होता तो आज वह बहुत अमीर व्यक्ति होता। बढ़िया-सी वातानुकूलित कार उसके पास होती, जिसे वर्दी में सुसज्जित कोई शोफर चला रहा होता, पर ये सब तो अतीत की बातें थीं।

जैक ने जल्दी-जल्दी जैकेट पहनी और स्वयं को आईने में देखा। उसकी आयु पचास के करीब हो चली थी, फिर भी लंबा कद और शरीर परिपुष्ट था। सिर के बाल यद्यपि पहले की तरह घने नहीं थे-फिर भी नीली आंखें-भरे-भरे गाल और गुलाबी रूप रंगत लिये उसका चेहरा अब भी आकर्षण रखता था। एक बात उसे खटक रही थी। उसका पेट कुछ बड़ा हो गया था जिसके कारण उसकी तोंद पर जैकेट कुछ जम नहीं रही थी। इसके अलावा उसे अपने सूट में भी बहुत कोफ्त हो रही थी। हालांकि उसका सूट एक कुशल दर्जी के हाथों सिला था-किन्तु वक्त की मार के कारण अपना रूप खो चुका था और काफी जीर्ण-शीर्ण हो चला था। खैर कुछ भी हो...जैक ने मन ही मन कहा-कुल मिलाकर मेरा व्यक्तित्व अब भी काफी प्रभावशाली है-पहले वाली बात तो नहीं है, फिर भी मेरा चेहरा काफी रौबीला है।

जैक ने खिड़की से बाहर झांका। हमेशा की तरह नीचे मंदगति से यातायात चालू था-कारों की तथा विभिन्न वाहनों के चलने की आवाजें बन्द खिड़की से भी उस तक बाखूबी पहुंच रही थीं।

जैक खिड़की के पास से मुड़ आया...चलो अब ओवरकोट पहनूं और चलूं। तभी उसे विचार आया...ओवरकोट के साथ मुझे फैल्ट हैट भी पहनना पड़ेगा और प्लाजा एंथनी होटल पहुंचने पर जब मैं अपना फैल्ट हैट हैटों की रखवाली करने वाली लड़की को दूंगा तो मुझे उसे लड़की को कम से कम तीन फ्रेंक टिप देनी पड़ेगी। सो जैक ने ओवरकोट पहनने का विचार त्याग दिया। अपना ब्रीफकेस उठाया, कमरे से बाहर आकर दरवाजे पर ताला लगाया और लिफ्ट की

ओर आगे बढ□ने लगा।

उसी क्षण एक और आदमी लिफ्ट के बगल वाले कमरे से बाहर निकला। अपने दरवाजे को बन्द करके लिफ्ट के पास आया, और बटन दबाया।

उसे देखकर जैक ने अपनी चाल धीमी कर दी, और उसकी ओर देखने लगा। उस जैसा मनोहर इंसान जैक ने आज तक नहीं देखा था। उसका शरीर इकहरा एवं मजबूत, बाल घने और काले स्याह, नाक गरुड□ जैसी और आंखें मोहक और भेदक थीं। जैक सोने लगा, यह जरूर कोई अभिनेता होगा। इसकी वेशभूषा देखो तो हजारों की होगी। हालांकि इसका लिबास बिलकुल साधारण है किन्तु उसकी काट से उसका प्रकर्ष विदित होता था। जूते और बेल्ट तो जुक्की के बने हुये हैं। नैकटाई है, तो वह भी इटालियन।

इस दौरान वह आदमी लिफ्ट में प्रवेश कर चुका था, और जैक के पहुंचने की राह देख रहा था कि वह पहुंचे, तो लिफ्ट का दरवाजा बन्द करूं।

जैसे ही जैक लिफ्ट के भीतर हुआ, उसको उस आदमी के लिबास से किसी महंगी एवं बढि□या-सी खुशबू की लपटें आने लगीं।

'हे ईश्वर क्या आदमी है।' उसके देखकर जैक आरशर ईर्ष्या बोध से भर गया था। उसकी उंगली में एक हीरे की अंगूठी थी। एक कलाई पर सोने की अमेगा घड□ी थी, और दूसरी पर प्लेटिनम का ब्रेस्लिट था।

"बहुत ही सुहावना दिन है।" उस आदमी ने जैक से कहा, जो अब लिफ्ट का दरवाजा बन्द कर रहा था। उस आदमी की आवाज ऐसी थी, मानों कोस के चाल में सिक्का बज रहा है। बसन्त ऋतु में तो पेरिस के क्या ही कहने!"

"हां।" आरशर ने संक्षिप्त उत्तर दिया। उसे विस्मय हो रहा था कि इतना बड□ा धन्नासेठ एक ऐसे साधारण से होटल में।

तभी उस आदमी ने अपनी जेब से सोने का सिगरेट केस निकाला-जिस पर उसके नाम के आरंभिक अक्षर हीरों में जड□े हुये थे।

"मेरे विचार में आप सिगरेट तो नोश फरमाते ही होंगे। यह कह उसने सिगरेट केस खोलकर आरशर के आगे कर दिया था, और फिर सिगरेट सुलगाने के लिये अपनी जेब से रत्नजडि□त डंनहिल लाईटर निकाला था। नीचे पहुंचकर उसने जैक आरशर की ओर देखकर सिर हिलाया था-और फिर रिसेप्शन काउंटर पर जाकर अपने कमरे की चाबी दी थी, और होटल से बाहर निकल गया था।

आरशर को इस होटल में निवास करते तीन सप्ताह हो चुके थे। सो इस दौरान रिसेप्शन क्लर्क एवं द्वारपाल मेस्यं केविल से उसकी काफी राह-रसम हो गई थी। आरशर ने अपने कमरे की चाबी मेस्यं केविल के सामने रखी और पूछा, "यह कौन साहब बहादुर हैं?" केविल-आरशर की ओर देखने लगा।

"वह मेस्यं क्रिस्टोफर ग्रेनविल है। वह कल रात ही जर्मनी से यहां पहुंचा है।"

“जर्मनी से? लेकिन वह तो अंग्रेजी बोलता है।”

“वह अंग्रेज ही है मेस्यं आरशर।”

“वह यहां काफी दिन तक ठहरेगा?”

“उसने एक हप्ताह के लिये कमरा रिजर्व कराया है।”

आरशर के चेहरे पर एक धूर्त मुस्कान फैल गई। “बहुत ही उपयुक्त समय पर पेरिस आया है। बसन्त ऋतु में तो पेरिस अपने यौवन पर होता है।” कहकर आरशर बाहर चला आया। मेट्रो रेलवे की ओर आगे बढ□ते हुये जैक आरशर सोचने लगा-ग्रेनविल जैसा धन्नासेठ पेरिस के बेड मामूली से होटल में क्यों ठहरा हुआ है...जरूर कोई बात होगी। उसका सिगरेट केस ही बीस बाजार फ्रेंक का होगा। थोड□ी देर पश्चात जैसे ही आरशर को अपने मस्तिष्क से निकाल दिया तथा जो पैट्रसन एवं उसके वाहियात बिजनेस प्रस्ताव के बारे में सोचने लगा जिसे जो पैट्रसन उसके द्वार तरक्की देना चाहता था।

डेढ□ वर्ष पूर्व आरशर ने पैट्रसन जैसे आदमी के लिये काम करने की ओर ध्यान तक न दिया होता किन्तु अब हालात बदल चुके थे।

इस समय मेट्रो रेल के सैकेंड क्लास कंपार्टमेन्ट में बैठे हुये आरशर अतीत में जा पहुंचा। डेढ□ वर्ष पूर्व वह ल्यूसेन (स्विट्जरलैंड) में स्थित एक वित्तीय संस्था का सीनियर पार्टनर था। उसकी फर्म के पास रोल्फ का अरबों का स्विस अकाउंट था। रोल्फ जो संसार के सम्पन्न व्यक्तियों में एक था। आरशर और रोल्फ की पत्नी हेल्गा-रोल्फ की पूंजीनिवेश की देख-भाल करते थे।

आरशर एक बहुत ही आकांक्षी व्यक्ति था और उसकी आकांक्षा ही उसके मौजूदा हालत के हेतु बनी थी। हुआ यूं था कि जैक आरशर के एक घनिष्ठ मित्र ने उसे गुप्त संकेत दिया था कि आस्ट्रेलिया की एक खान में निकल निकलने की संभावना है। तुम ऐसा करो कि उस कम्पनी के शेयर खरीद लो। क्योंकि जैसे ही यह समाचार विदित होगा, लोग धड□ाधड□ उस कम्पनी के शेयर खरीदने लगेंगे अत: उन शेयरों के दाम आसमान को स्पर्श करने लगेंगे। उस समय तुम कम दामों पर खरीदे शेयर बाजारी भाव पर बेच देना। बैठे बिठाये तुम करोड□पति हो जाओगे। आरशर को यह प्रस्ताव जंच गया था। सो उसने रोल्फ के अकाउंट से पैसा निकाला था और उस कम्पनी के शेयर खरीद लिये थे...इस भावना के साथ कि जब इन शेयरों के भाव चढ□ेंगे, तो मैं इन्हें बेच दूंगा। मुनाफा खुद रख लूंगा, और रोल्फ के खाते से निकाली हुई रकम वापस लौटा दूंगा लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। वह कम्पनी फेल हो गई। सो मुनाफा तो दूर, आरशर ने जो रकम रोल्फ के अकाउंट से निकाली थी, वह भी वापस नहीं लौटा पाया।

उस समय यदि रोल्फ की पत्नी हेल्गा रोल्फ ने उसके साथ सहयोग बरता होता, तो आज यह नौबत न आई होती। हेल्गा ने इस मामले में उसकी सहायता करने से कतई इनकार कर दिया था। आरशर का विचार था कि रोल्फ उस पर गबन का मुकदमा चलायेगा, किन्तु उसने आरशर के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की थी। क्योंकि रोल्फ इस बात से जानकार था कि मेरी पत्नी और जैक आरशर के अनुचित सम्बन्ध हैं और उस पर मुकदमा चलाने से वह यह भेद खोल देगा, और इस प्रकार मेरी खूब बदनामी होगी। सो उसने चुप्पी साध ली थी, लेकिन जैक आरशर को कहीं का नहीं छोड□ा था।

उसने अपना अकाउंट जैक आरशर की फर्म से वापस ले लिया था। उसी के अकाउंट से वह फर्म चलती थी। इसके साथ ही उसने यह समाचार आम कर दिया था कि जैक आरशर एक अविश्वसनीय और गबनकार है। इसके दो परिणाम निकले थे। एक यह कि रोल्फ का अकाउंट हाथ से जाते ही वह फर्म डावांडोल हो गई थी, और उसके अन्य पार्टनरों ने जो काफी बूढ□ हो गये थे, जैक आरशर को पचास हजार देकर फर्म से अलग कर दिया था, और फर्म बन्द कर दी थी। दूसरा यह कि जैक आरशर के जीवन पर बहुत कुप्रभाव पड□ा था। कोई भी फर्म उसे अपने दफ्तर के पास तक नहीं फटकने देती थी।

आरशर एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय विशेषज्ञ एवं कर परामर्शदाता होने के साथ-साथ ललना प्रिय भी था। सम्पन्न प्रौढ□ायें उसकी क्रीड□ा शैली के कारण उसके लिये लालायित रहती थीं। वह फ्रेंच, जर्मन एवं इटेलियन भाषायें धाराप्रवाह से बोलता था। जरा-सी चूक ने उसे गबनकार बना दिया था। अन्यथा उसके जीवन ने शिखर का स्पर्श किया होता। और अब उसे हर समय यह चिंता लगी रहती थी कि पेट के दोजख के लिये दो वक्त का ईंधन कैसे मुहैया किया जाये।

उन्हीं दिनों एडमॉन्डो शैपिलो नामक एक दक्षिण अमरीकी ने आरशर से सम्पर्क जुटाया था, और यह प्रस्ताव किया था कि यदि तुम हमारी प्रोमोशन कंपनी का कानूनी काम करने के लिये तैयार होओ, तो हम तुम्हें सौ डॉलर साप्ताहिक वेतन, और कमीशन के रूप में दस प्रतिशत दे सकते हैं। यह परियोजना एक करोड□ के करीब की है। यह सुनकर आरशर के कान खड□ हो गये थे, और उसने हामी भर ली थी।

तब एड शैपिलो ने उसे अपनी परियोजना का ब्यौरा दिया था कि हमारी कम्पनी यूरोप में जगह-जगह पर हॉलिडे कैम्प बनाना चाहती है। और कम्पनी का मालिक जो पैट्रसन तो मांग और आपूर्ति में अपना जवाब नहीं रखता और बिजनेस में दिल खोलकर पैसा लगाता है। इस बिजनेस के लिये ईरान के शाह से उसकी बातचीत चल रही है और शाह ने इस बिजनेस में बहुत दिलचस्पी व्यक्त की है।

आरशर चुपचाप यह सब सुनता रहा था। वह भलीभांति जानता था कि यूरोप की कई कम्पनियों ने यह बिजनेस शुरू कर रखा है और तकरीबन सभी की सभी घाटे में जा रही हैं।

फिर जब वह स्टेशन पर गाड□ी बदल रहा था तो उसने अपने आपको सांत्वना देते हुये कहा, “क्या पता, ईरान का मूर्ख शाह इस बिजनेस में पैट्रो डालर्स लगा दे और यह कम्पनी चल उठे और मेरा भाग्य खुल जाये।”

इन्हीं विचारों में ग्रस्त वह कोई ग्यारह बजे के करीब प्लाज एंथनी होटल पहुंचा था जहां पर एड शैपिलो उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। शैपिलो के चेहरे पर बदस्तूर मुस्कान बनी रहती थी और वह बड□ी गर्मजोशी से मिलता था लेकिन इस समय उसका मुखमण्डल उदासीन देखकर आरशर का हृदय धक से रह गया।

“कोई गड□बड हो गई है क्या?” आरशर ने पूछा।

“गड□बड□ तो नहीं, अलबत्ता एक बाधा उत्पन्न हो गई है,” शैपिलो ने आरशर को कुर्सी पर बैठने के लिये इशारा करते हुये कहा, “लेकिन कौन ऐसी बाधा है जिसको हटाया न जा सके...हुआ यूं है कि शाह ने हमारी परियोजना में पैसा लगाने से इनकार कर दिया है।”

"यह तो बहुत बुरा हुआ।"

"हां", शैपिलो ने कहा, "शाह नहीं तो कोई और सही। हमारी परियोजना में कई लोग पैसा लगाने के लिये तैयार होंगे। तुम्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं। मिस्टर पैट्रसन तुमसे मिलना चाहते हैं। वह एक प्रसन्नचित्त व्यक्ति हैं लेकिन आज उनका मूड जरा ऐसा ही है। सो तुम उनकी हां में हों मिलाते जाना।"

आरशर काफी देर तक ध्यानपूर्वक शैपिलो की ओर देखता रहा।

"तुम मुझे यह बताओ कि पैट्रसन मुझे नियोजित करेगा या नहीं?"

"मेरे विचार में तो जरूर करेगा। सौ डॉलर प्रति सप्ताह उसके लिये कोई बड□ी बात नहीं। इसके अतिरिक्त वह तुम्हारी योग्यता से बहुत प्रभावित है। चलो, मैं तुम्हें उससे मिला लाऊं।" कहकर शैपिलो-आरशर को एक तरफ से कोने में ले आया जहां पर पैट्रसन पीने में व्यस्त था, वह शायद पांच छ: पैग चढ□ा चुका था।

उसका कद छोटा, शरीर मोटा, नाक गोल और आंखें मक्कार किस्म की थीं।

पैट्रसन पर नजर पड□ते ही आरशर भांप गया कि उसे चढ□ी हुई है। पैट्रसन एक ठेठ अमरीकन लग रहा था। आम अमरीकनों की तरह उसका लिबास भड□कीला था, आवाज ऊंची थी, और मुंह में सिगार था।

पैट्रसन कुछ देर तक धुंधली-धुंधली नजरों से उसकी और देखता रहा था, और फिर एक कुर्सी की ओर इशारा करते हुये बोला था, "तो तुम आरशर हो? क्या पियोगे?"

"मारटिनी" आरशर ने कहा-

"एड! शैपिलो ने मुझे बताया है कि तुमने हमारी प्रोमोशन स्कीम देखी है। उसके बारे में तुम्हारी क्या राय है?"

"मेरी राय में तो आपकी प्रोमोशन स्कीम बहुत लाभदायक सिद्ध होनी चाहिये।"

"वह तो होगी," पैट्रसन ने कहा, "लेकिन मुझे यह समझ नहीं लगी कि उस साले शाह ने हमारी परियोजना में पैसा लगाने से क्यों इनकार कर दिया?"

"इस बारे में तो मैं तभी कुछ कह सकता था यदि मैं बातचीत के समय उपस्थित होता।"

"तुम वकील लोग हमेशा घुमा-फिरा कर बात करते हो। कभी अपना सिरा हाथ नहीं आने देते," पैट्रसन ने कहा, "खैर छोड□ी-मैं यह कहना चाहता हूं कि एड कल सउदी अरब जा रहा है। तुम भी उसके साथ चले जाओ। उन साले अरबियों के पास पैसा ही पैसा है।"

"मैं एड के साथ अरब जाने के लिये तैयार हूं किन्तु सौ डॉलर साप्ताहिक पर नहीं।"

"सौ डॉलर पर जाने के लिये कौन कह रहा है।" पैट्रसन ने कहा, "मैं तुम्हें पूरा खर्च दूंगा और यदि तुम ठेका जुटा लाये; तो मैं तुम्हें ठेके की कुल रकम का दो प्रतिशत दूंगा।"

आरशर सोचने लगा, यह अमरीकन लोग भी क्या चीज हैं। पैसे का लालच देकर कोई भी काम करवा लेते हैं।

"वहां पर आपकी कुछ वाकफियत है?" आरशर ने पूछा।

"क्यों भई वहां पर कोई वाकफियत पैदा की?" पैट्रसन ने एड से पूछा।

"वाकफियत तो वहां पहुंच कर पैदा करनी पड□गी।" एड ने कहा।

इतनी देर में पैट्रसन का गिलास खाली हो गया, और वह शैपिलो की ओर देखने लगा। शैपिलो उसका इशारा समझ गया, और वेटर को पास बुलाकर पैट्रसन का गिलास भरने को कहा। आरशर सोचने लगा-चलो इस बहाने मध्य-पूर्व की यात्रा ही सही। क्या पता वहां पर भाग्य खुल जाये और कोई बढि□या-सी नौकरी या काम मिल जाये। तनिक देर पश्चात जब वेटर पैट्रसन के रिक्त गिलास में व्हिस्की डाल रहा था, गलियारे में हल्का-सा होहल्ला सुनाई दिया।

एक औरत और उसके साथ दो आदमी लिफ्टों की कतार की ओर आगे बढ□ रहे थे। उनके पीछे-पीछे होटल का सहायक मैनेजर था-जिसके पीछे कुली उसी औरत एवं उसके साथ दो आदमियों का सामान ले जा रहे थे।

उस औरत की ओर देखकर आरशर का हृदय धक से रह गया।

वह हेल्गा रोल्फ थी।

आरशर ने हेल्गा को तब से नहीं देखा था जब से उसने रोल्फ का पैसा गबन करने के पश्चात् अपनी करतूत पर पर्दा डालने की खातिर हेल्गा का सहयोग पाने के लिये उसे ब्लैकमेल करने का व्यर्थ प्रयास किया था।

उसने जल्दी से अपना चेहरा हाथ से ढांप लिया कि कहीं हेल्गा की नजर उस पर न पड□ जाये।

हेल्गा इस समय पहले से भी अधिक सुन्दर लग रही थी। उसने एक रमणीक लिबास पहन रखा था, तथा उसकी चाल-ढाल से रईसी टपक रही थी। सारांश, इस समय वह आत्मविश्वास की मूर्ति लग रही थी। हेल्गा को देखकर आरशर ईर्ष्या बोध से भर गया कि अपने पति हरमन रोल्फ की मृत्यु के बाद इसका सौंदर्य और निखर आया है, और उसके अंग-अंग से आत्मविश्वास टपक रहा है।

हेल्गा के साथ जो दो आदमी थे वे उसके साथ-साथ चल रहे थे। उनमें से जिसका कद लंबा था, वह झुककर उससे कुछ बात कर रहा था। दूसरा जिसका कद छोटा थे वह हेल्गा के पीछे-पीछे चल रहा था।

जब हेल्गा और उसका स्टाफ लिफ्टों द्वारा ऊपर चले गये गये, तो पैट्रसन ने कहा, "बड□ी शानदार चीज है। कौन थी वह?"

पैट्रसन की दिलचस्पी देखकर आरशर ने सोचा, यही मौका है, इस अभद्र अमरीकन को प्रभावित करने का।

"वह मैडम हेल्गा रोल्फ थी।"

"हेल्गा रोल्फ? तुम्हारे कहने का आशय है उस इलैक्ट्रॉनिक उद्योगपति हरमन रोल्फ की पत्नी।"

"हरमन रोल्फ के निधन को तीन-चार मास हो चुके हैं।" आरशर ने बताया-"अब हेल्गा रोल्फ ही उसके बिजनेस कारपोरेशन की मालिक है और सुना है कि बड□ी कुशलता से काम चलाती है।"

पैट्रसन की आंखें खुल गईं।

"अच्छा? उसके साथ वे दो टुच्चे कौन थे?"

"जिसका कद लंबा था उसका नाम स्टेनले विनबार्न है। वह उसका कानूनी सलाहकार है तथा उसके बिजनेस के कानूनी मामलों की देखरेख करता है। दूसरा जिसका कद छोटा था, उसका नाम फ्रेड्रिक लोमन है तथा वह कारपोरेशन का उप-अध्यक्ष है। हेल्गा की कारपोरेशन अरबों की है। जहां तक मैं जानता हूं, हेल्गा की निजी सम्पत्ति ही एक अरब से ऊपर है।"

"ओह।" पैट्रसन ने दीर्घश्वास छोड□कर कहा, "बहुत पैसे वाली है।"

"वह तो है ही।" आरशर ने मारटिनी का गिलास खाली करके मेज पर रखते हुये कहा।

"इसके लिये एक और ड्रिंक लाओ, एड।" पैट्रसन ने शैपिलो से कहा।

शैपिलो जब वेटर को उंगली के इशारे से हमारी मेज की ओर बुला रहा था, तो पैट्रसन ने आरशर से कहा, ''तुम्हें उसके बारे में इतनी जानकारी है, तो इसका आशय है कि तुम उसे जानते होओगे।"

यही मौका था जब आरशर को अपना मुंह बन्द रखना चाहिये था, किन्तु मारटिनी के नशे से उसकी जबान ढीली पड□ गई थी।

"जानता होऊंगा?" आरशर ने कहा, "मैं और हेल्गा हम दोनों इकट्ठे रोल्फ की पूंजी की देख-रेख किया करते थे। उससे पहले हमारे बहुत घनिष्ठ संबंध थे।"

"अच्छा।" पैट्रसन-आरशर की इस बात से बहुत प्रभावित हुआ था। "इसका आशय है कि तुमने उसे भोगा भी है।"

"बस इतना कहना ही काफी है कि हमारे संबंध बहुत घनिष्ठ थे।" आरशर ने वेटर के हाथ से मारटिनी का गिलास लेते हुये कहा।

"मैं पूरी बात समझ गया हूं।" पैट्रसन ने सिगार का लंबा कश लेकर कहा, "तो इसका मतलब है कि यह औरत अरबपति है।"

"होगी।" आरशर ने मारटिनी का आधा गिलास खाली करके कहा। वह बड□ा सहज अनुभव कर रहा था।

"लेकिन अब तो तुम उसके लिये काम नहीं करते।" पैट्रसन ने अपनी आंखें आरशर के चेहरे पर गढ□ाते हुये पूछा।

'सावधान।' आरशर ने स्वगत कहा, 'कहीं नशे में अपना भेद मत खोल बैठना।'

"ना अब मैं उसके लिये काम नहीं करता। हमारा आपस में झगड□ा हो गया था। वह एक बहुत ही मुश्किल किस्म की औरत है।" आरशर ने मारटिनी की चुस्की लेकर कहा, "सउदी अरब जाने के लिये जब टिकटें आरक्षित हो जायें, तो आप मुझे बता देना कि मुझे वहां क्या करना होगा।"

पैट्रसन ने तुरन्त कोई जवाब देने की बजाय अपनी ड्रिंक खत्म की और कुछ देर तक सोचकर बोला, "पैसे का प्रबंध जब यहीं इसी होटल में हो सकता है, तो उन अरबी टुच्चों के पाया क्यों जाया जाये।"

आरशर एकटक उसकी ओर देखने लगा।

“मैं समझा नहीं मिस्टर पैट्रसन। इस होटल में पैसे का प्रबंध कहां से हो जायेगा?”

“अपने दिमाग से काम लो आरशर। इस हेल्गा नामक औरत को तुम बहुत अच्छी तरह से जानते हो। उसे अपनी परियोजना के बारे बताओ। हमें बस कुछ लाख की जरूरत है। और लाख उसके लिये मुर्गीदाने के बराबर हैं। तुम उससे बात करो।”

यह सुनते ही आरशर के हाथ पसीने से तर हो गये।

“मिस्टर पैट्रसन, मैं आपको आश्वासन देता हूं कि मैडम रोल्फ आपके हॉलिडे कैम्पों के बिजनेस में बिलकुल पैसा नहीं लगायेगी। मैं उसे बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। उससे यह बात करने का कोई फायदा नहीं होगा।”

पैट्रसन काफी देर तक आरशर की ओर देखता रहा था। फिर वह शैपिलो की ओर देखने लगा था।

“यहां का कबाबगृह किधर है? मुझे भूख लगने लगी है।” और कहकर वह अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ था, और आरशर को संबोधित करते हुये बोला था, “तुम उस औरत से मेरी एक मुलाकात करा दो। बाकी बात मैं खुद कर लूंगा। यदि तुम इतना भी नहीं कर सकते, तो फिर मैं तुम्हें नहीं रखना चाहूंगा। मैं मात्र उन आदमियों को नियोजित करता हूं, जो काम कर सकते हों।” कहकर वह कबाबगृह की ओर चला गया। शैपिलो भी अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ।

“तुमने सुन लिया न जैक कि मिस्टर पैट्रसन क्या कह रहे थे। मेरे विचार में इस काम में कोई मुश्किल नहीं होनी चाहिये। तुम उस औरत को अच्छी तरह से जानते हो।” कहकर शैपिलो पैट्रसन के पीछे-पीछे चला गया था।

* * *

सैंडविच लंच करने के बाद आरशर अपने कमरे में लौट आया था। और अपने आपको कोसने बैठ गया था कि मैंने हेल्गा के साथ अपने संबंधों की पैट्रसन के सामने शेखी क्यों बघारी। मेरे विचार में मैं बूढ़ा हो गया हूं। साल-भर पहले मैं कभी ऐसी गलती न करता, पर अब क्या करूं?

फिर उसने अपने ट्रेवलर्स चेक देखे थे और यह पाया था कि पैसा खत्म होता जा रहा है। और कोई धंधा है नहीं। न ही कोई ऑफर है। हेल्गा से सम्पर्क करना असंभव है।

पिछली बार जब हम इकट्ठे थे तो उसने ब्लैकमेल करने के अपराध में दस साल तक जेल में सड़ने की धमकी दी थी। आरशर यह अच्छी तरह से जानता था कि यदि मैंने हेल्गा को जो पैट्रसन जैसे आदमी से मिलने को कहा, तो उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी। उससे मिलना अनिवार्य था।

सो क्या किया जाये।

तब उसने अपनी जैकेट उतारी और बिस्तरे पर लेट गया वह अक्सर अपने बिस्तरे पर लेटकर अपनी समस्याओं का समाधान निकाला करता था। लेकिन इस समय मारटिनी के नशे के कारण बिस्तरे पर सिर रखते ही उसकी आंख लग गई थी। जब उसकी नींद खुली थी तो जरा-जरा अंधेरा हो

चुका था। वह तीन घंटे से ऊपर तक सोता रहा था। तब उसे बोध हुआ कि कोई उसके कमरे का दरवाजा खटखटा रहा है। उसने अपनी घड़ी की ओर देखा। संध्या के सवा आठ बजे। उसने सोचा, शायद होटल की नौकरानी आई होगी। उसने चिड़चिड़ेपन से उसे अन्दर आने का कहा।

तभी दरवाजा खुला और क्रिस्टोफर ग्रेनविल अपने पूरे ठाट-बाट में कमरे की चौखट के बाहर खड़ा नजर आया।

आरशर उसे देखकर चिहुंक गया, और बिस्तरे पर उठकर बैठ गया।

“माफ कीजियेगा, मैंने आपके आराम में खलल डाला।” ग्रेनविल ने अपनी खनकती हुई आवाज में कहा, “मैं इस गुस्ताखी के लिये आपसे माफी का खास्तगार हूं।”

“कोई बात नहीं, आप तशरीफ लाइये।”

“बात यूं है कि मेरे सिगरेट खत्म हो गये हैं और बाजार बहुत दूर है। मैंने सोचा आप ही से ले लूं।”

आरशर बड़े ध्यान से उसके मनोहर चेहरे को देख रहा था कि अनायास उसके मन में एक विचार कौंधा और वह अपने बिस्तरे से उठकर उसके समीप आकर बोला, “आपको जितने सिगरेट चाहिये उतने ले जाइये। पहले मैं आपको अपना परिचय दे दूं..मुझे जैक आरशर कहते हैं और आपका शुभ नाम?”

“मेरा नाम क्रिस्टोफर ग्रेनविल है।”

“आप अंग्रेज लगते हैं।”

“मैं अंग्रेज ही हूं।”

आरशर बड़े ध्यान से उसके शानदार सूट तथा प्लेटिनम एवं सोने के ब्रेस्लिेट को देख रहा था।

“मैं अभी आराम करके उठा हूं। यदि आपको अवकाश हो, तो पधारिये।”

“मैं आपके विश्राम में बाधा नहीं डालना चाहता, ग्रेनविल ने एक चरचराती हुई आरामकुर्सी पर बैठते हुये कहा, “बड़ा अनोखा-सा होटल है।”

“वह तो है ही लेकिन फिर भी काफी सुविधाजनक है।”

“मेरे विचार में इस होटल को सुविधाजनक कहने की बजाय सस्ता करना अधिक उपयुक्त होगा।”

“निस्संदेह यह पेरिस का सबसे सस्ता होटल है।” आरशर ने सहमति व्यक्त की।

“मुझे अच्छी तरह से मालूम है। मैं प्राय: होटलों की दर सूचियों की तुलना करता रहता हूं। तभी तो इस होटल में निवास कर रहा हूं।”

“इसका आशय है कि आपका सजाव-बनाव बिल्कुल कपटी है।” आरशर ने कहा।

“सजाव-बनाव सदैव कपटी होते हैं, मिस्टर आरशर। जहां तक मेरा अनुमान है आप कोई लखपति प्रतीत होते हैं।”

“काश ऐसा होता!” आरशर ने ठण्डी सांस लेकर कहा, “मैं एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय विशेषज्ञ हूं। यदि आपको अखरे न तो क्या मैं पूछ सकता हूं कि आप क्या शुगल फरमाते हैं?’’

ग्रेनविल ने अपनी टांगें अपने सामने फैला दीं और अपने चमचमाते हुये जूतों की ओर देखने लगा।

आप मुझे अवसरवादी कह सकते हैं। और इस समय मैं अवसर की तलाश में हूं। यह संसार मेरे लिये अवसर तट है।

'अवसरवादी?' अपनी सिगरेट की राख झाड□ने के साथ-साथ आरशर सोचने लगा। इस आदमी ने अपना बहुत अच्छा विवरण दिया है।

"लेकिन आप काफी संभ्रांत प्रतीत होते हैं। आपका कोई न कोई धंधा तो होगा ही।

"संभ्रांत से यदि आपका संकेत मेरे साज-सामान की ओर है," ग्रेनविल ने अपनी कलाइयों पर सोने एवं प्लेटिनम के ब्रेस्लिट का स्पर्श करते हुये कहा, "तो हर अवसरवादी के पास ऐसे साज-सामान होते हैं। यदि वह खस्ता हाल हो जाये, तो फिर उसके लिये कोई आशा नहीं रहती।"

ग्रेनविल ने एक ऐसी हकीकत बयान की थी जो शत-प्रतिशत आरशर पर लागू होती थी। वह इस बात से बहुत आहत हुआ था।

"मैं आपसे बिल्कुल सहमत हूं, लेकिन आपने अभी तक मेरे प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया।"

"कौन से प्रश्न का?"

"वही कि आप क्या धंधा करते हैं।"

"इस वक्त तो मेरा कोई धंधा नहीं। और कल का कुछ पता नहीं। एक अवसरवादी, आपको मालूम होना चाहिये कि आशाओं के भरोसे जीता है।"

आरशर उसके मनोहर व्यक्तित्व एवं उसके ठाट-बाट को देखकर सोचने लगा कि यदि इस आदमी के साथ पटुता से काम लिया जाये तो इसके द्वारा पैट्रसन के साथ मेरी समस्या का समाधान निकल सकता है।"

"मैं शायद आपके लिये कोई रुचिकर अवसर उपलब्ध कर सकूं।" आरशर ने गोल-मोल शब्दों में कहा।

"रुचिकर अवसरों में मुझे हमेशा रुचि रहती है," ग्रेनविल ने उत्तर दिया, "यदि इस नीरस कमरे से बाहर जाकर इकट्ठे स्पेगेटी खायें तो क्या विचार है। मैंने आज सुबह से कुछ नहीं खाया और खाली पेट मेरा दिमाग काम नहीं करता।"

आरशर का दिल गवाही देने लगा था कि इस आदमी से मेरा मतलब हल हो सकता है। वह तुरन्त अपनी जगह से उठ खड□ा हुआ।

"स्पेघेटी क्यों–स्ट्रीक डिनर करते हैं-बिल मैं दूंगा। उसकी तुम चिंता मत करो। आओ चलें।"

डिनर के दौरान ग्रेनविल अनेक विषयों पर बात करता रहा था। आरशर उसकी बातों को बड□ ध्यान से सुनता रहा था। और उसके सामान्यज्ञान एवं संवादपटुता से बहुत प्रभावित हुआ था।

जब वे डिनर खा चुके, तो ग्रेनविल ने अपनी छुरी कांटा एक ओर का रखकर कहा, "इस स्वादिष्ट डिनर के लिये बहुत-बहुत धन्यवाद। अब बिजनेस की बात करते हैं। आपने किसी रुचिकर अवसर का जिक्र किया था।"

आरशर कुर्सी के साथ टेक लगाकर बैठ गया तथा दन्त कुरेदनी से अपने दांत साफ करने लगा।

“मेरा विचार है कि हम दोनों एक-दूसरे के लिये लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं किन्तु कुछ बताने से पहले मैं तुम्हारे बारे में और जानना चाहूंगा। तुम अपने आपको अवसरवादी कहते हो। इससे तुम्हारा क्या अर्थ है...तनिक विस्तार से बताओ।”

“बात यूं है कि पनीर के बिना डिनर का मजा आधा रह जाता है। यदि आपका बजट इजाजत देता हो तो।”

“मेरा बजट कॉफ़ी के अलावा और किसी चीज की इजाजत नहीं देता।” आरशर ने दृढ़ स्वर में कहा।

“तो चलो कॉफ़ी ही सही।” ग्रेनविल सस्मित बोला, “इससे पूर्व कि मैं अपने दिल का हाल आपके सामने खोलूं अर्थात् अपने बारे में आपको विस्तार से बताऊं, अगर आप मुझे थोड़ा-सा संकेत दे दें कि आपके मन में क्या है, तो कैसा रहेगा।”

“मुझे कोई आपत्ति नहीं,” आरशर ने कहा, और वेटर को दो कॉफियों का ऑर्डर देने के बाद ग्रेनविल की ओर मृतवज्जेह हुआ। मैं एक ऐसी कम्पनी का कानूनी सलाहकार हूं जो यूरोप में अनेक स्थानों पर हॉलिडे कैम्प निर्माण करना चाहती है। इस कम्पनी का मालिक एक अमरीकन है जो इस काम के लिये बीस लाख डॉलर जुटाना चाहता है। वह एक अक्खड़-सा आदमी है लेकिन मैं उसे राजी कर लूंगा कि वह तुम्हें अपने अगुवा के रूप में नियोजित कर ले। यह विचार मेरे मन में अभी-अभी कौंधा है सो पहले मैं उससे बात कर लूं...तुम्हें क्या काम करना होगा। यह मैं तुम्हें उससे बात करने के बाद बताऊंगा। मुझे विश्वास है कि वह तुम्हारे व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित होगा। लेकिन उससे बात करने से पहले तुम्हारे बारे में कुछ जानकारी प्राप्त करना चाहूंगा।’’

“यह हॉलिडे कैम्पों का जो तुमने जिक्र किया है, मैंने तो सुना है कि लोग इस बिजनेस से हाथ खींचते जा रहे हैं। मेरे विचार में पर्यटक हॉलिडे कैम्पों को कोई खास पसंद नहीं करते।”

आरशर ने सकारात्मक सिर हिलाते हुये सोचा, यह आदमी कोई मूर्ख नहीं है। हर बात जानता है।

“इस बारे में बाद में बात करेंगे। अब तुम मुझे अपने बारे में बताओ।”

ग्रेनविल ने अपना स्वर्णिम सिगरेट केस खोला तथा उसे खाली पाकर प्रश्नसूचक दृष्टि से आरशर की ओर देखने लगा।

“तुम्हारे पास सिगरेट है या बिना सिगरेट पिये गुजर करनी पड़ेगी?”

आरशर ने वेटर को सिगरेट का पैकेट लाने का इशारा किया। जब वे दोनों सिगरेट सुलगा चुके, तो आरशर ने कहा, “अब गेंद तुम्हारे पाले में है-तुम चाहो तो शुरू हो जाओ।”

ग्रेनविल ने आरशर को एक मधुर मुस्कान से देखा।

“यार लोग मुझे क्रिस कहकर पुकारते हैं। तुम भी मुझे इसी नाम से संबोधित कर सकते हो। साफ-साफ पूछो तो मैं एक जाईगोलो हूं-अर्थात् मेरा धंधा सम्पन्न प्रौढ़ाओं की कामाग्नि शांत करना है। इसे एक घृणित व्यवसाय समझा जाता है-लेकिन जो कुछ भी है यह एक व्यवसाय है। इसे वही लोग घृणा की दृष्टि से देखते हैं जिन्हें प्रौढ़ाओं की शारीरिक इच्छाओं का कोई अहसास नहीं होता। तुम

किसी भी होटल में जाकर देख लो तुम्हें अनेक ऐसी प्रौढ□ाएं देखने को मिलेंगी जो वेटर्स, बारमैनों के पीछे पड□ रहने के साथ-साथ किसी अकेले मर्द की ताक में रहती हैं। हजारों ऊबाऊ अनाकर्षक एवं अकेली प्रौढ□ायें होती हैं जिनकी यह इच्छा होती है कि कोई उनको लाड□ करे, नखरे सहे और उन्हें अच्छी तरह से भोगे, और ये औरतें अपनी इच्छाओं को पूरा करने के पूरे दाम देती हैं। ये जो साज-सामान मेरे पास देख रहे हो ये सब मनोहत प्रौढ□ाओं के दिये हुये हैं। यह ब्रेस्लिट मुझे एक ऐसी प्रौढ□ा ने दिये थे, जिसे यह वहम हो गया था कि मुझे उसके साथ प्रेम है। यह स्वर्णिम सिगरेट कैस एक आस्ट्रियन काउंटेस ने मुझे दिया था। वह यह जिद्द किया करती थी कि हर संध्या मेरे साथ डांस किया करो। फिर मेरे सौभाग्य और उसके दुर्भाग्य से उसे ही दौरे पड□ने लगे और इस प्रकार उससे मेरा पिंड छूट गया। मैं इस समय उनतालीस वर्ष का हूं तथा गत बीस वर्षों से मैं सम्पन्न प्रौढ□ाओं के जीवन को सुखी रखता रहा हूं। सारांश, यही मेरा धंधा है।"

यह सुनकर आरशर के भीतर खुशी की लहर दौड□ गई कि मैंने इसके बारे में सही अनुमान लगाया था।

"मेरे ख्याल से तुम ठीक ही कह रहे थे कि पनीर के बगैर डिनर का मजा आधा रह जाता है।"

□ □ □

जो पैट्रसन जब प्लाजा एंथनी होटल वापस पहुंचा तो उस समय आधी रात हो चुकी थी। वह काउंटर क्लर्क से अपने कमरे की चाबी ले रहा था कि आरशर उसके पास आकर खड□ा हो गया। वह गत दो घंटों से लॉबी में उसकी राह देख रहा था।

"गुड ईवनिंग मिस्टर पैट्रसन।"

जो पैट्रसन ने मुंह बनाकर उसकी ओर देखा।

"क्या बात है?"

"मैं आपसे कोई आवश्यक बात करना चाहता हूं। मिस्टर पैट्रसन।"

"तो बार में चलो।"

जब वे दोनों बार में आकर बैठ गये, और वेटर उनको ड्रिंक्स सर्व करके जा चुका, तो पैट्रसन ने पूछा, "उस हेल्गा रोल्फ नामक औरत का क्या हुआ?"

"मेरे विचार में मैडम रोल्फ को पैसा लगाने के लिये मनाया जा सकता है।" आरशर ने कहा।

पैट्रसन तिरछी नजरों से आरशर की ओर देखने लगा।

"तुमने उससे बात की है? सुबह तो तुम कह रहे थे कि हमारे बिजनेस में वह किसी सूरत में पैसा लगाने के लिये तैयार नहीं होगी?"

"वह मेरा फौरी ख्याल था मिस्टर पैट्रसन लेकिन बहुत सोच-विचार के पश्चात मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि उसे मनाया जा सकता है।"

"तुमने उससे सम्पर्क किया है?"

"मिस्टर पैट्रसन, न तो मैंने उससे सम्पर्क किया है, और न ही ऐसा करने का मेरा कोई इरादा है

लेकिन मुझे यकीन है कि मैडम रोल्फ को इस बात के लिये मनाया जा सकता है कि वह हमारे धंधे में बीस लाख डॉलर लगा दें।"

"तुम यह घुमा-फिराकर बात मत करो और सीधी सपाट बात कहो।"

"मिस्टर पैट्रसन, इस स्थिति को ग्रहण करने से पहले आपके लिये जानना जरूरी है कि मैडम रोल्फ एक कामोन्मादिनी है।"

"कामोन्मादिनी?...वह क्या बला होती है?"

"कामोन्मादिनी ऐसी नारी को कहते हैं जो अति कामुक होती है और बार-बार भोग के लिये लालायित रहती है।"

"तुम्हारे कहने का आशय है कि वह रतिप्रिय है।"

"वह इससे कुछ अधिक ही है। मैं हेल्गा को गत बीस वर्षों से जानता हूं, मिस्टर पैट्रसन...काम उसके लिये उतना ही आवश्यक है जितना मेरे और आपके लिये भोजन।"

यह सुनकर पैट्रसन चक्कर में पड□ गया।

"देखने में तो वह वाकई शानदार चीज है। तुम्हारा क्या विचार है यदि यौन-क्रीड□ा से मैं उसे संतुष्ट कर दूं, तो वह पैसा लगाने के लिये तैयार हो जायेगी?"

यह सुनकर आरशर ध्यानपूर्वक पैट्रसन के चेचकदार चेहरे की ओर देखकर सोचने लगा...काश हम अपने चेहरों को उस नजर से देख सकते जिस नजर से अन्य देखते हैं।

"नहीं मिस्टर पैट्रसन, यह सम्भव नहीं होगा। हेल्गा विशेष प्रकार के मर्दों में रुचि लेती है। वह ऐसे मर्दों की ओर आकर्षित होती है, जिनका कद लम्बे हो, आयु में उससे छोटे हों, अतशय मनोहर हों, संवादपुट हों, और उसकी भांति प्रवाहता से जर्मन, फ्रेंच एवं इटेलियन भाषायें बोल सकते हों।"

"बहुत ही कठिन विलासिनी है।"

"वह अरबपति है...उसका दुस्तोषणीय होना स्वाभाविक है।"

"हां," पैट्रसन ने अपनी नाक मसलते हुये कहा, "एड शैपिलो के बारे में तुम्हारी क्या राय है? वह जवान भी है, मनोहर भी है, तथा स्पेनिश भाषा भी बोल लेता है।"

आरशर ने नकारात्मक सिर हिला दिया।

"एड-हेल्गा को आकर्षित नहीं कर पायेगा। मेरा विचार है कि कोई ऐसा आदमी ढूंढ□ना चाहिये जिसे देखते ही हेल्गा उस पर आशिक हो जाये। मैं हेल्गा को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। एक बार उसका दिल किसी पर आ जाये, तो फिर वह उसके लिये कुछ भी करने के लिये सहमत हो जाती है। तब एक सप्ताह पश्चात वह आदमी हेल्गा को हमारी परियोजना के बारे बताने के साथ उसकी राय मांगे और उससे यह कहे-कि मुझे अपनी कम्पनी के लिये बीस लाख फ्रेंक जुटाने हैं, और यदि मैं यह नहीं कर पाया, तो नौकरी से मेरी छुट्टी हो जायेगी। हेल्गा इस बात को कभी बरदाश्त नहीं करेगी। उसकी सबसे बड□ी कमजोरी यह है कि जिस पर वह रीझी हो, उसके प्रति वह बहुत उदार होती है। वह फौरन उसे बीस लाख देने के लिये तैयार हो जायेगी। मैं इस बात की गारंटी दे सकता

हूं।”

“लेकिन पहले तो ऐसा आदमी ढूंढ□ना पड□ेगा, जिस पर हेल्गा रीझ जाये।”

पैट्रसन के मुंह से यह शब्द सुनकर आरशर ने शांति का दीर्घ श्वास छोड□ा और कुर्सी के साथ टेक लगाकर बैठ गया।

मिस्टर, पैट्रसन, यदि मैंने ऐसा आदमी ढूंढ न लिया होता, तो इतनी रात गये आपको कष्ट न दिया होता। मैं आपसे वेतन ही इसी बात का पाता हूं। मेरा काम है आपकी सेवा करना और आपको परामर्श देना।”

पैट्रसन सीधा होकर बैठ गया।

‘‘तुमने इतनी जल्दी आदमी भी ढूंढ लिया?”

“वह एकदम हेल्गा के मतलब का है। वह उसे देखते ही उस पर लट्टू हो जायेगी।”

“ऐसा आदमी तुमने इतनी जल्दी ढूंढ□ा कैसे?”

आरशर इस सवाल के जवाब के लिये तैयार होकर आया था, और ग्रेनविल को पट्टी पढ□ाकर आया था।

‘‘वह एक व्यावसायिक जाईगोलो है, मिस्टर पैट्रसन और सम्पन्न प्रौढ□ाओं की कामाग्नि शांत करने में अपना जवाब नहीं रखता। कुछ वर्ष पूर्व उसने मेरी एक प्रौढ□ा क्लाइन्ट की बहुत अच्छी सेवा की थी। तब से मैं उसे जानता हूं। आज दोपहर संयोगवश मेरी उससे मुलाकात हो गई। उसे देखते ही मुझे लगा था कि उससे हमारी समस्या का समाधान हो जायेगा। आप उससे एक बार मिल लें फिर आपको अपने आप अंदाजा हो जायेगा।”

“यह जोईगोलों तो बड□े टुच्चे प्रकार के आदमी होते हैं,” पैट्रसन ने मुंह बनाकर कहा, “तुम्हारे विचार में वह इस औरत रोल्फ को आकर्षित कर लेगा?”

“बिल्कुल कर लेगा। यदि मुझे लेशमात्र भी संदेह होता, तो मैंने आपका समय नष्ट न किया होता।”

”तो ठीक है फिर...कल ग्यारह बजे उसे यहां ले आना।”

ग्रेनविल ने यह बात बल देकर आरशर से कही थी कि मैं पैट्रसन को कब और कहां पर मिलूंगा। मान लो वह मुझे नहीं रखना चाहता, तो कम से कम उसकी जेब से बढि□या लंच तो खाया जाये। तुम उससे कहना कि मैं उसे कल एक बजे रिट्ज के कबाबगृह में मिल सकता हूं। उसकी इच्छा हो तो वहां पहुंच जाये नहीं तो उसकी मर्जी।

“मेरे विचार में आपका उससे यहां इस होटल में मिलना अनुपयुक्त होगा। कहीं ऐसा न हो कि मैडम रोल्फ आप दोनों को इकट्ठे देख लें। इसके अलावा वह बहुत व्यस्त है। किन्तु कल एक बजे रिट्ज के कबाबगृह में मिल सकता है।”

“वह व्यस्त है तो हो। उसे यहां आना चाहिये। उसकी गरज है।”

“हमें भी उससे गरज है मिस्टर पैट्रसन। इसके अलावा वह एक हाई क्लास जाईगोलो है। मेरे विचार में बेहतर यही होगा कि जैसे वह चाहता है वैसे रिट्ज में उससे मिल लें।”

"एक जाईगोलो के इतने नखरे।"

"अपने मतलब के लिये किसी के भी नखरे सहने पड□ते हैं। और जब वह मैडम रोल्फ को हमारे बिजनेस में बीस लाख लगाने के लिये सहमत कर देगा, तो हमें उसके नखरे जरा भी नहीं खलेंगें।

"तो ठीक है। मैं कल एक बजे से रिट्ज में मिल लूंगा।" कहकर पैट्रसन ने अपनी जेब से सौ का नोट निकाला, और आरशर के हाथ में देता हुआ बोला, "इसे तुम अपने खर्चे के लिये रख लो।"

आरशर ने वह नोट जेब में डाला, और वहां से चला आया।

* * *

आरशर और पैट्रसन रिट्ज होटल के कबाबगृह में बैठे थे, और पौने घंटे से ग्रेनविल की राह देख रहे थे, ग्रेनविल अभी तक नहीं पहुंचा था, और पैट्रसन बार-बार अपनी घड□ी की ओर ताक रहा था।

"यह साला जाईगोलो अपने आपको समझता क्या है। अभी तक नहीं पहुंचा।" पैट्रसन ने रोष से कहा।

"तभी ग्रेनविल कबाबग्रह में प्रवष्टि हुआ, और वहीं खड□े होकर चारों ओर एक निगाह डाली। पैट्रसन उसकी ओर देखता का देखता रह गया। वह उसके व्यक्तित्व एवं वेशभूषा से बहुत प्रभावित हुआ था। उसी समय होटल का गृह प्रबंधक ग्रेनविल के पास पहुंच गया था, और झुककर कहा था, "ग्रेनविल आप! आप तो लगता है हमें भूल ही गये हैं।"

गृह प्रबंधक ने यह सब फ्रेंच भाषा में कहा था जो पैट्रसन के बिल्कुल अर्थ पल्ले नहीं पड□ा था।

"गृह प्रबंधक ने उससे क्या कहा है?" पैट्रसन ने आरशर से पूछा।

"उसने ग्रेनविल का स्वागत किया है कि आप तो हमें लगता है भूल गये हैं।"

"उसने मेरा तो ऐसा स्वागत नहीं किया था।" पैट्रसन ने आरशर ने कहा, "मैं यहां कई बार आ चुका हूं।"

"अरे हेनरी तुम।" ग्रेनविल ने गृह प्रबंधक के साथ हाथ मिलाते हुये कहा था, "मेरा विचार था तुम सेवानिवृत्त हो चुके होओगे।"

"वाह भई,," पैट्रसन ने आरशर से कहा, "इसका आशय है इसे यहां का सारा स्टाफ जानता है।"

"यहां का क्या, पेरिस का कोई ऐसा रेस्तरां नहीं जहां का स्टाफ ग्रेनविल को न जानता हो।" आरशर ने पैट्रसन को बताया।

तभी ग्रेनविल उनकी मेज के पास पहुंच गया। "हैल्लो जैक," उसने आरशर को विश किया, "और तब पैट्रसन को संबोधित करते हुये बोला, "आप मिस्टर पैट्रसन होंगे। मुझे ग्रेनविल कहते हैं।"

उसी क्षण गृह प्रबंधक व्यंजन-सूची लेकर ग्रेनविल के पास आकर खड□ा हो गया।

"अरे भई व्यंजन सूची मिस्टर पैट्रसन के सामने रखो," ग्रेनविल ने गृह प्रबंधक से कहा, "मेजबान

वह हैं, मैं तो इनका मेहमान हूं।”

वह व्यंजनी पैट्रसन के लिये काले अक्षर समान थी क्योंकि वह फ्रेंच भाषा में थी। सो इन तीनों ने अपनी रुचिनुसार खाना मंगाया था। खाने के दौरान ग्रेनविल पैट्रसन के साथ अनेक विषयों पर बातें करता रहा था। पैट्रसन उसकी विस्तृत जानकारी से बहुत प्रभावित हुआ था। खाना खाने के बाद उन्होंने बढि□या से बढि□या किस्म की वारूणी पान की थी। स्वादिष्ट खाना एवं बढि□या वारूणी पान करने के बाद जब ग्रेनविल संतुष्ट हो गया था, तो उसने पैट्रसन से कहा था, अब बिजनेस की बात करते हैं। आप निश्चित रूप से मेरे बारे में जानना चाहेंगे। मैं अपना बायो डाटा खुद देता हूं, मैं एक अंग्रेज हूं। मेरी आयु उन्तालीस वर्ष है। मैं केम्ब्रिज विश्वविद्यालय का तालीम याफ्ता हूं। जर्मन, फ्रेंच एवं इटेलियन भाषायें प्रवाह से बोल लेता हूं। टेनिस व पोलों का खिलाड□ी हूं। स्त्री का मुझे बहुत शौक है। पिआनो खूब बजा लेता हूं। मॉडर्न आर्ट संगीत से मुझे बहुत लगाव है। जब मेरी शिक्षा समाप्त हुई थी तो मेरे पिता मुझे अपने बिजनेस में जूनियर पार्टनर बनाना चाहते थे किन्तु मुझे बिजनेस में कोई रुचि नहीं थी। मैंने पाया था कि मैं सम्पन्न प्रौढ□ाओं की देहिक इच्छायें पूरी करके मजे का जीवन व्यतीत कर सकता हूं। गत बीस वर्षों से मेरा यहीं धंधा है अर्थात् मैं एक पेशेवर जाईगोलों हूं तथा मैं इस व्यवसाय में बिल्कुल सफल रहा हूं। जैक आरशर ने मुझे बताया है कि हेल्गा रोल्फ की देख-रेख करने के लिये आपको मेरे जैसे विशेषज्ञ की आवश्यकता है। मैडम रोल्फ से अभी तक मेरी मुलाकात तो नहीं हुई किन्तु मुझे अपने आप पर विश्वास है कि वह मेरे हाथ में आ जायेगी। आप अपने बिजनेस को आगे बढ□ाने के लिये हेल्गा रोल्फ से बीस लाख डॉलर लेना चाहते हैं। यदि मैं एवं आप किसी समझौते पर पहुंच सके तो यह रकम मैं आपके लिये प्राप्त कर सकता हूं।

“शायद।” पैट्रसन ने सिगार का कश लेकर कहा।

“शायद नहीं, मैं अवश्य निश्चित यह पैसा आपको हासिल करके दूंगा।”

पैट्रसन सोच में पड□ गया था जबकि आरशर बड□ी उत्सुकता से उसकी ओर देख रहा था।

“तुम इसकी व्यवस्था कैसे करोगे?”

“इससे आपका कोई संबंध नहीं,” ग्रेनविल ने कहा, “मुझे इस कार्य में चंद एक हफ्ते जरूर लग जायेंगे, लेकिन पैसा मैं आपको प्राप्त करके दूंगा।”

“मैं आपको आश्वासन देता हूं, मिस्टर पैट्रसन,” आरशर ने कहा, “कि क्रिस जो कह रहा है करेगा।”

पैट्रसन ने हुंकारा भरा।

“तो फिर लग जाओ इसमें।”

ग्रेनविल ने कॉफ□ी की चुस्की लेकर कहा, “मेरी ओर से कुछ शर्तें हैं। यह कहने की तो कोई जरूरत नहीं कि आरम्भिक खर्चा आपके सर पर होगा।”

“आरम्भिक खर्चे से तुम्हारा आशय?” पैट्रसन ने पूछा।

“मेरा आशय है कि मैं मैडम रोल्फ को बराबर के स्तर पर मिलना चाहूंगा इसके लिये मुझे प्लाजा

एंथनी होटल में एक कमरा चाहिये, एक प्रभावशाली कार चाहिये और शुरू-शुरू में उस पर खर्चने के लिये पांच हजार करना पड़ेगा।”

पैट्रसन को सोचने का कोई मौका न देकर आरशर ने कहा, “बीस लाख हासिल करने के लिये यह कोई ज्यादा खर्चा नहीं है। आखिर आप यह रकम प्राप्त करने के लिये एड एवं मुझे विमान द्वारा सऊदी अरब भेजने के लिये तैयार बैठे थे।”

“मुझे मंजूर है।” पैट्रसन ने अपना सिगार रोल करते हुये कहा, “लेकिन एक बात याद रखना ग्रेनविल, यदि तुमने यह काम नहीं किया, तो मैं तुम्हारे लिये आफत खड़ी कर दूंगा।”

यह सुनकर ग्रेनविल के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई और उसका मुखमण्डल पत्थर की भांति कठोर हो गया।

“मिस्टर पैट्रसन” ग्रेनविल ने पैनी आवाज में कहा, “मैं आपको बतला दूं कि मैं एक अंग्रेज हूं कोई अमरीकन नहीं जो आपकी धमकी में आ जाऊंगा। मैंने आपसे कह दिया है कि मैं आपको मैडम रोल्फ से बीस लाख प्राप्त कर दूंगा। इस पर आप मुझे धमकी दे रहे हैं। यदि आप मुझे यह काम सौंपना चाहते हैं, तो मैं अपनी शर्तों पर यह काम करूंगा, आपकी धमकी के जोर पर नहीं, समझ गये।”

“तुम तो खामख्वााह में गरम हो रहे हो,” पैट्रसन ने ढीले पड़ते हुये कहा, “मैंने तो एक साधारण सी बात कही थी। इसमें बुरा मानने की कोई बात नहीं। मैं अपने शब्द वापस ले लेता हूं।”

“तो फिर पैसे के बारे में जैक से बात कर लो। प्लाजा एंथनी होटल में स्थानांतरित होने से पहले मुझे पांच हजार फ्रैंक्स मिल जाने चाहिये। अब मेरी एक और अप्वाइंटमेन्ट है। सो मैं चलता हूं।” कहकर ग्रेनविल वहां से चला आया था।

“यह तो बड़ा ही मगरूर आदमी है।” ग्रेनविल के जाने के बाद पैट्रसन ने आरशर से कहा।

“जो कुछ भी है, वह हमारे लिये बीस लाख डॉलर उपलब्ध कर सकता है।”

तत्पश्चात् पैट्रसन ने वेटर से बिल लाने को कहा था। बिल चुकाने के पश्चात् दोनों वहां से चले आये थे।

* * *

हेल्गा रोल्फ संसार की सम्पन्न औरतों में से एक थी। इस समय वह प्लाजा एंथनी होटल के अपने सेट में सुगंधित पानी के बाथ टब में लेटी हुई थी। उसकी लंबी टांगें पानी में हलचल-सी पैदा कर रही थी। और उसने अपने स्तनों को अपनी हथेलियों के कटोरों में ले रखा था।

हेल्गा हालांकि वी आईपी क्लास में यात्रा करती थी, तथा एयर हॉस्टेसिज उसके आगे-पीछे घूमती रहती थीं, लेकिन लंबी उड□ानों से उसे बड□ी उकताहट होती थी। विशेषकर जब उसे स्टेनले विनबार्न एवं फ्रैड्रिक लोमन जैसे नीरस आदमियों के साथ सफर करना पड□ता था। लेकिन ये दोनों आदमी रोल्फ इलैक्ट्रॉनिक कारपोरेशन का काम चलाने के लिये बहुत जरूरी थे।

एक समय जब हेल्गा ने कारपोरेशन की अध्यक्षा का पदभार संभाला था तो उसने स्टेनले विनबर्न एवं लोमन की छुट्टी करने की सोची थी। लेकिन गौर करने पर वह इस नतीजे पर पहुंची थी कि ये दोनों आदमी बहुत ही कार्यकुशल हैं, अत: इनको बरखास्त करना कारपोरेशन के हित में गलत होगा।

लोमन ही ने फ्रांस में कारपोरेशन की शाखा खोलने का प्रस्ताव रखा था। इस संबंध में उसने फ्रांस के प्रधान मंत्री से बात की थी जिसने उसे बहुत प्रोत्साहित किया था। फ्रांस में शाखा खोलने के बहुत फायदे थे, सो हेल्गा ने इस प्रस्ताव की स्वीकृति दे दी थी। लोमन ने हेल्गा से कहा था, “मैं एवं विनबार्न फ्रांस सरकार से आगे बातचीत करने के लिये पेरिस जायेंगे।”

“बसन्त ऋतु में पेरिस!” हेल्गा ने मन ही मन में गुदगुदी अनुभव की थी।

सो जब हेल्गा ने विन एवं बर्न लोमन को यह कहा था कि मैं खुद तुम दोनों के साथ जाऊंगी, तो वे हैरान रह गये थे।

परन्तु इस समय सात घंटे की लंबी उबाऊ उड□ान के बाद बाथ टब में लेटी हुई हेल्गा को आश्चर्य हो रहा था कि मेरे यहां आने का क्या तुक था। बसन्त ऋतु में पेरिस अद्भुत होता है लेकिन जब इंसान अकेला हो या उसके साथ विनबार्न एवं लोमन जैसे दो नीरस आदमी हों और यह मालूम हो कि समाचार वर्ग तुम्हारी हर नकली हरकत पर नजर रखे हुये है, तो पेरिस का क्या मजा आयेगा!

हेल्गा ने अपनी लम्बी खूबसूरत टांगें हिलाईं जिससे बाथ टब का सुगंधित पानी छल-छल करने लगा। उसे विधवा हुये पांच मास हो चुके थे। अब वह अपने दिवंगत पति हरमन रोल्फ की समूची संपत्ति की एकमात्र मालिक थी। उसकी अपनी निजी संपत्ति ही एक अरब से ऊपर थी। पेराडाइज सिटी में उसका अपना एक डीलक्स हाउस था। न्यूयार्क में एक गेस्ट हाउस था। स्विरजरलैंड में एक डीलक्स विला था। सब कुछ था किन्तु स्वतंत्रता नहीं थी। वह जो कुछ भी करती थी, वह समाचार के रूप में अखबारों में छपता था। उसे समाचारपत्रों से अत्यंत घृणा थी।

काम उसकी बहुत बड□ी मजबूरी थी, वैसे ही जैसे शराब शराबी की होती है। जब हरमन रोल्फ का निधन हुआ था तो उसने सोचा था कि अब जो कोई मर्द मुझे भायेगा मैं उसके साथ यौन सम्पर्क जुटा लिया करूंगी, लेकिन शीघ्र ही उसने पाया था कि यदि मैं अखबारों की पब्लिसिटी से दूर रहना चाहती हूं, तो अपने प्रेम संबंधों में अभी भी मुझे वैसा ही विवेक रखना पड□ेगा जैसा कि मैं रोल्फ के जीवन काल में रखती आई थी। इन पांच महीनों में हेल्गा ने तीन यौन सम्पर्क जुटाये थे-एक - न्यूयार्क के होटल के वेटर के साथ, दूसरा एक ऐसे बूढ□े के साथ जिसके बारे में कोई यह अनुमान

भी नहीं लगा सकता था कि उसमें कामशक्ति होगी भी; और तीसरे एक बदबूदार हिप्पी के साथ जिसको हेल्गा ने अपनी कार में लिफ्ट दी थी और फिर उसने हेल्गा को कार की पिछली सीट पर लिटाकर प्रचंड प्रहार से उसे संतुष्ट किया था।

ऐसे कब तक चलेगा। मैं हर लिहाज से सम्पन्न हूं किन्तु काम सुख से वंचित हूं। विलासी एवं कामी हूं। बार-बार यौन क्रीड□ा के लिये लालायित रहती हूं। मुझे अपने लिये एक पति ढूंढ□ना चाहिये-कोई ऐसा मर्द जो रह समय मेरे साथ रहे ताकि मैं जब भी रतिक्रीड□ा के लिये उत्कंठित होऊं उसके साथ समागम में संलग्न हो जाऊं और मुझे यह भय न हो कि मेरी बदनामी होगी।

तब हेल्गा बाथ टब से बाहर निकली और आदमकद दर्पण के सामने खड□े होकर अपने शरीर का जायजा लेने लगी। हेल्गा की आयु चौवालीस वर्ष थी लेकिन उम्र उसके साथ बड□ी उदारता से पेश आई थी। सूक्ष्म भोजन एवं ब्यूटिसियन्स की सुविज्ञत ने उसके शरीर को सुघड□ बनाये रखा था। वह स्वस्थ एवं ऊंचे कद की थी। नाक-नक्शा सुन्दर था। केश लंबे, गर्दन पतली एवं लंबी, नासिका सुडौल। स्तन भरे-भरे एवं शंक्वाकार। नितम्ब पुष्ट एवं सम्मोहक, कमर पतली, हाथ-पैर रोम रहित, अधरोष्ठ गुलाबी और चाल मादक और आंखें मतवाली थीं। लेकिन अपने इस सौंदर्य का मुझे क्या फायदा जिसका कोई प्रशंसक नहीं। और न ही किसी को यह अनुमान है कि यह शरीर कितना सुख दे और ले सकता है, हेल्गा ने तौलिये से अपना शरीर पोंछते हुये स्वगत कहा।

तत्पश्चात् कमरे में आकर हेल्गा ने देखा कि नौकरानियां उसका सामान खोल गई हैं। उसने विनबार्न एवं लोमन के साथ कबाब गृह में भोजन करने की हां कर ली थी। तब उसने अपने आपको भड□कीले वस्त्रों एवं आभूषणों से सजाया और लिफ्ट लेकर नीचे चली गई। वहां पहुंचते ही विनबार्न एवं लोमन उसके दायें बायें आकर खड□े हो गये और तब विनबान तथा लोमन दोनों उसकी अगुवाई करते हुये उसे भोजनकक्ष में ले गये। हेल्गा ने जैसे ही भोजन कक्ष में पग धरा, लोग उसकी ओर देखने लगे थे-और हेल्गा इस बात से अवगत थी कि मेरा सौंदर्य यहां बैठे लोगों की आंखों का केन्द्र है।

संयोगवश हेल्गा ने अपने लिये उस मेज का चयन किया था जिसके सामने पैट्रसन बैठा था। हेल्गा पर नजर पड□ते ही पैट्रसन मन ही मन में कहने लगा-आरशर ठीक कहता था-इस जैसी रमणी को ग्रेनविल जैसा छबीला ही वश में कर सकता है।

खाना खाने के दौरान पैट्रसन बड□े ध्यान से हेल्गा की ओर देखता रहा था। तत्पश्चात् जब तक हेल्गा विनबार्न एवं लोमन के साथ वहां से चली नहीं गई थी, पैट्रसन वहीं बैठा वारूणी पान करता रहा था। हेल्गा जब लिफ्ट से अपने सुईट की ओर ऊपर जा रही थी, तो सोचने लगी-फिर वही! सोने की दो गोलियां! क्या ऐसा समय आयेगा जब मैं अपनी तमन्ना पूरी कर सकूंगी।

अपने सुईट में पहुंचकर वह खिड□की के पास जाकर खड□ी हो गई और नीचे तीव्रगति यातायात को देखने लगी। नीचे पेरिस का शोरोगुल था। लोग ऐश मौज में मस्त थे, लेकिन हेल्गा अकेली क्या कर सकती थी। हेल्गा ने खिड□की के पर्दे गिराये और अपने एकान्त सुईट पर एक दृष्टि डाली। पति!

यही मेरी समस्या का समाधान है।

एक पति।

तब हेल्गा ने अपने कपड□ उतार कर फेंक दिये, और निर्वस्त्र बाथरूम में चली गई। वहां पर अलमारी खोली जिसमें नींद की गोलियों की शीशी रखी थी। फिर बेडरूम में आकर एक छोटी-सी नाईट ड्रेस पहनी और बिस्तरे पर लेट कर सोचने लगी...मेरी जैसी रमणियां जब बिस्तरे पर लेटती हैं तो उनके प्रेमियों का अंक उत्कंठा से उनकी बाट जोह रहा होता है और एक मैं हूं कि मुझे सोने की गोलियां खाकर नींद की गोद का सहारा लेना पड□ता है।

थोड□ी देर पश्चात् जब गोलियां अपना असर दिखाने लगीं तो हेल्गा ने सोचा-मेरी मनोशारीरिक समस्या का एक ही समाधान है...एक खूबसूरत सा हृष्ट-पुष्ट पति।

तब उसकी आंखें नींद से बोझिल होने लगीं।

* * *

हेल्गा जब मीठी-मीठी धूप में होटल से बाहर निकली तो एक प्रेस फोटोग्राफर को पहले भी कई बार देखा था, और उस पर नजर पड□ते ही हेल्गा के रौंगटे खड□ हो जाते थे, लेकिन हेल्गा उसे देख कर मुस्करा दी थी, और हाथ हिला कर उसका अभिवादन किया था। हेल्गा ने अपने अनुभव से शिक्षा प्राप्त की थी कि समाचार वर्ग को अपनी व्यवहारपटुता से खुश रखना चाहिये।

तब वह पैदल चलती हुई चैम्पियन एलि, पर स्थित फाकेट बार एवं रेस्तरां की ओर रवाना हो गई थी। उसे पेरिस का वातावरण बहुत सुहावना लग रहा था। चेस्टनट के पेड□ पूरे जोबन पर थे। पर्यटक चहलकदमी कर रहे थे। चारों ओर गहमागहमी थी।

इसी सुहावने वातावरण का आनन्द लेते हुये हेल्गा फाकेट बार एवं रेस्तरां पहुंच गई थी, और एक कोने की सीट पर जाकर बैठ गई थी।

उसी क्षण एक वेटर उसकी मेज के सामने आ खड□ा हुआ था जो उसके शैम्पेन रंग के ऊनी कोट से बहुत प्रभावित हुआ था। हेल्गा आराम से बैठी थी, और आसपास बैठी आडम्बर-प्रिय अमरीकन औरतों को देख रही थी, जिन्होंने रत्नजडि□त ऐनकें एवं विचित्र प्रकार के हैट पहन रखे थे। विनबार्न ने हेल्गा को अपने साथ लंच करने को कहा था किन्तु हेल्गा ने सोचा कि इस बोर आदमी के साथ बैठकर उसकी नीरस बातें सुनने से तो अकेले भोजन करना भला। सो उसने विनबार्न से बहाना बना दिया था कि मुझे शॉपिंग करने जाना है लेकिन बसन्त ऋतु में पेरिस में एक रमणी अकेले भोजन करे!

हेल्गा ने अपना हैंड बैग खोलकर सिगरेट केस से सिगरेट निकाला ही था कि किसी ने अपना हीरों जडि□त सिगरेट लाईटर जलाकर उसकी सिगरेट के सामने कर दिया। हेल्गा ने बड□ आराम से अपना सिर आगे करके सिगरेट सुलगाई, और तब सिर उठाकर उसकी ओर देखा।

अब हेल्गा को यह कैसे मालूम हो सकता था कि ग्रेनविल एक घंटे तक उसके होटल के बाहर उसकी प्रतीक्षा करता रहा था और तब उस पर ध्यान रखते हुए उसका पीछा करते-करते चुपके से उसकी साथ वाली सीट पर आ बैठा था।

उसकी भूरी आंखों में देखकर हेल्गा के शरीर में काम लहर दौड□ गई। 'मर्द है।' हेल्गा ने मन ही मन में कहा-सुवस्त्रित और मनोहर-कलाइयां भी तो देखीं, क्या मजबूत और घने बालों वाली हैं। मुस्कान है तो रमणीय-दांत हैं, तो ऐसे मानो मोतियों की लड□ी हों।

वे दोनों एक दूसरे की ओर देखते रहे।

"पेरिस की बसन्त ऋतु की सभी प्रशंसा करते हैं लेकिन यदि कोई साथी न हो तो यह बसन्त ऋतु बहुत खलती है।"

"तुम बिना साथी के हो?" हेल्गा ने पूछा।

"क्या मैं भी यही सवाल आपसे कर सकता हूं?" ग्रेनविल ने कहा।

हेल्गा मुस्कराने लगी।

"हां तुम यह सवाल कर सकते हो, और उसका जवाब यह है कि मैं बिना साथी के हूं।"

"तो फिर हम दोनों की कमी पूरी हो गई। अब हम दोनों बिना साथी के नहीं रहे।"

ग्रेनविल की हाजिर जवाबी पर हेल्गा हंसने लगी।

वह दिलचस्प आदमियों को यूं पटा लेती थी किन्तु अंत में उसे पछताना पड□ता था। उसके साथ कई सालों से ऐसा होता आ रहा था। सो वह प्रेमियों के चयन में सावधानी बरतने लगी थी। लेकिन इस समय कुछ तो सुहावने मौसम, और कुछ व्हिस्की के सरूर से वह कुछ असावधान सी हो गई थी।

"मैं एक वर्ष से पेरिस नहीं आई, लेकिन मुझे तो यह वैसे का वैसा लगता है।"

"कभी कोई चीज वैसी नहीं रहती। हर चीज वक्त के तकाजे के साथ बदलती रहती है। अब आप इन लोगों की ओर ही देखिये।" ग्रेनविल ने सड□क पर राह चलतों की ओर इशारा करके कहा, "इन लोगों को देखकर मुझे ऐसा अनुभव होता है मानो आप एवं मेरे जैसे लोग पुराने हो गए हों। अब तो इन लंबे-लंबे गंदे बालों, कंधे पर गिटार लटका कर चलने वालों का जमाना आ गया है। आप और मेरी जैसी सुरुचियों वाले तो लुप्त होते जा रहे हैं।"

हेल्गा इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही थी कि वह क्या कह रहा है। वह तो उसका मनोहर व्यक्तित्व देखने में व्यस्त थी। वह दस मिनट तक लगातार बोलता रहा था, और फिर उसने एकाएक कहा था, "मैं तुम्हें बोर कर रहा हूं?"

"बिल्कुल नहीं। मुझे तुम्हारी बातों में बड□ा रस आ रहा था।"

वह हेल्गा की ओर देखकर मुस्कराने लगा और हेल्गा सोचने लगी-क्या मर्द है!

"यदि आपने किसी को समय न दे रखा हो तो फिर मेरे साथ लंच कीजिये," ग्रेनविल ने उसे निमंत्रण दिया, "यहां से थोड□ी ही दूर एक बहुत बढि□या-सा रेस्तरां है।"

हेल्गा के दिल में गुदगुदी होने लगी। बहुत ही चालू है-हेल्गा ने मन ही मन में कहा-आयु में मुझसे कई वर्ष छोटा होगा और प्रशंसनीय दृष्टि से मेरी ओर देखता है।

"हां-हां जरूर," हेल्गा ने कहा, "लेकिन पहले हम एक दूसरे को अपना परिचय तो दें, मुझे हेल्गा

रोल्फ कहते हैं।” कहकर ध्यानपूर्वक उसकी ओर देखने लगी कि वह क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करता है। प्राय: ऐसा होता था कि हेल्गा जब भी किसी को अपना नाम बताती थी, तो लोग विस्मय से उसकी ओर देखने लगते थे, किन्तु ग्रेनविल ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की थी।

“मेरा नाम क्रिस्टोफर ग्रेनविल है।” कहकर उसने वेटर को बिल देने को कहा और तब बिल का भुगतान करके हेल्गा से बोला, “आप जरा यहीं रुकिये, मैं इतनी देर में अपनी कार ले आऊं।”

जब वह उठकर जा रहा था, तो हेल्गा उसकी पीठ की ओर देखने लगी...देखो तो क्या लंबा कद और सुघड□ शरीर है-हेल्गा ने मन ही मन में कहा-बिल्कुल मेरे मतलब की चीज है।

तब वह सोचने लगी-मैं मर्द के मामले में हमेशा गलती कर बैठती हूं-बॉन में उस युवा से याराना गांठा था, तो वह भौंड□ा निकला, नसाऊ में हृष्ट-पुष्ट लड□के से यारी की तो उसे जादू टोने के अलावा कुछ सूझता ही नहीं था, और तीसरा वह जो इतना खूबसूरत और तगड□ा था कि देखते बनता था-लेकिन वह एक ब्लैकमेलर निकला। मर्दों के चयन में मैंने ऐसी न जाने कितनी गलतियां की हैं लेकिन इस बार भाग्य जरूर मेरा साथ देगा।

इतनी देर में ग्रेनविल गहरे नीले रंग की मर्सिडीज कार लेकर वहां पहुंच गया और हेल्गा को अपनी बगल में बिठा लिया। इतनी देर में ग्रेनविल की कार के पीछे कई कारें रुक गई थीं जिन्होंने हार्न बजाने शुरू कर दिये थे।

“पेरिस वालों को तो कार चलाने की तमीज तक नहीं” ग्रेनविल ने अपनी कार आगे बढ□ाते हुये कहा, “जरा आगे की कार रुकी नहीं कि वे आसमान सर पर उठा लेते हैं।”

“मुझे तो पेरिस में कार चलाने के नाम से ही डर लगता है।” हेल्गा ने कहा।

“रमणियों को पेरिस में कार चलानी ही नहीं चाहिये।” ग्रेनविल ने कहा, “उनके साथ तो कोई कार चलाने वाला होना चाहिये।”

हेल्गा को उसकी बातें बहुत अच्छी लग रही थीं। इसके साथ ही उसे ग्रेनविल के कार चलाने का स्टाइल बहुत अच्छा लगा था।

“यह मर्सिडीज गाड□ी है न?” हेल्गा ने पूछा।

“हां।”

“बहुत बढि□या गाड□ी है। मैं मर्सिडीज में पहले कभी नहीं बैठी।”

“शहर से बाहर सड□कों पर चलाने के लिये तो बहुत बढि□या गाड□ी है किन्तु शहर के अन्दर।”

तब ग्रेनविल ने अपनी मर्सिडीज एक तंग गली से गुजारी और पार्किंग लाट में लाकर खड□ी कर दी। हेल्गा ने कार से उतरने के लिये दरवाजे के हैन्डल पर हाथ रखा ही था कि ग्रेनविल विद्युत गति से अपनी सीट से उतरा और फटाक से हेल्गा का दरवाजा खोल दिया।

हेल्गा उसकी तेजी एवं सभ्यता से बड□ी प्रभावित हुई।

“वैरी मैनरली।” उसने ग्रेनविल की प्रशंसा की।

“आप एवं मेरे जैसों में अदब आदाब नहीं होगा, तो किसमें होगा।” ग्रेनविल ने कहा, “वह रेस्तरां यहां से थोड□ा आगे है वहां तक पैदल चलना पड□ेगा।”

तब ग्रेनविल-हेल्गा का बाजू थाम कर उसे रेस्तरों के पास ले आया। रेस्तरां को देखकर हेल्गा बुझ सी गई।

वह आलीशान रेस्तरांओं में जाने की आदी थी-और यह देखने में बिल्कुल ढाबा सा लगता था। ग्रेनविल-हेल्गा का हाथ थामे उसे रेस्तरां के अन्दर ले आया। उसके अन्दर प्रवेश करते ही रेस्तरां का मालिक क्लाड-ग्रेनविल के पास पहुंच गया और बड□ी गर्मजोशी से उसका स्वागत किया। ग्रेनविल ने जब हेल्गा का क्लाड से परिचय करवाया, तो हेल्गा-क्लाड का पूरा नाम सुनकर हैरान रह गई। क्लाड पेरिस एवं सारे यूरोप का प्रसिद्ध बावर्ची था। तब ग्रेनविल हेल्गा को रेस्तरां के एक कुंज में ले आया। जिसकी सज्जा देखकर हेल्गा दंग रह गई। इस जैसा बढि□या एवं खूबसूरत कुंज हेल्गा ने पेरिस के किसी रेस्तरों में नहीं देखा।

तब हेल्गा के बैठने के लिये जब ग्रेनविल ने कुर्सी मेज के नीचे से अपनी ओर सरकाई थी, हेल्गा ने कहा था, “मैं तो कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि पेरिस में ऐसे स्थान भी हैं।”

“यहां का खाना भी कुछ कम नहीं।” ग्रेनविल ने बताया, और क्लाड को खाना भेजने के लिये कहा।

खाना भी ऐसा था कि हेल्गा एक-एक निवाले के पश्चात सौ-सौ मुंह खाने की प्रशंसा करती रही थी।

खाना खाने के पश्चात् और स्वीटडिश आने से पूर्व ग्रेनविल ने अपना रत्नजडि□त स्वर्णिम सिगरेट केस खोलकर हेल्गा को सिगरेट पेश की।

हेल्गा ने सिगरेट केस से सिगरेट लेते हुये कहा, “बहुत ही सुन्दर सिगरेट केस है।”

“यह सिगरेट केस एक आस्ट्रियन काउंटेस ने मुझे उपहार में दिया था।” ग्रेनविल ने उसे बताया और उस वक्त को याद करने लगा जब इस सिगरेट केस को प्राप्त करने के लिये उसे उस मोटी प्रौढ□ा आस्ट्रियन काउंटेस को प्रसन्न करने के लिये बाथरूम में घंटों उसके साथ डांस करना पड□ता था।

हेल्गा बड□े ध्यान से उसके चेहरे की ओर देखने लगी थी, मानों उसके चेहरे को पढ□ने का प्रयास कर रही हो।

“तुम पेरिस क्या करने आये हो?”

“बिजनेस और ऐश,” ग्रेनविल ने टालने के अंदाज में हाथ हिलाकर कहा, “आप बताईये...आप तो यहां लिबास खरीदने आई होंगी?”

“मैं अपने बिजनेस के संबंध में पेरिस आई हूं। और कुछ शॉपिंग भी करूंगी।”

ग्रेनविल हैरानी का अभिनय करने लगा।

“मैं मान ही नहीं सकता कि आप जैसी रमणी बिजनेस करती होगी।” कहकर ग्रेनविल ने अपने

माथे पर हाथ मारा, “ओह-मैं भी कितना मूर्ख हूं कि आपको पहचान नहीं पाया। अरे! आप तो मैडम रोल्फ हैं।”

इतनी देर में वेटर आइसक्रीम लेकर पहुंच गया, और वे खामोश हो गये।

वेटर जब आइसक्रीम रखकर चला गया, और वे दोनों आइसक्रीम पान करने लगे, तो ग्रेनविल ने सस्मित कहा, “तो आप रोल्फ इलैक्ट्रानिक कारपोरेशन की मालिक हैं। कोई दिन ही ऐसा होता होगा जब समाचार पत्रों में आपका नाम नहीं पढ□ता होऊंगा। आपसे भेंट होना मेरे लिये बड□ गौरव की बात है, और यह भी क्या इत्तिफाक है कि हम दोनों एक ही होटल में ठहरे हैं।”

“मैं बहुत ही दौलतमंद औरत हूं किन्तु मेरी दौलत ने मुझसे मेरी स्वतंत्रता छीन ली है। जिससे मुझे प्राय: अकेलेपन का अहसास होता है। मुझे अपनी नकलो-हरकत से सावधानी बरतनी पड□ती है।”

“मैं आपकी मुश्किल को खूब समझता हूं। समाचारवर्ग हर समय ताक में रहते होंगे कि आपका बिजनेस कैसा चल रहा है, आप कौन-सी नयी कम्पनियां खरीद रही हैं, आप किससे मिलने गईं, आपसे कौन मिलने आया। ताकि वे आपके नाम के साथ मिर्च मसाला लगाकर समाचार को रोमांचक बना सकें।”

“आपका बिजनेस क्या है?” हेल्गा ने उत्सुकता से पूछा।

“कुछ यह कुछ वह,” ग्रेनविल ने कहा, “अब बिजनेस की नीरस बातों से खाने का मजा मत बिगाडि□ये। पेरिस जैसे शहर में हसीन बातें करनी चाहिये।” कहकर वह उससे इस अंदाज में बातें करने लगा कि वह मंत्रमुग्ध हो गई। जब वेटर ने कॉफ□ी लाकर उनके सामने रखी, तो उस समय भी ग्रेनविल एकालाप कर रहा था। हेल्गा उसके एकालाप से जरा भी बोर नहीं हुई थी।

“आज से पहले मैंने कभी न तो इतना बढि□या खाना खाया है और न ही ऐसी दिलचस्प बातें सुनी हैं।”

“खाना तो यहां का होता ही बढि□या है। रही बातें तो मैं तब बातें करता हूं जब मेरे साथ मेरे मतलब का हसीन साथी हो। अब देखो न, इधर तो मुझे आपकी संगति से आनन्द आ रहा है, और उधर मेरी अप्वाइंटमेन्ट है। मैं आपको होटल छोड□ देता हूं।” कहकर ग्रेनविल बिल चुकाने चला गया। तनिक देर बाद जब वे दोनों मर्सिडीज कार में होटल की ओर जा रहे थे, तो ग्रेनविल ने कहा, “यदि कल भी ऐसी ही मुलाकात की जाये तो कैसा रहे? मैं प्रॉमिस करता हूं कल कम बातें करूंगा।” ग्रेनविल ने एक दिलफेंक मुस्कान के साथ कहा, “यहां ऐसा ही एक और बढि□या-सा रेस्तरां है। आप मेरे साथ वहां पर डिनर करना पसंद करेंगी?”

“जरूर।” हेल्गा ने निस्संकोच कहा।

होटल पहुंच कर ग्रेनविल हेल्गा के साथ-साथ लिफ्ट तक गया। लिफ्ट जब तक नीचे नहीं पहुंची, वह लगातार एक दूसरे की ओर देखते रहे।

“यदि आपको आपत्ति न हो, तो मैं आपको हेल्गा कहकर पुकार लिया करूं...आपका नाम बहुत हसीन है।” ग्रेनविल ने पूछा।

‘‘मैंने तुम्हें माना थोड□ ही किया है।’’ हेल्गा ने उत्तर दिया।

“तो फिर कल रात आठ बजे यहीं लॉबी में मुलाकात होगी।”

हेल्गा ने सकारात्मक सिर हिलाया, उसकी कलाई का स्पर्श किया और लिफ्ट में सवार होकर ऊपर अपने सुईट की तरफ चली गई।

जो पैट्रसन एक कुंज में बैठा साश्चर्य हेल्गा और ग्रेनविल की ओर देख रहा था। जब हेल्गा की लिफ्ट नजरों से ओझल हो चुकी तो वह टहलता हुआ जो पैट्रसन के पास चला आया।

‘‘कोई समस्या नहीं होगी मिस्टर पैट्रसन...बस और तीन-चार दिन की बात है... फिर यह चिडि□या मेरी मुट्ठी में होगी।’’

कहकर ग्रेनविल रिसेप्शन काउंटर पर चला गया।

“एक कार्ड और एक लिफाफा।” ग्रेनविल ने कहा।

“अभी लीजिये।”

ग्रेनविल ने कार्ड पर हेल्गा के नाम यह संदेश लिखा-“हसीन संगति प्रदान करने के लिये बहुत धन्यवाद-क्रिस।” और तब कार्ड को लिफाफे में बन्द करके रिसेप्शन क्लर्क को देते हुये बोला, “इसे आप मैडम रोल्फ को भेज देना और इसके साथ गुलाब के बारह फूल भी तथा उन फूलों की कीमत मेरे बिल में जोड□ देना।”

जब ग्रेनविल होटल से बाहर आया, और अपनी मर्सिडीज कार की ओर आगे बढ□ने लगा।

* * *

उसी शाम जब आरशर एवं ग्रेनविल होटल जार्ज फिफ्थ में पैट्रसन से मिलने गये, तो वह बड□ अच्छे मूड में और सरूर में था। वेटर को ऑर्डर देने के पश्चात् उसने आरशर से कहा, “तुमने इस काम के लिये बिल्कुल सटीक आदमी चुना है।” तब वह खीसें काढ□ कर कर ग्रेनविल को संबोधित करते हुये बोला, “तुम बहुत चालू हो। उसकी शक्ल से लग रहा था कि वह तुम्हारे हाथों बिक गई है। तुमने उसे खूब रिझाया है।”

“औरतों का रिझाना तो मेरा पेशा है मिस्टर पैट्रसन।” इतनी देर में वेटर तली हुई मछली लेकर उनकी मेज के पास पहुंच गया और वे खामोश हो गये। जब वेटर जा चुका, तो पैट्रसन ने अपनी बात जारी करके कहा, “तुम्हारा काम उसके दिल में यह बिठाना है कि हमारी परियोजना बहुत ही लाभदायक है और वह उसमें बीस लाख लगा दे। मैं तुम्हें अपनी इस परियोजना के बारे में तफसील से बता देता हूं। यदि बाद में कुछ और मालूम करने की जरूरत पड□, तो आरशर से पूछ लेना। यह अच्छी तरह से समझा देगा।”

ग्रेनविल ने सकारात्मक सिर हिला दिया।

“एक बार वह तुम्हारे हत्थे चढ□ जाये, तो फिर मेरी नजर कई और स्थान पर भी है जहां पर हॉलिडे कैम्पस निर्माण किये जा सकते हैं।”

आरशर जो चुपचाप बैठा था, सोचने लगा कि पैट्रसन आसमान पर उड□ने लगा है। इसे जमीन

पर उतार लाऊं तो अच्छा है।

"मैं आपको यह बात बता दूं मिस्टर पैट्रसन कि हेल्गा एक बहुत ही कुशल एवं चतुर बिजनेस वूमन है। यदि आप इस ख्याल में हैं कि पैसा लगाने के बाद वह एक निष्क्रिय साझेदार बनने के लिये सहमत हो जायेगी तो आप बहुत भारी गलतफहमी में हैं। वह बिजनेस पर पूरा नियंत्रण चाहेगी।"

पैट्रसन मुंह मैला करके बोला, "एक औरत मेरे बिजनेस में दखल दे यह मेरे बस से बाहर है।" कहकर वह ग्रेनविल की ओर देखकर बोला, "तुम उसे यह कहना कि हम उसके पैसे पर उसे पच्चीस प्रतिशत देंगे लेकिन नियंत्रण हमारा होगा।"

आरशर की अपेक्षा के विपरीत ने जब पैट्रसन को यह उत्तर दिया कि इसके लिये हेल्गा को सहमत करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, तो आरशर यह सुनकर हैरान रह गया।

पैट्रसन ने ग्रेनविल का बाजू थपथपा कर कहा, "यह हुई न बात।"

"तुम यह बताओ कि उससे पैसा हासिल करने में कितना समय लग जायेगा?"

"जल्दबाजी करना कोई उचित नहीं होगा, मिस्टर पैट्रान। दस दिन तो लग ही जायेंगे। अभी तक मैंने उसके साथ सहवास ही नहीं किया।"

"दस दिन ठीक हैं-लेकिन जरा खर्चे का ख्याल रखना ज्यादा खर्चा मत करना।"

"आप खर्चे की बात करते हैं, और मैं काम पूरा करने की सोचता हूं। ऐसे कामों में खर्च की कोई परवाह नहीं किया करता। इसके अलावा मेरे बारे में हेल्गा का विचार है कि मैं एक धनाढ्य हूं। सो उसका यह भ्रम बनाये रखने के लिये मुझे उस पर खर्चा तो करना ही पड□गा।"

"वह तो मैं मानता हूं लेकिन मेरे पास पैसे का पेड□ तो नहीं है बस इतना ख्याल रखना।"

"पैसे का पेड□ किसके पास होता है," ग्रेनविल ने लापरवाही से कहा, और पेरिस की नाईट लाईफ के बारे में एकालाप आरम्भ कर दिया। ग्रेनविल पेरिस के जीवन के बारे में इतना बहुश्रुत था कि पैट्रसन दिलचस्पी से उसका एकालाप सुनने लगा। ग्रेनविल एकालाप के साथ-साथ अनेक प्रकार के पकवानों से पेट पूजा कर रहा था।

जब वह खाना खा चुका, तो पैट्रसन ने उसे किसी बढि□या से वेश्यालय का नाम पता बताने को कहा।

"तुम ऐसा करो कि इस वेश्यालय में चले जाना," ग्रेनविल ने एक कागज पर एक वेश्यालय का पता लिखकर देते हुए कहा, "और क्लाइंट से सौदा तय कर लेना। यौन क्रीड□ा में वह बहुत ही सक्षम है। वह तुम्हें कई दिनों के लिये संतुष्ट कर देगी।"

"अच्छा मैं तो चला," पैट्रसन अपनी जगह से उठकर बोला, "तुम जरा खर्चे का ख्याल रखना।" कह वह होटल से बाहर निकल आया।

"क्या घटिया आदमी है," ग्रेनविल ने आरशर से कहा, और वेटर को इशारा करके बोला, "मेरे लिये कॉफ□ी और ब्रांडी।"

"हां घटिया है," आरशर ने कहा, "लेकिन हाल-फिलहाल तो उसी के द्वारा मेरी जीविका चलती

है।”

“तुम्हारा क्या ख्याल है?” ग्रेनविल अपनी भौंहें चढ□ाकर बोला, “तुम भी यही सोचते हो कि हेल्गा इसकी वाहियात परियोजना में पैसा लगाने के लिये सहमत हो जायेगी।”

“कदापि नहीं। लेकिन जब तक पैट्रसन का यह भ्रम बना रहता है कि हेल्गा इतनी रकम दे देगी तब तक मुझे सौ डॉलर प्रति सप्ताह और तुम्हें अपने आमोद-प्रमोद के लिये पैसा मुहैया होता रहेगा। सो हम अपने फायदे पर लात क्यों मारें?”

“और जब हेल्गा इस प्रस्ताव को रद्द कर देगी, तो?”

“तो तुम्हें अपने लिये कोई और प्रौढ□ा तलाश करनी पड□ेगी, और मुझे नहीं नौकरी ढूंढनी पड□ेगी।”

“तुम गंभीर नहीं हो।” ग्रेनविल ने कहा।

“बिल्कुल गंभीर हूं। और वास्तविकता से कभी मुंह नहीं चुराता।” आरशर ने जवाब दिया।

“यार, तुम पराजयवादी हो। तुम स्थिति को मेरी दृष्टि से देखो। कुछ ही घंटों में मैंने संसार की सम्पन्न औरत को लुभा लिया है। वह मेरे साथ रमण करने के लिये उत्कंठित है। एक बार हम प्रेमी बन गये तो उसके करोड□ों मेरी पहुंच में होंगे। मैं मानता हूं कि छल योजनायें बनाना मेरे वश से बाहर है, लेकिन तुम तो ऐसे कामों में महारत रखते हो। यदि मैंने गलत कहा हो तो मुझे बता दो।” ग्रेनविल की यह बात सुनकर आरशर के कान खड□े हो गये।

“तुम कहना क्या चाहते हो?”

“मैं यह कहना चाहता हूं कि पैट्रसन को तो छोड□ दें और हेल्गा से जितना पैसा बन पड□े उतना ऐंठें।”

आरशर काफी देर तक सोचता रहा।

“तुम्हारी विचारधारा बिल्कुल गलत है क्रिस। पैट्रसन की आर्थिक सहायता के बिना हम आगे नहीं बढ□ सकते। तुम्हारे पास मर्सिडीज कार और प्लाजा एंथनी का कमरा नहीं रहेगा, और मैं अलग आर्थिक संकट में पड□ जाऊंगा। मैं मानता हूं कि पैट्रसन से पिंड छुड□ाने का तुम्हारा प्रस्ताव बहुत ही अच्छा है लेकिन अगर हमने ऐसा किया, तो पैसा कहां से आयेगा तथा दूसरी बात यह है कि तुमने अभी तक हेल्गा का एक ही रुख देखा है कि वह खूबसूरत एवं मधुरभाषी है। उसका दूसरा पक्ष सर्वथा विभिन्न है। वह जितनी सुन्दर है उतनी ही कठोर एवं चतुर है। वह एक प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय विशेषज्ञ की बेटी है तथा उसने पिता का दिमाग उत्तराधिकार में पाया है। हेल्गा एक वित्तीय विशेषज्ञ होने के साथ-साथ अर्थशास्त्र और कानून की पंडित है। वह छल को कोसों दूर से सूंघ लेती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि यौन उसकी कमजोरी है और वह अपने यारों पर दिल खोलकर पैसा खर्च करती है लेकिन यदि कोई उसकी कमजोरी का फायदा उठाना चाहें तो यह असंभव है। वह फौरन ताड□ जाती है और उसको बुरे के घर तक पहुंचाकर दम लेती है। तुम उसको कम मत आंको।”

आरशर आंखें बन्द करके सोचने लगता कि पिछली बार जब मेरी जरा-सी चूक से हरमन रोल्फ

का पैसा डूब गया था तो हेल्गा ने मुझे संकट से उबारने की बजाय मुझे अपने घेरे में ले, मेरी वह हालत की कि मुझे दो वक्त की रोटी के लाले पड़े हुये हैं। क्यों न उससे बदला लिया जाये। लेकिन कैसे?"

"मैं इस बारे में सोचूंगा क्रिस।"

यही तो मैं कह रहा हूं। हमारे पास अभी दस दिन हैं। इस दौरान तो वह टुच्चा पैट्रसन हमें पैसा देगा ही देगा। और हम उसकी आंखों में यह धूल झोंकते रहेंगे कि हेल्गा शीशे में उतर रही है। फिर हम पैट्रसन को झांसा दे देंगे।"

"क्रिस, मैं तुम्हें फिर बता दूं कि हेल्गा को कम आंकना बहुत बड़ी हिमाकत होगी।"

आरशर की यह चेतावनी सुनकर ग्रेनविल हंसने लगा था।

"आज दोपहर यदि तुमने यह देख लिया होता कि वह मुझे कैसे टुकर-टुकर देख रही थी, तो तुम यह बात कभी न कहते। वह तो पेड़ पर पके हुये आम की तरह मेरी गोद में गिरने के लिये तैयार है।"

तत्पश्चात आरशर अपने होटल वापस लौट आया, और अपने कमरे में बिस्तरे पर लेटकर यह सोचने लगा कि ऐसी क्या योजना बनाई जाये कि हेल्गा बीस लाख देने पर तैयार हो जाये। लेकिन उसके तेज-तर्रार दिमाग ने उसका कोई साथ नहीं दिया।

आखिर थक-हारकर उसने रेडियो ऑन कर दिया, और ग्यारह बजे के समाचार सुनने लगा। सबसे महत्वपूर्ण समाचार यह था कि अपहरणकर्ताओं की एक टोली ने पांच लोगों को बंधक बना लिया है उनको मुक्त करने के लिये एक करोड़ फिरौती धन मांगा है। आरशर ने अधीरता से रेडियो बन्द कर दिया, और कपड़े उतारने लगा। उसने आधी ही कमीज उतारी थी कि रुक गया और रेडियो की ओर देखने लगा।

अपहरण!

एक योजना उसके दिमाग में जन्म लेने लगी, और फिर वह सारी रात नहीं सो पाया।

* * *

रेलिस दा फ्लोर एक छोटा-सा रेस्तरां है जो फांतेब्लू पैलेस के पीछे की गली में स्थित है। हेल्गा एवं ग्रेनविल जब वहां पहुंचे, तो वहां की स्वामिनी मैडम टोनेली ने उनका स्वागत किया और उनकी अगुआई करती हुई एक मेज कुर्सी की ओर ले गई। इस रेस्तरां में मात्र पंद्रह युगलों के बैठने की व्यवस्था थी। हेल्गा जब कुर्सी पर बैठ गई, तो ग्रेनविल ने कहा, "यहां पहुंचने से पहले ही मैंने मैडम टोनेली को फ्राईड चिकन तैयार करने के लिये कह दिया था। तुम इसके हाथों का बना मुर्गा खाओगी, तो तुम्हें पता चलेगा कि फ्राईड चिकन क्या होता है। पता नहीं इसमें क्या-क्या मसाले डालती हैं।"

"तुम तो पेरिस के बारे में बहुत कुछ जानते हो, क्रिस। यह जगह हूबहू मेरी इच्छानुकूल है। बड़े-बड़े रेस्तराओं के बनावटी वातावरण से तो कई बार जी ऊबने लगता है। तुम तो पेरिस के कोने-कोने से परिचित लगते हो।"

"बस थोड़ी-सी सुध-बुध है," ग्रेनविल ने कहा, "मौका मिलने पर मैं तुम्हें बियाना, प्रॉग एवं मास्को के ऐसे-ऐसे रेस्तराओं में ले चलूंगा कि तुम हैरान रह जाओगी। अब पहले मैं तुम्हें यह बताता हूं कि मैडम टोनेली फ्राईड चिकन कैसे तैयार करती हैं।"

ग्रेनविल जब उसे यह बता चुका कि चिकन किस भांति से तैयार किया जाता है, तो हेल्गा ने कहा, "यह तो कोई स्वर्गलोक का पकवान लगता है।"

"यह एक अपवादिक भोजन है-तुम्हारे जैसी अपवाद-स्वरूप रमणियों के लिये।" ग्रेनविल ने कहा।

हेल्गा अपनी प्रशंसा सुनकर प्रसन्न हो गई।

"क्रिस, तुम मुझे यह बताओ कि तुम काम क्या करते हो?"

आरशर ने इस बारे में क्रिस को पहले ही पट्टी पढ़ा दी थी। आरशर आज सुबह क्रिस से मिलने आया था, और उसे यह समझाया था, मेरे दिमाग में एक स्कीम आई है लेकिन अभी उसका रूप निखारना बाकी है। तुम ऐसा करना कि आज रात उसे सैर-सपाटा करवाकर होटल वापस छोड़ जाना लेकिन उसके साथ सहवास मत करना। मैं हेल्गा की नस-नस से परिचित हूं। उससे जितना ज्यादा इंतजार करवाओगे, उतनी ही वह तुम्हारे लिये कामोत्कंठित होगी-फिर उसे हाथ में लेना बड़ा आसान होगा। कल रात तुम दो दिन के लिये होटल से गायब हो जाना। जाने से पहले हेल्गा के कमरे में फूलों का एक गुलदस्ता भेज देना और उसके साथ यह रुक्का लगा देना कि मैं अपने काम के सम्बन्ध में दो दिन के लिये बाहर जा रहा हूं। इन दो दिनों में उसकी कायाग्नि और भड़केगी और यही हमारा उद्देश्य है। तब दो दिन बाद तुम उसके कमरे में जाना और फिर उसके साथ रमण करना।"

ग्रेनविल ने आरशर की बात पल्ले बांध ली थी।

सो इस समय उसने हेल्गा के प्रश्न का उत्तर दिया, "ग्रेनविल ट्रस्ट से मुझे इतनी आय होती है कि मुझे किसी चीज की कमी महसूस नहीं होती। वैसे मैं अपने आपको व्यस्त रखने के लिये एक ऐसे बिल्डर के साथ कार्यरत हूं जो अपनी एक प्रापर्टी स्कीम को यहां पर तरक्की देना चाहता है। इस नीरस विषय को छोड़ो।"

"वह स्कीम क्या है?" हेल्गा ने पूछा।

"कोई खास ऐसी नहीं जिसमें तुम्हें रुचि हो।" ग्रेनविल ने आरशर के सिखाये अनुसार कहा, "यह तुम क्या नीरस सा विषय ले बैठी हो?"

इसी समय मैडम टोनेली भोजन लेकर उनकी मेज पर पहुंच गई थी, और वे चुप कर गये थे।

हेल्गा ने ऐसा स्वादिष्ट भोजन जीवन में कभी नहीं किया था। जब वे भोजन कर रहे थे, तो ग्रेनविल ने एक ओर दिलचस्प एकालाप आरम्भ कर दिया था। हेल्गा केवल हूं हां करती रही थी। उसके दिमाग में एक ही बात घूम रही थी कि मेरे पास इतना पैसा है...मैं क्यों न अपना पैसा इस स्कीम में लगाकर इस अद्भुत मर्द को अपने कब्जे में कर लूं।

"तुम मुझे अपनी स्कीम के बारे में बताते क्यों नहीं क्रिस?"

"बात यह है हेल्गा कि मैं अपने बॉस की अनुमति के बिना उस स्कीम के बारे में किसी से कोई

बात नहीं कर सकता।”

यह सुनकर हेल्गा का मुंह मैला हो गया।

खाना खाने के बाद ग्रेनविल हेल्गा को प्लाजा एंथनी होटल वापस ले आया।

“दुर्भाग्य से अपने बिजनेस के संबंध में किसी से मिलने जाना है। आज की शाम बहुत ही असीन थी। संगति देने के लिये बहुत-बहुत धन्यवाद।”

पैट्रसन एक कुंज मैं बैठा बड□े ध्यान से देख रहा था कि हेल्गा कैसी टुकर-टुकर नजरों से क्रिस की ओर देख रही है।

“धन्यवाद तो मुझे करना चाहिये।” हेल्गा ने कहा, “आज की शाम वाकई बहुत हसीन गुजरी है।”

तब ग्रेनविल हेल्गा को लिफ्ट के पास लाया था और काफी देर तक उसका हाथ पकड□े खड□ा रहा था। फिर हेल्गा के हाथ को अपने होंठों का स्पर्श देकर छोड□ दिया था।

हेल्गा जब ऊपर अपने सुईट में पहुंची थी, तो उस समय रात के ग्यारह बजे थे। तब उसने अपने कपड□े बदले थे, और बिस्तरे पर लेट गई थी।

आज वह खुशी के अहसास से भरी हुई थी।

मुझे उससे प्रेम हो गया है। और वह भी मेरे हाथों बिक गया है। लिफ्ट के पास खड□ा जब वह मुझे विदा कर रहा था, तो कैसी नजरों से मुझे देख रहा था। ऐसी नजरों से तभी कोई मर्द किसी औरत को देखता है जब उस पर रीझ गया हो। लेकिन हेल्गा यह नहीं जानती थी कि ग्रेनविल एक व्यावसायिक प्रेमी है और औरतों को प्यार भरी नजरों से देखना उसका पेशा है।

तब एकाएक वह चिंतित हो गई कि ग्रेनविल ने कल मिलने का तो कोई जिक्र ही नहीं किया। भूल गया होगा। हेल्गा ने अपने आपको सांत्वना दी-कल फोन करेगा और फिर किसी अद्भुत जगह ले जायेगा। ग्रेनविल के ख्यालों से भी हेल्गा को नींद नहीं आई और आखिर उसे सोने की दो गोलियां खाकर नींद की शरण लेनी पड□ी।

अगली सुबह वह देर तक सोती रही थी। जब उसकी आंख खुली थी, तो दस बज चुके थे। वह नहाने-धोने के लिये बाथरूम जा रही थी कि टेलीफोन की घंटी सुनकर उत्सुकता से फोन की ओर लपकी कि कहीं क्रिस का फोन न हो। लेकिन वह लांबी क्लर्क का फोन था।

“मैडम, आपके नाम एक संदेश है। आप कहें तो आपके कमरे में भेज दूं।”

“हां भेज दो।” हेल्गा ने उदासीन स्वर में कहा, और संदेश का इंतजार करने लगी।

तनिक देर पश्चात एक वेटर गुलाब के फूलों का एक गुलदस्ता लेकर हेल्गा के कमरे में पहुंच गया। उस गुलदस्ते के साथ एक रुक्का लगा हुआ था। रुक्के पर लिखा था-

“मुझे अपने बिजनेस के संबंध में शहर से बाहर जाना पड□ रहा है। दो दिन पश्चात वापस लौटते ही तुमसे मिलूंगा।”

–क्रिस!

दो दिन।

चलो! उसने यह तो लिखा है न कि वापस लौटते ही मिलूंगा। मैं उसका इंतजार करूंगी।

तब वह खिड□की के पास जा खड□ी हुई थी, और सोचने लगी थी कि क्रिस के बिना पेरिस बिल्कुल सूना लगेगा। पहाड□ जैसे ये दो दिन कैसे कटेंगे।

जैसा कि आरशर चाहता था, ये दो दिन हेल्गा ने बड□ी मुश्किल से काटे थे। अपने आपको लोमन एवं विनबार्न के साथ कार्यव्यस्त रखने पर भी वह हर क्षण क्रिस को स्मरण करती रही। जबकि क्रिस ने उसके बारे में सोचा तक नहीं था। आरशर की सीख अनुसार वह दो दिन के लिये शहर से बाहर चला गया था, और पैट्रसन के पैसे पर ऐश मौज में मग्न रहा था।

तीसरे दिन सुबह ग्यारह बजे ग्रेनविल वापस पेरिस पहुंचा था, और प्लाजा एंथनी होटल में अपने कमरे में जाकर सबसे पहले आरशर को फोन किया था।

"अब तुम इस काम में जुट जाओ। पैट्रसन से मेरी बात हुई थी, अब वह अकुलाने लगा है।" कहकर आरशर ने ग्रेनविल को समझाया था कि हेल्गा पर किस तरह से पट्टू डालना चाहिये।

"यह सब तो मैं कर लूंगा आरशर किन्तु समस्या यह है कि पैसा खत्म होता जा रहा है।"

"इस बारे में मैं कुछ नहीं कर सकता क्रिस। इसके लिये तो तुम्हें खुद पैट्रसन से बात करनी पड□गी।"

सो आरशर से नकारात्मक उत्तर पाकर ग्रेनविल-पैट्रसन के कमरे में गया। पैट्रसन उस समय अपने बिजनेस के बारे में शैपिलो से विचार-विमर्श कर रहा था।

"यह क्या तमाशा है भई?" पैट्रसन ने जवाब तलबी स्वर में पूछा, "दो दिन से तुम कहां गायब थे?"

"मैं गायब नहीं हुआ था," ग्रेनविल ने बताया, "वरन हेल्गा को और कामोत्कंहित करने के लिये यहां से बाहर चला गया था। जैक और मैंने इस बारे में सलाह-मशविरा किया था और इस नतीजे पर पहुंचे थे कि दो दिन तक हेल्गा से न मिलने से हेल्गा मेरे लिये और अधीर हो जायेगी। आज रात मैं अपना काम करूंगा।"

"क्या काम करोगे?" पैट्रसन ने उत्सुकता से पूछा।

"पहले उसे आपकी परियोजना के बारे में बताऊंगा, और तब उसके साथ रमण करके उसे प्रसन्न करूंगा।" पैट्रसन ने सहमति में सिर हिलाया।

"और उसके पश्चात?"

"उसके पश्चात तो हेल्गा पर निर्भर करता है। मेरे ख्याल में तो वह पैसा देने के लिये तैयार हो जायेगी क्योंकि मेरा अनुभव है कि अपनी यौनतृप्ति के पश्चात औरत इतनी प्रसन्न होती है कि किसी काम को ना नहीं करती-लेकिन नारी चरित्र के बारे में क्या कहा जा सकता है। यदि वह फौरन राजी नहीं हुई तो मैं उसे और कामाकुल करके उसकी तृप्ति करूंगा। आप बहरहाल इस बात से आश्वस्त रहिये कि दस दिन के अन्दर आपको पैसा मिल जायेगा।"

"तो ठीक है तुम उसके साथ जो मर्जी करो-मुझे तो पैसे से मतलब है।"

"वह तो मैं कर लूंगा लेकिन बात यह है मिस्टर पैट्रसन कि आपने मुझे खर्चे के लिये जो पैसे दिये थे, वह खत्म हो गये हैं। यदि आप यह काम जारी रखवाना चाहते हैं, तो मुझे पांच हजार और दीजिये।"

पैट्रसन आग्नेय दृष्टि से ग्रेनविल की ओर देखने लगा।

"मैं तुम्हें फूटी कौड़ी नहीं दूंगा। अब तुम अपनी जेब से पैसा खर्च करो। जब वह मुझे पैसा दे देगी, तो मैं तुम्हें उसमें से कमीशन दे दूंगा। उससे पहले तुम्हें अपनी जेब से खर्च करना पड़ेगा।"

"मेरे पास पैसा कहां से आया मिस्टर पैट्रसन। इस वास्तविकता को आप अच्छी तरह से जानते हैं। या तो आप मुझे पांच हजार और दीजिये, नहीं तो मुझे इस काम को रोकना पड़ेगा।"

पैट्रसन क्रोध से लाल-पीला हो गया।

"मैंने पहले जो तुम्हें पैसा दिया था, उसका क्या हुआ? तुम मुझे उसका पूरा हिसाब दो।"

"पैसे का हिसाब मैंने आज तक नहीं रखा। पैसा खर्चने के लिये होता है, हिसाब रखने के लिये नहीं। लगता है शायद आपकी काम करवाने की मर्जी नहीं। मेरा विचार यह है कि आप हेल्गा रोल्फ से पैसा लगवाने के बारे में भूल जाईये।"

पैट्रसन और शैपिलो एक-दूसरे का मुंह देखने लगे। तनिक संकोच के पश्चात पैट्रसन ने अपनी जेब से बटुआ निकाला और तीन हजार गिनकर ग्रेनविल के सामने रख दिये।

"मैं इससे अधिक एक फूटी कौड़ी भी नहीं दूंगा।" पैट्रसन ने कहा।

"और मैं पांच हजार से फूटी कौड़ी भी कम नहीं लूंगा। आप हेल्गा रोल्फ का काम किसी और से करवा लेना। मुझे आज दोपहर मेंड्रिड जाना है-वहां पर एक सम्पन्न प्रौढ़ा को मेरी सेवा की आवश्यकता है।" कहकर ग्रेनविल अपनी जगह से उठा और बाहर जाने लगा।

"रुकिये तो।" पैट्रसन उसे रोकते हुये बोला, "मैं तुम्हें पांच हजार पूरे कर देता हूं। लेकिन याद रखना, अगर काम नहीं हुआ, तो...।"

"मैंने आपसे पहले भी कहा था कि आप मुझे धमकी नहीं देंगे। मैं धमकियों से पानी नहीं होता लेकिन जो काम कहता हूं उसे पूरा करता हूं।" ग्रेनविल ने कहा और कमरे से बाहर चला गया।

* * *

नौ बजे सुबह जब वेटर नाश्ता लेकर हेल्गा के कमरे में पहुंचा, तो ट्रे में एक बंद लिफाफा देखकर हेल्गा संदेश पढ़ने को एकदम उत्सुक हो गई। वेटर मुश्किल से कमरे से बाहर निकला होगा कि हेल्गा ने लिफाफा खोला और उसे पढ़ने लगी। उसमें लिखा था-

बशर्ते कि तुमने मुझे मिलने से इनकार नहीं किया, तो आज रात साढ़े आठ बजे मैं तुम्हारे कमरे में तुमसे मिलने आऊंगा।

–क्रिस

यह संदेश पढ़कर हेल्गा विभोर हो उठी। कॉफी पीने के साथ-साथ उसका मस्तिष्क तेजी से काम करने लगा।

'आज रात' हेल्गा ने सोचा।

आज रात मैं स्थिति पर नियंत्रण रखूंगी। कहीं घूमने नहीं जायेंगे। यहीं कमरे में डिनर करेंगे और फिर...

मेरे पास तैयारी के लिये सारा दिन है। बढ़िया से बढ़िया खाना मंगवाऊंगी, वेटर को कमरे से बाहर भेज दूंगी। यही होगा न लोग अफवाहें उड़ायेंगे-उड़ाने दो तब मैं क्रिस के साथ बिस्तरे में लेटकर अपनी अग्नि शांत करूंगी।

इसी समय विनबार्न का टेलीफोन आया था कि ब्रुसेल्स एक जगह देखने जाना है। हेल्गा ने सिरदर्द का बहाना बनाकर उसे टाल दिया था। तब उसने प्लाजा होटल के हेयर ड्रेसर को फोन किया था, और उससे यह कहा था कि तीन बजे तुम खुद भी आ जाना और ब्यूटीशियन को साथ ले आना।

इसके पश्चात वह बाथरूम में स्नान करने चली गई। नहाने के पश्चात हेल्गा सुगंधित पानी के बाथ टब में लेट गई और सोचने लगी कि किसी के साथ सहवास किये मुझे कई दिन हो गये हैं। मेरे भीतर की उष्णता पराकाष्ठा पर है। सो मैं स्वयं एवं क्रिस को निर्वस्त्र करके उससे उन्मुक्त यौन क्रीड़ा करूंगी। इस विचार के साथ वह इस कल्पना में खो गई कि जब क्रिस मेरे होंठों पर चुम्बन अंकित कर रहा होगा, तो मैं अपनी टांगों को घुटनों की ओर मोड़कर जांघों के साथ सटा लूंगी और फिर जांघों को भरपूर फैलाकर...

नहाने के पश्चात हेल्गा ड्रेसिंग रूम में आई थी, और एक बहुत ही सुन्दर लिबास पहना था। तब उसने होटल के गृह प्रबंधक को ऊपर कमरे में बुलाया था और उसे आज रात के लिये शैम्पेन, अनेक प्रकार की वारुणियों एवं नाना प्रकार के खानों का बन्दोबस्त करने को कहा था तथा उसे यह हिदायत दी थी- आठ बजे तक खाना कमरे लग जाना चाहिये और वेटर के रुकने की कोई जरूरत नहीं होगी। मैं खुद डिनर सर्व करूंगी।

गृह प्रबंधक हेल्गा को आश्वासन देकर डिनर का प्रबंध करने नीचे चला गया था।

इधर जब हेल्गा इन तैयारियों में लगी हुई थी, तो उधर आरशर एवं ग्रेनविल आपस में यह संभाषण कर रहे थे।

"आज तो कयामत का दिन है," ग्रेनविल ने कहा, "आज रात मैं हेल्गा के साथ सहवास करूंगा। उधर मैंने उस हरामी से पांच हजार निचोड़ लिये हैं। तुम चाहो तो उन पांच हजार में से अपनी कमीशन काट ले लो।" कहकर उसने हजार फ्रेंक का नोट आरशर के आगे कर दिया।

आरशर जिसकी जेब दिन-प्रतिदिन खाली होती जा रही थी, उसने निस्संकोच हजार का नोट उसके हाथ से लेकर अपनी जेब में डाल लिया।

"वह जो अपनी परियोजना के अलम-गलम कागज पैट्रसन ने मुझे दिये हैं, वह मैंने पढ़े। मुझे तो नहीं लगता कि कोई अक्लमन्द व्यक्ति इस परियोजना में पैसा लगायेगा।" ग्रेनविल ने कहा।

"मैं जानता हूं।" आरशर ने सहमति व्यक्त की, "लेकिन यह एक जुआ है...शायद दांव सीधा पड□ जाये। लेकिन जहां तक मैं हेल्गा को समझता हूं वह इस परियोजना में पैसा लगाने के लिये कभी तैयार नहीं होगी। वह एक बहुत ही चतुर बिजनेस वूमन है...।"

फिर आरशर आधे घंटे तक उसे समझाता रहा, और ग्रेनविल ध्यान लगाकर आरशर की बात सुनता रहा। जब आरशर उसे पूरी पट्टी पढ□ा चुका, तो ग्रेनविल ने प्रश्न किया, "जब हेल्गा इस प्रस्ताव को रद्द कर देगी, जैसा कि तुम एवं मैं जानते हैं कि वह करेगी, तो तुमने आगे क्या सोचा है।"

"मेरे दिमाग में एक योजना विकसित हो रही है। लेकिन अभी उसके बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी। अभी वक्त है, पहले तो तुम हेल्गा के साथ सहवास करो। यह सबसे महत्त्वपूर्ण है। अपनी कामाग्नि शांत होते ही उसने तुम्हारी दासी बन जाना है।"

आठ बजते ही वेटरों ने हेल्गा के कमरे में खाना लगा दिया। शैम्पेन की बोतलें बर्फ में लगा दीं। इस दौरान हेल्गा अधीरता से बार-बार अपनी घड□ी की ओर देख रही थी। उसने एक बहुत ही खूबसूरत लिबास पहन रखा था जिससे उसके तन की सारी तिर्यक रेखायें व्यक्त हो रही थीं।

सारा प्रबंध करने के बाद वेटर एवं गृह प्रबंधक हेल्गा के कमरे से नीचे चले गये थे। और हेल्गा यह इंतजार करने लगी कि कब साढ□े आठ बजे।

ऐन आठ बज कर तीस मिनट पर हेल्गा के दरवाजे पर दस्तक हुई। हेल्गा ने लपककर दरवाजा खोला। बाहर ग्रेनविल खड□ा था। उसने खूबसूरत काफ का सूट पहन रखा था जिसमें वह बहुत ही मनोहर लग रहा था। ग्रेनविल ने हेल्गा का हाथ पकड□कर अपने होंठों का स्पर्श दिया।

"तुम कितनी खूबसूरत लग रही हो," ग्रेनविल ने हेल्गा के सौंदर्य की प्रशंसा करके कहा, "अभी दो दिन पूर्व तुमसे मुलाकात हुई थी लेकिन ऐसा लगता है मानो तुमसे मिले सदियां बीत गई हों।" कहकर वह कमरे के अन्दर चला आया और मेज पर डिनर लगा हुआ देखकर बोला, "हेल्गा यह सब क्या है? मैं तो तुम्हें बाहर ले जाना चाहता था।"

"आज नहीं! आज रात यहीं खाना खायेंगे। चलो आओ पहले मदिरापान करें। मैं तो वोदका एवं मारटिनी लूंगी।

"मैं भी यही लूंगा।" ग्रेनविल ने ब्रीफकेस, जो वह अपने साथ लाया था, एक कुर्सी पर रखा, और वोडका एवं मारटिनी मिश्रण करने के लिये उस मेज की ओर चला गया जिस पर बोतलें और गिलास लगे हुये थे। "इतनी सारी चीजें तुम शॉपिंग करने गई थीं?"

"ना! मैं तो अपने नीरस सहकर्मियों के साथ कार्यरत थी। और तुम?"

ग्रेनविल हंसने लगा।

"मैं भी कार्यरत था एक काम में।" ग्रेनविल मदिरा के दो गिलास हाथ में थामे हेल्गा के समीप आते हुये बोला।

हेल्गा ने एक गिलास ग्रेनविल के हाथ से ले लिया, और एक चुस्की लेकर बोली, "तुम बहुत अच्छी ड्रिंक बनाते हो-हूबहू वैसे ही जैसे हिकल बनाता है।"

"हिकल कौन?" ग्रेनविल ने मुंह बनाकर पूछा।

"हिकल मेरा गृह प्रबंधक है। मैं उसे फ्लोरिडा छोड□ आई हूं। बहुत ही वफादार है। और आमलेट तो इतने स्वादिष्ट बनाता है कि खाने वाले उंगलियां चाटते रह जाते हैं।"

ग्रेनविल को हेल्गा के बूढ□ एवं वफादार गृह प्रबंधक में क्या दिलचस्पी हो सकती थी।

"तुमने यह तो बताया नहीं कि खाने का क्या प्रोग्राम है।" ग्रेनविल ने कहा।

"तुम्हें भूख लग रही है क्या?"

"भूख तो नहीं लग रही-बात यूं है कि मैं अभी थोड□ी देर पहले नाईस से आया हूं। विमान के स्नैक्स इतने घटिया किस्म के थे कि मुंह का मजा बिगड□ गया है।"

"नाईस यानी दक्षिण फ्रांस गये थे, तुम।" हेल्गा ने कहा, "दक्षिण फ्रांस मुझे बहुत अच्छा लगता है। तुम यह ड्रिंक खत्म करो, और खाना खाते हैं।"

ग्रेनविल जब अपने एवं हेल्गा के लिये दो प्लेटों में खाना लगा रहा था, तो हेल्गा टुकर-टुकर नजरों से उसकी ओर देख रही थी और सोच रही थी-कितना अद्भुत मर्द है क्रिस। इसमें ऐसी विशेषता है जो मैंने आज तक किसी मर्द में नहीं देखी।

"तुम मुझे नाईस के बारे में बताओ।" हेल्गा ने उसके साथ खाना शुरू करते हुये कहा।

"दरअसल मैं तुमसे परामर्श करना चाहता हूं, हेल्गा। मुझे शायद कुछ दिनों के लिये सउदी अरब जाना पड□ और सच बात है कि मैं वहां बिल्कुल नहीं जाना चाहता।"

सह सुनकर हेल्गा स्तब्ध रह गई और परेशान नजरों से उसकी ओर देखने लगी।

"सउदी अरब? लेकिन क्यों?"

"यह एक बहुत लंबा और नीरस किस्सा है लेकिन तुममें यदि होने की ताकत है तो मैं तुम्हें बता देता हूं।" कहकर ग्रेनविल ने तली मछली का एक और निवाला लिया, "यह बहुत स्वादिष्ट है, तुम भी लो।"

हेल्गा ने नकारात्मक सिर हिला दिया।

"तुम मुझे यह बताओ कि तुम्हें सउदी अरब क्यों जाना पड़ेगा?"

"यह बताने के लिये पहले मुझे अपने बारे में बताना पड़ेगा।" ग्रेनविल ने इस बार भुने मुर्गे की टांग पर हाथ साफ करके कहा।

"तुम मुझे उलझन में मत डालो और सारी बात बताओ।" हेल्गा ने अधीरता से कहा।

"बात यह है हेल्गा कि अपनी मृत्यु से पहले मेरे पिता ने अपनी संपत्ति का एक ट्रस्ट बना दिया था। (वह झूठ बोला) इस ट्रस्ट से मुझे इतनी अच्छी आय होती थी कि मैं एक संभ्रांत जीवन व्यतीत करता था। लेकिन जब से पाउडं की कीमत गिरी है, मुझे दिक्कत होने लगी है। इसलिये मुझे काम करना पड़ा और वास्ता ऐसे आदमी से पड़ा है जिसे यह धुन सवार है कि यहां हॉलिडे कैम्पों का बहुत स्कोप है। इतनी पूंजी उसके पास है नहीं कि सारा बिजनेस अपने पैसे से कर सके। उसे पैसे की जरूरत है, और मेरे बारे में उसे न जाने कैसे यह वहम हो गया कि मैं ही एकमात्र ऐसा आदमी हूं जो उसके लिये पैसा जुटा सकता हूं। मैंने यहां पर अपनी जान-पहचान के कई साहूकारों से बात चलाई थी लेकिन कोई भी इस बिजनेस में पैसा लगाने के लिये तैयार नहीं है। अब मेरे बॉस महोदय को यह धुन सवार हो गई है कि सउदी अरब जाओ। वहां निश्चित कोई न कोई पैसा लगाने के लिये तैयार हो जायेगा। इसी मजबूरी में मुझे सउदी अरब जाना पड़ेगा।" कहकर ग्रेनविल अपनी जगह से उठा और अपनी एवं हेल्गा की प्लेट में मुर्गा मलाई डालने लगा।

"यहां का खाना तो बहुत ही स्वादिष्ट है, और'' अपने हाथ से प्लेट में डालकर बोला-"खाने का जो मजा है। वह शब्दों से परे हैं। ग्रेनविल खाने में व्यस्त था था जबकि हेल्गा यह सोच रही थी कि पांच दिन पश्चात मैं पैराडाइज सिटी वापस लौट जाऊंगी और यह पता नहीं कब सउदी अरब चला जाये। इस विचार से हेल्गा का दिल हौलने लगा।

वह जबर्दस्ती की मुस्कान मुस्कराकर बोली, "मैंने जान-बूझकर आत्मसेवा का प्रबंध किया था कि तुम्हें अच्छा लगेगा। इसे छोड़ो और मुझे उस परियोजना के बारे में बताओ।"

ग्रेनविल सोचने लगा, अब यह कौतूहल होने लगी-इसे और कौतूहल होने दो। फिर यह अपन आप जाल में फंस जायेगी। सो उसने विरोधात्मक हाथ हिला दिया।

"तुम क्या बेकार विषय ले बैठी हो। मुझे मालूम है तुम्हें उसमें कोई रुचि नहीं होगी।" ग्रेनविल ने भुनी मछली का टुकड़ा मुंह में डालते हुये कहा।

"मैं उस परियोजना के बारे में जानना चाहती हूं।" हेल्गा ने तड़ककर कहा जिसे सुनकर ग्रेनविल चौंक-सा गया।

"अच्छा तो बाद में बताऊंगा। सच पूछने तो मैं उस परियोजना के समस्त कागजात अपने साथ लाया हूं।" ग्रेनविल ने कुर्सी पर रखे ब्रीफकेस की ओर इशारा करके कहा। ऐसा करके ग्रेनविल ने

बहुत भारी चूक की थी।

आरशर ने उसे सावधान किया था कि हेल्गा के साथ पैसे की बात करते हुये बड□ी होशियारी से व्यवहार करना लेकिन इस समय हेल्गा का कौतूहल देखकर ग्रेनविल जरूरत से अधिक आत्मविश्वासी हो गया था।

ग्रेनविल के होंठों पर आश्वस्त मुस्कान पाकर हेल्गा ध्यानपूर्वक उसके चेहरे की ओर देखने लगी। इसी क्षण उसके मस्तिष्क में खतरे की लाल बत्ती कौंधी थी। आरशर ने ग्रेनविल को बहुत अच्छी तरह से बताया था कि हेल्गा एक बहुत ही चतुर बिजनेस वूमन है और छल को कोसों दूर से सूंघ लेती है। ग्रेनविल को चाहिये था कि वह आरशर की चेतावनी पर गंभीरता से अमल करता लेकिन आज तक उसका मूर्ख सम्पन्न प्रौढ□ाओं से वास्ता पड□ा था जो उसके हृष्ट-पुष्ट शरीर को देखते ही पिघल जाती थीं।

उसने हेल्गा को भी वैसा ही समझा था और उसका यह आत्मविश्वास उसकी नाकामयाबी के हेतु बना था।

ग्रेनविल की ओर देखते हुये जो पेट पूजा करने में मग्न था, हेल्गा अपने आपसे सवाल करने लगी। कहीं यह किसी छल की शुरुआत तो नहीं। नहीं, ऐसा नहीं हो सकता। मैं खामख्वााह में शक्की हो रही हूं। हेल्गा ने अपने आपको सांत्वना दी। लेकिन खतरे की लाल बत्ती लगातार उसके मस्तिष्क में कौंध रही थी। यह आदमी मुझे अच्छा लगा है। मैं इसे अपने बिस्तरे में लिटाकर इसके साथ यौनाचार करना चाहती हूं। लेकिन अगर यह कोई व्यवस्था हुई तो हेल्गा ने बड□े सहज भाव से उससे पूछा, “हॉलिडे कैम्पों के लिये जो तुम जगह देखने गये थे, वह नाईस में है?”

“वह नाईस में नहीं क्लारिस में है। बहुत सुन्दर जगह है। और उस जगह के आसपास का दृश्य तो अद्भुत है।”

“वह जमीन कितने हेक्टेयर में है?”

ग्रेनविल को कुछ पता होता, तो जवाब देता।

कंधे उचकाकर बोला, “यह सारी तफसील नक्शे में दी हुई है। तुम इस किस्से को छोड□ो और भोजन का आनन्द लो। मैं तो कल्पना भी नहीं कर सकता था कि इस होटल वाले इतना बढि□या खाना बनाते हैं। तुम और लो।”

ग्रेनविल ने अपने गिलास में शैम्पेन उड□ेलते हुये कहा।

“मैं और खाना नहीं खाऊंगी। धन्यवाद!”

ग्रेनविल इस बात से अनभिज्ञ था कि हेल्गा ने अपनी नीली आंखें उस पर गाढ□ रखी हैं।

“तुम बड□ी गंभीर नजर आ रही हो, हेल्गा। मैंने तुम्हें बताया है कि इस परियोजना में तुम्हें कोई दिलचस्पी नहीं होगी और मुझे यह भी विश्वास है कि कोई आदमी भी इस योजना में पैसा नहीं लगायेगा।”

“वह अमरीकन कौन है जिसके साथ या जिसके लिये तुम कार्यरत हो? उसका नाम क्या है?”

ग्रेनविल संकोच में पड□ गया।

"उसका नाम? जो पैट्रसन। वास्वत में वह इसी होटल में ठहरा हुआ है।"

"वही जिसका कद छोटा, शरीर मोटा एवं चेहरे पर चेचक के दाग हैं?"

ग्रेनविल हैरान का हैरान का रह गया।

"हां वही। बहुत ही बोर आदमी है।"

"मैंने उसे देखा है।" हेल्गा ने कहा, "अपना बिजनेस बढ□ाने के लिये उसे कितना पैसा चाहिये?"

हेल्गा को अपनी ओर गौर से देखते पाकर ग्रेनविल असहज हो गया कि यह औरत पहल मेरे हाथ से छीनती जा रही है।

"उसे बीस लाख की जरूरत है," ग्रेनविल ने हंसते हुये कहा, "लेकिन कौन अकलमंद इस बिजनेस में बीस लाख लगायेगा। हालांकि यह बिजनेस काफी लाभदायक है। इसके अलावा मुझ इसमें दो प्रतिशत बट्टा मिलेगा।"

"मैं खूब अच्छी तरह से समझती हूं कि उसके वास्ते पैसा जुटाने के लिये तुम्हें दलाली मिलेगी। मैं ऐसी बातों को खूब समझती हूं क्रिस।" हेल्गा ने शैम्पेन की चुस्की लेकर कहा।

"बहरहाल मुझे यकीन है कि इस बिजनेस के लिये कोई पैसा लगाने के लिये तैयार नहीं होगा। सो मैं सोचता हूं सउदी अरब जाने में क्या हर्ज है। इसी बहाने अरब देख आऊंगा।"

"तुम्हारे पास वहां के लिये पासपोर्ट है?" ग्रेनविल को अब हेल्गा की तहकीकाती आवाज से व्यग्रता होने लगी थी।

"मेरे विचार में मिस्टर पैट्रसन पासपोर्ट का प्रबन्ध कर रहा है।"

हेल्गा ने सिर हिलाया, और अपने हाथ में पकड□ी छुरी कांटे...।

"और खाओ क्रिस, अभी तुम्हारी भूख नहीं मिटी होगी।"

"खाना इतना बढि□या है कि भूख पर भूख लगे जा रही है।"

क्रिस जब अपनी प्लेट खाने से भर रहा था, तो हेल्गा ने सिगरेट सुलगाई थी, और लंबे-लंबे कश लेने लगी थी।

"हॉलिडे कैम्प" हेल्गा ने कहा, "कोई बुरी इन्वेस्टमेन्ट नहीं है। बीस लाख, क्लारिस? मान लो यदि कोई पैसा लगाने के लिये तैयार हो जाता है, तो मिस्टर पैट्रसन की क्या शर्तें होंगी-मेरा आशय है कि वह किन शर्तों पर पैसा लेने के लिये तैयार होगा?"

ग्रेनविल ने ध्यान से हेल्गा की तरफ देखा...फिर अपनी प्लेट लेकर उसके पास आकर बैठ गया।

"वह इस रकम पर पच्चीस प्रतिशत देगा।"

"यह तो बहुत ही अधिक है। बैंक तो इससे बहुत कम सूद पर पैसा देने के लिये तैयार हो जायेंगे।"

ग्रेनविल ने कंधे उचका दिये और सोचने लगा कि इन नीरस बातों ने तो खाने का मजा किरकिरा

कर दिया है।

"मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता हेल्गा।"

"और नियंत्रण किसके पास रहेगा?" हेल्गा ने पूछा।

"जहां तक मैं समझता हूं, नियंत्रण वह अपने हाथ में रखेगा। जब तुम्हें इस परियोजना में कोई रुचि नहीं, तो तुम खामख्वााह में अपना सर क्यों खपा रही हो।"

तब हेल्गा काफी देर तक चुप बैठी रही। उसकी खामोशी से ग्रेनविल असहज होता जा रहा था तथा खाना खाने के साथ बार-बार उसकी ओर देख रहा था। हेल्गा अचल अपनी जगह पर बैठी थी। उसकी आंखें धुंधली हो गई थीं तथा उसका चेहरा सर्वथा भावशून्य था।

"देखो हेल्गा...।"

हेल्गा ने उसकी बात पूरी नहीं होने दी और हाथ की चेष्टा से अधीरता व्यक्त की।

"तुम अपनी पेट पूजा से मतलब रखो, और मुझे सोचने दो।" हेल्गा की आवाज इतनी प्रचण्ड थी कि उसकी कठोरता से ग्रेनविल की भूख गायब हो गई, और उसने प्लेट एक तरफ रख दी।

"मैं बहुत ज्यादा खा चुका हूं।"

"अभी तो पनीर और शरबत बाकी है," हेल्गा ने कहा, "उन्हें भी पान करो।"

"और तुम?"

"मुझे कॉफी ला दो।"

ग्रेनविल अनिच्छा से अपनी जगह से उठा और दो प्याले कॉफ□ी बना लाया। उसे अनुभूति हो रही थी कि हेल्गा में अकस्मात् परिवर्तन आ गया है किन्तु वह इसे निश्चित नहीं कर पा रहा था। हेल्गा के रवैये में रूखापन आ गया था तथा उसके चेहरे से कठोरता झलकने लगी थी।

"मुझ वह कागजात दिखाओ, क्रिस।"

अब से पौन घंटे पहले हेल्गा उसके लिये कामोत्कंठित हो रही थी। वह सारा दिन उसके बारे में सोचती रही थी किन्तु अब उसके मन में यह बात बैठती जा रही थी कि यह एक छल योजना है सो उसकी कामोत्कंठा अपने आप से मंद पड□ने लगी थी।

आरशर जो कि हेल्गा को बहुत अच्छी तरह से जानता था, उसने ग्रेनविल को सावधान किया था-'यह सही है कि हेल्गा एक बहुत ही कामुक स्त्री है और यौन उसकी कमजोरी है लेकिन यदि उसे शक पड□ जाये कि कोई उसकी कमजोरी का अनुचित लाभ उठाने का प्रयास कर रहा है तो उसकी कामुकता सर्द पड□ जाती है।"

तुम खामख्वााह में अपने आपको क्यों परेशान कर रही हो।" ग्रेनविल को यह महसूस होने लगा था कि हेल्गा उस पर हावी होती जा रही है और इस बात से उसे चिंता होने लगी।

"मैंने तुम्हें वह कागजात दिखाने को कहा था क्रिस," हेल्गा की आवाज में कठोरता थी।

हेल्गा के इस तहकमाना अंदाज से ग्रेनविल घबरा-सा गया और उसने अपना ब्रीफकेस खोलकर वे

सारे कागजात उसके सामने रख दिये।

"तुम अपने लिये ब्रांडी बना लो।" हेल्गा ने कहा, और कुर्सी के साथ टेक लगाकर उन कागजात का अध्ययन करने लगी। ग्रेनविल को अब यकीन हो गया था कि बाजी मेरे हाथ से निकल कर हेल्गा के हाथ में आ गई है। वह सुस्त कदमों से मेज के पास आया और अपने लिये ब्रांडी बनाने लगा।

"इन कागजात में...।" इससे पूर्व कि ग्रेनविल अपनी बात पूरी कर पाता, हेल्गा ने हाथ के इशारे से उसे खामोश रहने को कहा।

"मुझे पढ़ने दो।"

ग्रेनविल ब्रांडी का गिलास हाथ में थामे खिड़की के पास आया और नीचे यातायात की ओर देखने के साथ-साथ सोचने लगा कि यह औरत कोई मिश्री की डली नहीं है जो घुल जायेगी। तब वह और संभावनायें टटोलने लगा। यद्यपि उसका आत्मविश्वास हिल गया था, किन्तु उसे इस बात का यकीन था कि एक बार मैंने इसके साथ रमण कर लिया, तो फिर यह मेरी दासी बन जायेगी।

अंततः हेल्गा ने वह कागजात नीचे रख रख दिये। उसकी तीव्र बुद्धि इन कागजात को पढ़ते ही यह बात ग्रहण कर गई थी कि यह परियोजना सफल होना तो क्या आरंभ ही नहीं हो सकती। इसके साथ वह क्रिस के मानव चरित्र को समझ गई थी और इस परिणाम पर पहुंची थी कि इस यौन शक्ति वाले मर्द को नकेल डालना कोई कठिन काम नहीं।

"काफी दिलचस्प परियोजना है," हेल्गा ने कहा, "मेरे पास काफी पैसा है और पैसा काम में लगाने के लिये होता है। यदि मिस्टर पैट्रसन बीस लाख पर पच्चीस प्रतिशत देने के लिये सहमत हैं, तो यह बहुत ही लाभदायक प्रस्ताव है।"

"लेकिन हेल्गा...।"

हेल्गा ने उसे खामोश रहने का इशारा किया।

* * *

"बीस लाख मेरे लिये कोई मायने नहीं रखते बल्कि मुझे इस बात की खुशी होगी कि इसमें से तुम्हें दो प्रतिशत कमीशन मिलेगी। अब हम ऐसा करेंगे कि मैं और तुम क्लारिस में वह जगह देखने जायेंगे। दक्षिण फ्रांस मुझे वैसे ही बहुत अच्छा लगता है। वहां जाने से एक पंथ दो काज हो जायेंगे। काम का काम हो जायेगा और मौज की मौज। हम वहां पर केन्ज होटल में ठहरेंगे। वह कार्लटन होटल वाले मुझे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। खर्चे के लिये तुम्हें कोई चिंता करने की जरूरत नहीं। वह तुम मुझ पर छोड़ दो। तुम ऐसा करो कि अपने मिस्टर पैट्रसन से यह कहो कि मुझे इस परियोजना में दिलचस्पी है और तुमने मुझे वह जगह दिखाने के लिये राजी कर लिया है। उसे ऐसा बताने से तुम्हारी कमीशन सुनिश्चित हो जायेगी।" कहकर हेल्गा उसका हाथ थपथपा कर बोली, "हम रात साढ़े दस बजे की उड़ान से यहां चलेंगे। ठीक है न?"

ग्रेनविल ने सकारात्मक सिर हिला दिया।

"मैं मिस्टर पैट्रसन से यही कहूंगा। वह यह जानकर प्रसन्न हो जायेगा।"

"वह तो होगा ही।" हेल्गा ने कहा, "उसकी आंखों में फौलाद की सी सख्ती थी। अच्छा तो क्रिस, मैं आज सारा दिन व्यस्त रही हूं, सो अब तुम भी चलकर आराम करो। तुमने मुझे अपनी संगति देकर आज की शाम को इतना रोचक बनाया इसके लिये मैं तुम्हारी आभारी हूं।"

यह सुनकर ग्रेनविल असफलता बोध से भर गया कि मैं क्या सोचकर आया था और क्या हो गया। हेल्गा मुझे विदा कर रही है।

"मैंने तो सोचा था...।" इससे पूर्व कि क्रिस अपनी बात पूरी कर पाता हेल्गा ने उसे रोक दिया।

"मुझे मालूम है, तुम क्या सोचकर आये थे।" हेल्गा अपनी जगह से उठती हुई बोली, "इस बारे में बाद में बात करेंगे...कल।"

क्रिस जब कागजात उठाने लगा, तो हेल्गा ने बड□ी रुखाई से कहा, "इन कागजात को यहीं छोड□ दो। मैं इनको गौर से पढ□ना चाहती हूं। अच्छा तो अब तुम अपने कमरे में जाकर आराम करो।"

हेल्गा ने एक प्रकार से उसे नीचा दिखा दिया था। ग्रेनविल के जाईगोलो जीवन में यह पहली बार था जब उसे एक औरत की प्रभाविता सहन करनी पड□ रही थी।

ग्रेनविल चुपचाप हेल्गा के कमरे से बाहर निकल आया, और अपने कमरे में आकर आरशर का नम्बर घुमाया और सारसा वृत्तांत उसके रूबरू कर दिया।

दूसरी ओर से आरशर ने निराशा की दीर्घश्वास छोड□कर कहा था, "मैंने तुम्हें शुरू में ही समझाया था कि हेल्गा एक बहुत ही चतुर औरत है और छल को कोसों दूर से सूंघ लेती है। तुमने बना बनाया मामला बिगाड□ दिया है। वह भांप गई है कि तुम उससे छल करना चाहते हो।"

"यदि वह यह भांप गई है, तो कल मुझे अपने साथ वलारिस क्यों ले जा रही है?" ग्रेनविल ने कहा।

"तुम्हारी इस बात से साफ जाहिर है कि तुम हेल्गा को मानव चरित्र का बिल्कुल अंदाजा नहीं लगा पाये। खैर, शनै:-शनै: अपने आप समझ जाओगे। हेल्गा अपने मकसद की खातिर तुम्हें अपने साथ ले जा रही है। वह तुम्हें इस्तेमाल करने के उद्देश्य से तुम्हें अपने साथ ले जा रही है...वह तुम्हारे शरीर से अपने तन की तपन बुझाना चाहती है, तुम ऐसा करो कि उसकी इच्छानुसार चलो। जो वह कहे वहीं करो। मेरा विचार शनै:-शनै: विकास पाने लगा है। फिर देखो क्या होता है।"

"ईश्वर के लिये तुम अपना विचार तो बताओ।"

"अभी कुछ दिन और ठहरो। मौका आने पर सारी बात बता दूंगा। इस बीच यह बात कभी मत भूलाना कि हेल्गा से छल करना असंभव है। वह बहुत ही तेज और चालाक औरत है। उससे मैं ही निपट सकता हूं।" कहकर आरशर ने फोन बन्द कर दिया।

* * *

ग्रेनविल कार्लटन होटल में अपने कमरे की बाल्कनी में खड़ा धूप सेंक रहा था। इस समय वह बहुत ही अप्रसन्न और अनिश्चित अनुभव कर रहा था।

पेरिस में कल जब वह पैट्रसन से मिला था, और उसे यह बताया था कि हेल्गा क्लारिस में वह जगह देखना चाहती है, तो वह यह सुनकर प्रसन्न हो गया था।

“तुमने बहुत बढ़िया काम किया है ग्रेनविल। समझो वह फंस गई। जब हेल्गा वह जगह देखेगी तो फौरन तैयार हो जायेगी। तुम ऐसा करो कि केन्ज में हेनरी लेगर को फोन करो। वह उस जगह का प्रॉपर्टी डीलर है। वह तुम दोनों को वह जगह दिखाने ले जायेगा। एक बार हेल्गा की वह जगह देखने की देर है कि वह पैसा निवेश करने के लिये तैयार हो जायेगी।”

ग्रेनविल को पूरी आशा थी कि हेल्गा से मुलाकात होगी। लेकिन प्लाजा एंथनी के रिसेप्शन क्लर्क ने उसे यह सूचना दी थी कि मैडम रोल्फ अपने कमरे में नहीं हैं...वह बाहर गई हुई हैं, और न जाने कब वापस लौटें।

ग्रेनविल ने सारे दिन पेरिस में इधर-उधर टहलते हुये काटा था और शाम को अपने कमरे में वापस लौटा था। कहीं छ: बजे जाकर हेल्गा का फोन आया था।

“क्रिस, एक घंटे बाद तुम नीचे लॉबी में पहुंच जाना।” हेल्गा ने फुर्तीली आवाज में कहा था। “मैंने सारसा प्रबंध कर दिया है। एक हफ्ते के लिये कपड़े ले आना।”

आज से पहले किसी और ने उसे इस तरह से आदेश नहीं दिये थे। ग्रेनविल ने अपनी दृढ़ता व्यक्त करने का प्रयास किया।

“देखो हेल्गा...मैं...।”

हेल्गा ने उसे टोक दिया।

“बाद में बात करेंगे, क्रिस। इस समय मेरे पास कुछ आदमी खड़े हैं।” कहकर हेल्गा ने फोन बन्द कर दिया था।

तब ग्रेनविल ने आरशर को फोन किया था।

“क्यों, कैसे चल रहा है?” दूसरी ओर से आरशर ने पूछा।

“कैसे चल रहा है!” ग्रेनविल ने झल्लाकर उत्तर दिया था, “उसने मेरे प्रति ऐसा रवैया अपना लिया है... मानो मैं जाईगोले होऊं।”

आरशर हंसने लगा था।

“जाईगोलो तो तुम हो ही। धीरज से काम लो और अपने लक्ष्य को अपने सामने रखो। मेरी दिमागी स्कीम पनपने लगी है। तुम जब कार्लटन होटल पहुंच जाओ, तो मुझे फोन कर देना। एक बात को हमेशा याद रखना कि तुम हेल्गा के जाईगोलो हो, और तुम्हारा काम शीघ्र से शीघ्र उसके साथ रमण करके उसके तन की तपन बुझाना है।”

ग्रेनविल ने गुस्से से रिसीवर पटक दिया था।

लेकिन ऐन सात की सुई पर ग्रेनविल अपना सूटकेस खुद हाथ में पकड़े नीचे लॉबी में पहुंच

गया था। वह इस बात से अनभिज्ञ था कि पैट्रसन लॉबी के एक कुंज में बैठा उसकी ओर देख रहा है। थोड□ी देर बाद हेल्गा एक मल्लिका की तरह नीचे लॉबी में पहुंची थी। उसके आगे-आगे होटल का मैनेजर था। दायें और बायें लोमन और विनबार्न थे। पीछे कुली थे जो उसका सामान पकड□े हुये थे।

तब हेल्गा ने कुलियों एवं वेटरों को बख्शीश दी थी। होटल मैनेजर एवं लोमन और विनबार्न को हाथ हिलाकर विदा कही थी और चेहरे पर एक मुस्कान बिखेरे क्रिस ग्रेनविल के पास पहुंची थी।

"चलो क्रिस, चलें।" हेल्गा ने हंसते हुये कहा था। इस समय हेल्गा को देखकर क्रिस के मन में गुदगुदी हुई थी कि यह कितनी जीवट और सुन्दर है।

जब वे शोफर चालित कार में एयरपोर्ट की ओर जा रहे थे, तो हेल्गा गपशप के मूड में हो गई थी कि आज का दिन तो इतना नाईस था कि क्या बताऊं। बड□ी मुश्किल से अपने सहकर्मियों से जान छुड□ाई है।

"कोई जगह देखनी या खरीदनी हो, तो मर्द लोग बात का बतंगड□ बनाते हैं। तुम बताओ क्रिस, तुमने आज का दिन कैसे गुजारा था?"

"मैंने सारा दिन आर्ट गैलरी में व्यतीत किया था।" क्रिस ने झूठ बोला।

जब वे हवाई अड्डे पहुंचे थे, तो दो कुली लपक कर कैडिलॉक के पास पहुंच गये थे। हेल्गा को हवाई अड्डे के बाहर देखते ही एक एयर होस्टेस उनके पास आई थी, और उनकी अगुआई करती हुई वी-आई-पी लाउंज में ले गई थी। ग्रेनविल को यह बात बहुत चुभ रही थी कि मैं केवल एक दर्शक हूं। इस भूमिका से वह बहुत चिढ□ने लगा था किन्तु कुछ नहीं कर सकता था। जब वे विमान में सवार हुये थे, तो एक एयर होस्टेस हेल्गा के पास आ कर खड□ी हो गई थी। थोड□ी देर बाद फ्लाईट कैप्टन खुद हेल्गा से मिलने आया था। उसने हेल्गा से हाथ मिलाया था, और ग्रेनविल की पूर्ण उपेक्षा की थी। हेल्गा फ्लाइट कैप्टन को अच्छी तरह से पहचानती थी क्योंकि उसने फ्लाइट कैप्टन से उसके परिवार का हालचाल पूछा था। और स्टाफ भी हेल्गा को सलाम करने आया किन्तु किसी एक ने भी ग्रेनविल की ओर आंख उठा कर नहीं देखा था। ग्रेनविल को पहली बार यह अहसास हुआ कि हेल्गा जैसी अरबपति की क्या शक्ति होती है। ग्रेनविल मुंह फुला कर बैठ गया था किन्तु हेल्गा ने उसकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया था। वह अपने-आपमें प्रफुल्ल थी।

जब वे नाईस एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, तो एक मर्सिडीज कार हेल्गा के इन्तजार में खड□ी थी। कैडिलॉक के उम्र रसीदा चालक ने अपनी टोपी सिर से उठाकर हेल्गा का अभिवादन किया था। हेल्गा ने जवाब में उसके साथ हाथ मिलाया था और उसकी पत्नी का हाल पूछा था। ग्रेनविल एक कठपुतली की तरह चुपचाप खड□ा रहा था।

नाईस एयरपोर्ट से केन्ज पहुंचने में उन्हें बीस मिनट लगे थे। कार्लटन होटल का मैनेजर हेल्गा के स्वागत के लिये पहले से ही द्वार पर खड□ा था। उसने झुककर हेल्गा का अभिवादन किया था, और ग्रेनविल की ओर देखकर सिर हिला दिया था।

"क्रिस में बहुत थक गई हूं...कल बात करेंगे।" हेल्गा ने कहा था और उसके जवाब का इंतजार किये बिना लिफ्ट की ओर चली गई थी।

अगली सुबह नाश्ते की ट्रे में ग्रेनविल को यह रुक्का मिला था।

“बोर हो गई हूं। लेकिन क्या करूं। एक काम के संबंध में मुझे बाहर जाना पड़ रहा है। तुम रात नौ बजे मुझे लॉबी में मिलना।

–हेल्गा।”

ग्रेनविल को हेल्गा से खौफ-सा होने लगा था। थोड़ी देर बाद उसे ख्याल आया...मैंने हेल्गा से झूठ बोला था कि मैं वह जगह देखने के लिये क्लारिस गया था जबकि मुझे यह मालूम नहीं कि वह जगह है कहां पर। अगर हेल्गा ने मुझे उस जगह पर ले चलने को कहा, तो मैं क्या करूंगा। यह विचार आते ही उसने हेनरी लेगर के ऑफिस का फोन घुमाया।

दूसरी ओर से एक लड़की ने बताया मस्यं लेगर तो इस समय ऑफिस में हैं नहीं और वह दोपहर बाद वापस लौटेंगे।

“मैं जो पैट्रसन का प्रतिनिधि बोल रहा हूं। पैट्रसन ने एक जमीन के बारे में मिस्टर लेगर से बातचीत कर रखी है। क्या आप मुझे बता सकती हैं कि वह जमीन कहां पर स्थित है?” ग्रेनविल ने पूछा।

“मस्यं लेगर इस समय वहीं पर हैं,” लड़की ने बताया, “वह मैडम रोल्फ को वह जमीन दिखाने ले गये हैं।”

यह सुनकर ग्रेनविल ने रिसीवर वापस रख दिया। उसके मस्तिष्क में आरशर की यह चेतावनी गूंजने लगी-“कभी भूलकर भी यह कल्पना मत करना कि तुम हेल्गा को बेवकूफ बना सकते हो।”

‘तो ठीक है फिर ऐसे ही सही। मैं वैसे ही करूंगा जैसे वह कहेगी। जब मैं उसके तन की तपन बुझा चुकूंगा, और वह इस बात से संतुष्ट हो जायेगी कि मैं उसकी इच्छानुसार उसकी यौन तुष्टि कर सकता हूं तो देखूंगा कि वह किस करवट बैठती है। तब तक मैं मासूम बना रहता हूं।’

तब उसने पेरिस में आरशर को फोन किया और उसे सारा कथन कह सुनाया।

“तुम चिंता मत करो ग्रेनविल।” आरशर ने उसे आश्वासन दिया, “अब तक हेल्गा यह जान चुकी है कि पैट्रसन की परियोजना सरासर बोगस है। यह तुम भी जानते हो और मैं भी जानता हूं कि वह उस परियोजना में पैसे नहीं लगायेगी...लेकिन उसे तुम्हारे शरीर में बहुत दिलचस्पी है। तुम वह करो जो वह कहे। मैं आज रात वहां पहुंच रहा हूं और क्लैरिस होटल में ठहरूंगा। मेरी योजना तैयार हो चुकी है। हमें हेल्गा से बीस लाख दोहने हैं, तो दोह लेंगे। वह यदि चतुर है, तो मैं उससे ज्यादा चतुर हूं।”

आरशर को फोन करने के पश्चात ग्रेनविल घूमने-फिरने चला गया था। कुछ देर तैराकी करता रहा था। लेकिन किसी भी चीज में उसका मन नहीं लगा था-सो वह होटल वापस लौट आया था। रात के नौ बजते ही वह लॉबी पहुंच गया था।

थोड़ी देर बाद हेल्गा एक रमणीय लिबास पहने लॉबी में पहुंची थी, और सीधी क्रिस के पास चली आई थी।

“क्रिस, मेरा तो पेट चपाती हो रहा है। चलो बुलदॉर रेस्तरां चलते हैं।” हेल्गा ने कहा, और उसके उत्तर की प्रतीक्षा किये बिना बाहर आकर मर्सिडीज में बैठ गई। ग्रेनविल भी उसके पीछे-पीछे चला

गया।

थोड़ी देर पश्चात जब वे बुलदॉर रेस्तरां पहुंचे तो वहां के गृह प्रबंधक लुई ने हेल्गा का भव्य स्वागत किया, और उनकी अगुआई करता हुआ एक एकान्त कुंज में ले आया।

“मेरे पति हमेशा मुझे यहां लाया करते थे” हेल्गा ने ग्रेनविल से कहा, “यहां का भोजन तो पूछो मत। इतना स्वादिष्ट होता है कि उसकी प्रशंसा शब्दों से परे है, “कहकर हेल्गा लुई को संबोधित करते हुए बोली, “हमें फर्स्ट क्लास खाना सर्व कर दो।”

“और तुम वारुणी का चयन करो। वारुणी के चयन के मामले में तुम माहिर हो।”

ग्रेनविल वाईन सूची का अध्ययन करने लगा। तभी हेल्गा ने लुई से पूछा, “तुम्हारे पास मार्गुक्रिस 29 है? तुम्हें याद है न, मेरे पति को यह वारुणी बहुत अच्छी लगती थी।”

“मात्र दो बोतलें बाकी बची हैं मैडम।”

“तो ले आओ।”

मार्गुक्रिस 29 का नाम सुनकर ग्रेनविल की हवा सरक गई थी। वह सोचने लगा, मैंने पैट्रसन से पांच हजार लिये थे जिसमें से एक हजार खत्म हो चुके। मार्गुक्रिस 29 की एक बोतल पांच सौ फ्रैंक्स की है। इस पर इतना महंगा रेस्तरां। लेकिन उसने अपने चेहरे से कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं होने दी। हेल्गा झिलमिलाती हुई नजरों से उसकी ओर देखने लगी।

“बड़ा आनन्द आयेगा क्रिस। अच्छा तुम यह बताओ, तुमने अपना दिन कैसे व्यतीत किया था?”

“तैराकी की थी, इधर-उधर टहलता रहा था लेकिन सारा दिन तुम्हारे लिये दिल उदास रहा था।”

यह सुनकर हेल्गा प्रसन्न हो गई।

“मैं भी तुम्हारे लिये उदास रही थी-लेकिन कल हमें अकेले नहीं रहना पड़ेगा।”

“और तुम सारा दिन क्या करती रही थीं?” ग्रेनविल ने पूछा।

“इस विषय पर बाद में बात करेंगे।” हेल्गा में उत्तर दिया, और अपनी नजरें क्रिस पर गाड़ दीं।

क्रिस उसको अपनी ओर देखता पाकर असहज हो गया। खाने के दौरान भी हेल्गा ने क्रिस को बोलने का मौका नहीं दिया था।

खाना खाने के बाद हेल्गा ने कहा था, “चलो क्रिस, अब होटल चलते हैं।” कहकर हेल्गा ने बिल चुकाया था।

जब वह बिल का भुगतान कर रही थी तो क्रिस ने बिल की पेमेन्ट करने का हेल्गा से आग्रह किया था, लेकिन हेल्गा ने ‘अरे छोड़ो भी’ कहकर उसे पैसे नहीं देने दिये थे। तत्पश्चात् जब वे होटल पहुंचे थे, तो वे दोनों हेल्गा के कमरे में गये थे, हेल्गा बाल्कनी में जाकर नीचे समुद्र का दृश्य करने लगी थी। ग्रेनविल भी उसके पास आकर खड़ा हो गया।

“मुझे केन्ज बहुत अच्छा लगता है।” हेल्गा ने कहा।

"वाकई बहुत खूबसूरत जगह है।" क्रिस ने हां में हां मिलाई।

"अब बिजनेस की बात करते हैं। क्रिस।" हेल्गा ने कहा और बाल्कनी में पड□ी आरामकुर्सी पर बैठ गई।

ग्रेनविल मन ही मन में कहने लगा-काश, आरशर इस समय यहां होता। यह हेल्गा अनूठी औरत है। अपनी कमजोरी के बावजूद मानसिक रूप से इतनी चतुर और ठोस इरादे की है कि इसकी ओर देखकर मेरा मनोबल गिरने लगता है। मुंह से बात निकलती नहीं कि यह उसकी तह को पहुंच जाती है। आज तक मेरा वास्ता सम्पन्न एवं मूर्ख प्रौढ□ाओं से पड□ा है। लेकिन यह सम्पन्न होने के साथ-साथ बुद्धिमान भी है। जब मेरे चेहरे पर नजरें गाढ□ती है, तो इससे नजरें मिलाने का मुझमें साहस नहीं होता। अब न जाने क्या बात होगी।

"बिजनेस की बात?" क्रिस ने उसके समीप बैठकर कहा, "तुम्हारा आशय है पैट्रसन की परियोजना के बारे में?"

हेल्गा उसकी ओर देखकर मुस्कुराने लगी।

"क्रिस, तुममें अद्भुत योग्यताएं हैं…उसका अंदाजा मुझे है लेकिन यह प्रॉपर्टी का धंधा तुम्हारे बस का रोग नहीं है।"

क्रिस ने अपना स्वर्णिम सिगरेट केस निकाला और खोल कर हेल्गा के सामने किया। हेल्गा ने उसमें से एक सिगरेट ली। तब क्रिस ने खुद उसमें से एक सिगरेट ली, और बोला, "शायद तुम्हारा अंदाजा ठीक हो।"

हेल्गा अपना सिर पीछे की ओर झटककर जोर-जोर से हंसने लगी। क्रिस उसकी सुराहीदार गर्दन को देखकर सोचने लगा कि हेल्गा प्रौढ□ा होने के बावजूद सुन्दर है।

"जब तुमने मुझे पैट्रसन की योजना के बारे में बताया था कि तुम उसमें कार्यरत हो, तो मैंने इस विषय में जानकारी प्राप्त करने का निर्णय कर लिया था। कल मैंने अपने आदमियों को जो पैट्रसन की तहकीकात करने के आदेश दिये थे। आज सुबह मैं वह जगह देखने गई थी। अब मैं तुम्हें वह बताती हूं जो मुझे पता चला है। पहले जो पैट्रसन के बारे में सुनो…वह एक ठग है, फ्राड के अपराध में पांच वर्ष की जेलयात्रा भी कर चुका है। उसके पास मुश्किल से इतना पैसा है कि अपनी जीविका चला सके। उसकी यह परियोजना केवल पैसा ऐंठने के लिये है। क्लारिस में उस जगह पर हॉलिडे कैम्प खड□े ही नहीं किये जा सकते क्योंकि वहां पर दो पक्के फुटपाथ हैं। और वह प्रॉपर्टी डीलर लेगर स्वयं एक वंचक आदमी है। तुम्हें वास्तविकता का सामना करना ही पड□ेगा क्रिस कि तुम एक ठग के झमेले में फंस गये हो।"

ग्रेनविल अपना रूमाल निकालकर पसीना पोंछने लगा।

"मैंने तो तुम्हें पहले ही कहा था हेल्गा कि इस परियोजना में कोई भी अक्लमंद आदमी पैसा लगाने के लिये तैयार नहीं होगा।"

"मुझे खेद है क्रिस कि अब तुम्हें दो प्रतिशत कमीशन नहीं मिलेगी और बेहतर यह है कि तुम जो पैट्रसन को भूल जाओ।"

ग्रेनविल ने कंधे उचका दिये।

“जीवन में ऐसे ही होता है हेल्गा। मुझे क्या ज्ञान था कि पैट्रसन एक ठग है। मेरे विचार में उसके छल को अंत तक देखने में हर्ज क्या है। मेरा आशय है कि जब पैट्रसन खर्चा देने के लिये तैयार है तो क्या न मैं सउदी अरब देश देख आऊं।”

ग्रेनविल का विचार था कि यह सुनकर हेल्गा बेचैन हो जायेगी लेकिन जब उसने हेल्गा को समीक्षात्मक दृष्टि से अपनी देखते पाया, तो खुद असहज हो गया।

“तुम सउदी अरब को भूल जाओ।” हेल्गा ने शुष्कता से कहा, “और मेरी सलाह पर अमल करो।”

“तुम्हारी क्या सलाह है?”

“मेरी कारपोरेशन तुम्हारी योग्यताओं का प्रयोग कर सकती है।”

“लेकिन मैं तो इलैक्ट्रॉनिक्स के बारे में कुछ भी नहीं जानता।”

“और न ही जाने की जरूरत है। मैं तुम्हें अपने निजी सहायक के रूप में नियुक्त करना चाहती हूं।” कहकर हेल्गा ने अपना हाथ ग्रेनविल के हाथ पर रख दिया। “तुम्हें क्या पता कि मुझे कितना काम करना पड□ता है, और मुझ पर कितना बोझ रहता है। तुम मेरे पास होओगे, तो मेरा बोझ आधा हो जायेगा। बोलो, क्या मर्जी है?”

यह सुनते ही ग्रेनविल का खोया हुआ आत्मविश्वास लौट आया। और वह अपनी उंगलियों से हेल्गा की कलाई सहलाने लगा।

* * *

खिड□की के झरोखों से आती हुई सूर्यकिरणों से हेल्गा की आंखें खुल गईं। हेल्गा ने एक लंबा सांस लेकर अंगड□ाई ली, और आंखें खोलकर बेड साईड टेबल पर पड□ी घड□ी की ओर देखा। दस बजाना चाहते थे। कल रात जैसी नींद उसे पहले कभी नहीं आई थी। तब करवट लेकर हेल्गा ने दूसरे तकिये की ओर देख और उसका स्पर्श किया।

ग्रेनविल आधी रात तीन बजे के बाद हेल्गा के कमरे से अपने कमरे में गया था। हेल्गा को उसका जाना बहुत खला था किन्तु वे दोनों इस बात पर सहमत थे कि जब सुबह हो, तो कम से कम दिखावे के लिये उन्हें अपने-अपने कमरे में होना चाहिये।

हेल्गा अपने रेशमी बालों में उंगलियों से कंघी करने लगी। अपने शरीर की ओर देखकर उसे इच्छा होने लगी कि क्या अच्छा होता कि ग्रेनविल इस समय मेरी बगल में लेटा होता और मुझे भोग रहा होता।

फिर कुछ देर तक हेल्गा अपने बिस्तरे पर अचल लेटी गत रात की कामक्रीड□ा को याद करके दोहराती रही थी। क्या अच्छी तरह से रतियाया था उसने मुझे। कितना आनन्द आया था मुझे! और स्खलन के समय अपने आप पर नियंत्रण रखना चाह कर भी कैसे मैं बेबस हो गई थी और मेरे मुंह से हाय…हाय की नासिक्य ध्वनि निकलने लगी थी। ग्रेनविल तो मेरा पति बनेगा ही बनेगा। ग्रेनविल के

पास में न होने से मेरा दिल हौलने लगता है। उसमें कोई कमी नहीं-मनोहर है, बुद्धिमान है, योग्य है और यौन-तृप्ति में तो एकदम लाजवाब है।

'आखिर फंस गई न मैं,' हेल्गा ने अपने आपसे कहा-'तो क्या हुआ। अगर मैं उस पर रीझ गई हूं, तो वह भी तो मेरे हाथों बिक गया है-कैसी टुकर-टुकर नजरों से देखने के साथ-साथ कैसे प्रेमस्पर्श कर रहा था। मुझे एक बात से सावधान रहना पड□गा कि ग्रेनविल एक अंग्रेज है और अंग्रेज अपने इस उसूल के बड□ पक्के होते हैं कि अपने से अधिक अमीर औरत से विवाह नहीं करना चाहिये। मैं ग्रेनविल को साध लूंगी लेकिन यह काम यहां कार्लटन होटल में नहीं हो सकता। इसके लिये शांतमय जगह व वातावरण की जरूरत है। केस्टगनोला का मेरा विला इस काम के लिये उपयुक्त है। वहां हमें देखने वाला कोई नहीं होगा। मैं होऊंगी और क्रिस...जब जी चाहेगा हम दोनों निस्संकोच यौनाचार में जुड□ एक-दूसरे का रस लेने लगेंगे। यह विला हरमन रोल्फ ने खरीदा था और यह स्विट्जरलैंड में लुगानो शहर के बाहर स्थित था। इसके चारों ओर अद्भुत दृश्य था। इसी विला में आरशर ने हेल्गा को ब्लैकमेल करने का असफल प्रयास किया था।

विला का विचार आते ही हेल्गा का दिमाग तेजी से काम करने लगा कि देखभाल के लिये मुझे वहां पर ऐसे आदमी की जरूरत है जो जरा भी कौतूहली न हो और क्रिस को मेरे साथ देखकर अपनी जबान बन्द रखे।

ऐसा आदमी...?

तभी हेल्गा को हिकल का ख्याल आया। जिसने पूरे पंद्रह साल तक वफादारी के साथ हरमन रोल्फ की सेवा की थी और उसकी मृत्यु के पश्चात अपनी तमाम तवज्जोह एवं वफादारी हेल्गा के लिये समर्पित कर दी थी।

हिकल का विचार आते ही हेल्गा ने नीचे लॉबी में फोन किया और लॉबी क्लर्क को पैरॉडाइज सिटी में अपने घर का नंबर मिलाने को कहा। थोड□ी देर बाद हेल्गा को कॉल मिल गई।

"मैं हिकल बोल रहा हूं मैडम," दूसरी ओर से हिकल की आवाज सुनाई दी, "आप ठीक-ठाक हैं?"

"मैं बहुत प्रसन्न हूं, हिकल, मैं तुम्हें एक समाचार सुनाने जा रही हूं...मुझे एक आदमी से प्रेम हो गया है और मैं उससे विवाह करना चाहती हूं।"

"मेरे विचार में वह आदमी आपके योग्य होगा, मैडम।"

"हिकल, वह एक अद्भुत आदमी है। मुझे तुम्हारी बहुत सख्त जरूरत है।"

"आप हुक्म कीजिये मैडम।"

"तुम ऐसा करो कि केस्टगनोला विला पहुंच जाओ। मैंने तुम्हारे लिये प्लेन की टिकट बुक करा दी है।"

"ठीक है मैडम, मैं परसों साढ□ दस बजे सुबह जनेवा पहुंच जाऊंगा।''

"थैंक यू वैरी मच, हिकल।" कहकर हेल्गा ने फोन बन्द कर दिया।

अब मुझे एक नई कार का प्रबंध करना चाहिये। हेल्गा ने फौरन लुगानो में रोल्स राइस एजेन्ट का फोन नंबर डायल किया।

“मुझे एक रोल्ज राइस चाहिये,” हेल्गा ने अपना परिचये देने के बाद कहा।

“हमने अभी-अभी एक रोल्स राइस की मालछुड□ाई की है, मैडम। उसका रंग लाल और रजत तथा बहुत ही खूबसूरत गाड□ी है।”

“मुझे यही कार चाहिये,” हेल्गा ने कहा, “मैं परसों साढ□े दस बजे जनेवा पहुंचूंगी। तब तक मुझे वह रोल्स राइस मिल जानी चाहिये। इस बीच तुम लुगानों में मेरे विला प्रबंधक ट्रेसल से सम्पर्क कर लेना। वह तुम्हें कार की कीमत दे देगा।”

“आप निश्चिन्त रहिये मैडम। जब आप जनेवा हवाई अड्डे पर पहुंचेंगी तो कार आपकी प्रतीक्षा में खड□ी होगी।”

हरमन रोल्फ के पैसे की जादुई चाबी करतब करने लगी थी।

क्रिस! हाय क्रिस! कितना मन कर रहा है कि इस समय तुम यहां होते और मुझे अपने अंक में भींच लेते। अब तो बस दो दिन की बात है। फिर हम दोनों सबकी नजरों से दूर केस्टगनोला में होंगे और हिकल हमारे हुक्म बजा लाने के लिये मौजूद होगा।

* * *

“धीरज धरो क्रिस।” आरशर ने शांत स्वर में कहा, “स्थिति बिलकुल हमारे अनुकूल है।”

ग्रेनविल एवं आरशर एक फटीचर से जलपान गृह में आमने-सामने बैठे थे।

“तुम तो ऐसा कहोगे ही,” ग्रेनविल फट पड□ा, उसके साथ रहना तो मुझे पड□ता है। हेल्गा जैसी स्वस्थबोधक औरत मैंने आज तक नहीं देखी। वह तो एक मादा मकड□ी की तरह है जो अपने नर को भक्ष लेती है।

“अरे गर्म क्यों हो रहे हो?” आरशर ने तेज लहजे में कहा, “यह काम होते ही दस-दस लाख हम दोनों के हिस्से में आयेंगे। पाने के लिये कुछ करना ही पड□ता है। तुम अपना काम बहुत अच्छी तरह से कर रहे हो। बस, थोड□ी-सी कसर बाकी रह गई है।”

“वह क्या?” ग्रेनविल ने मशकूक नजरों से आरशर की ओर देखकर पूछा।

‘‘तुम हेल्गा के दिल में यह बात बिठा दो कि तुम उसके साथ विवाह करना चाहते हो।’’

“विवाह करना चाहता हूं...हेल्गा के साथ?” ग्रेनविल ने हेल्गा पर बल देकर कहा।

“अरे भई मेरा कहने का मतलब है कि तुम अपने जज्बात से उस पर यह जाहिर करो कि तुम उसके पति बनने के लिये इच्छुक हो।”

“मैं तुम्हारा आशय नहीं समझा।”

आरशर ने उसे समझाया, “हेल्गा एक तनहा औरत है। वह तुम पर रीझ गई है। एक बार उसे इस

बात का यकीन हो गया कि तुम उसके साथ विवाह करने चाहते हो, तो वह हमारे कांटे में ऐसी फंसेगी कि छूट नहीं पायेगी।"

ग्रेनविल ने पहले ही आरशर को यह बता दिया कि हेल्गा दो सप्ताह के लिये मुझे अपने साथ केस्टगनोला ले जाना चाहती है...आरशर यह समाचार सुनकर प्रसन्न हो गया था।

"इससे बढि□या और क्या बात हो सकती है कि वह तुम्हें अपने साथ ले जा रही है। तभी तो मैंने तुमसे कहा है कि स्थिति हमारे अनुकूल है।" कहकर आरशर ध्यान से उसकी ओर देखने लगा, "तो हेल्गा ने तुम्हें कुछ पैसे भी दिये होंगे?"

"जबरदस्ती दिये थे कि अपने लिये बढि□या से कपड□-लत्ते खरीद लाओ।" ग्रेनविल ने बौखलाकर कहा।

"कपड□ों की जरूरत तो तुम्हें पड□गी ही। लेकिन मुझे यह समझ नहीं लगती कि तुम बौखलाये हुये क्यों हो," आरशर ने कहा, "आखिरकार तुम एक पेशेवर जाईगोलो हो। सम्पन्न प्रौढ□ाओं की यौन तृप्ति करके उनसे पैसा लेना तुम्हारा पेशा है। खैर छोड□ो। यह बताओ कि हेल्गा ने तुम्हें कितने पैसे दिये थे?"

"एक लाख।"

आरशर ने प्रशंसात्मक भाव से सिर हिलाया।

"हेल्गा में यह विशेषता है कि वह अपने यारों के साथ बड□ी उदारता से पेश आती है। आखिर अरबपति है," कहकर आरशर तंज नजरों से ग्रेनविल की ओर देखने लगा। "अपनी योजना को कार्यान्वित करने के लिये मुझे कुछ पैसे की जरूरत है। हेल्गा से मिली रकम में से यदि तुम पचास हजार मुझे दे दो तो?"

"तुम जब भी मिलते हो अपनी योजना की रट लगाने लगते हो लेकिन तुमने आज तक यह नहीं बताया कि तुम्हारी योजना है क्या।" ग्रेनविल ने बौखलाहट से कहा।

"सब्र करो, बताता हूं।" आरशर ने कुर्सी के साथ टेक लगा कर कहा, "आज से तीन दिन पश्चात् जब तुम हेल्गा के मन में यह बात बिठा चुके होओगे कि तुम उसके साथ विवाह करना चाहते हो, तथा उसको रतिया-रतिया कर निढाल कर चुके होओगे, तो उसके केस्टगनोला विला में तुम्हारा अपहरण अमल में आयेगा, और तुम्हें वापस लौटाने के लिये बीस लाख की फिरौती मांगी जायेगी।"

ग्रेनविल मुंह फाड□कर आरशर की ओर देखने लगा।

"मेरा अपहरण किया जायेगा? तुम्हारी मत हर गई है।"

"तुम्हारा अपहरण नकली होगा। लेकिन फिरौती धन की मांग सच्ची होगी," आरशर ने उसे बताया, "मैं हेल्गा को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। तुम स्थिति को हेल्गा की दृष्टि से देखो-उसके पास नाम है, दौलत है, फलता-फूलता बिजनेस है-सब कुछ है इस सबके बावजूद उसके जीवन में दो अभाव हैं-एक तो प्यार का और दूसरा ऐसे मर्द का जो उसकी यौन तृप्ति कर सके। उसकी ये दोनों कमियां तुमसे पूरी हो जाती हैं। सो जब यह बात उसके मन में बैठ जायेगी कि तुम उसके साथ विवाह करना चाहते हो, तो वह खुशियों के सातवें आकाश पर पहुंच जायेगी। उसी समय तुम्हारा अपहरण

कर लिया जायेगा। तत्पश्चात तब उसे यह बताया जायेगा कि यदि वह बीस लाख देने पर तैयार हो, तो तुम्हें वापस लौटा दिया जायेगा। यह हेल्गा अपनी खुशियां वापस खरीदने के लिये बीस लाख देने में तनिक भी संकोच नहीं करेगी। उसके पास बहुत पैसा है। बीस लाख उसके लिये कोई मायने नहीं रखते। उसमें आधे तुम्हारे और आधे मेरे। बोलो कैसी योजना है?"

"हे ईश्वर।" ग्रेनविल विस्मित नजर आने लगा, "मान लो उसने पुलिस में रिपोर्ट कर दी तो?"

"इस बात का मैं तुम्हें आश्वासन देता हूं कि वह कभी पुलिस में रिपोर्ट नहीं करेगी। मैं हेल्गा को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वह पुलिस में रिपोर्ट नहीं करेगी। तुम्हें वापस पाने के लिये पैसा देगी।"

"जब वह पैसा दे चुकेगी, तो?"

"तो हम दोनों स्विट्जरलैंड छोड□कर चले जायेंगे। बाद में जब तुम वापस नहीं लौटोगे और उसको इस बात का अहसास होगा कि उसे बेवकूफ बनाया गया है, तो भी वह खामोश रहेगी। उसका गर्व उसे इस बात की अनुमति नहीं देगा कि वह यह बात स्वीकार करे कि उसे बेवकूफ बनाया गया है।"

"हेल्गा यह पैसा किसको और कैसे देगी?" ग्रेनविल ने पूछा।

"यह तुमने बहुत अच्छा सवाल किया है।" आरशर ने कहा, "मेरी और हेल्गा की पुरानी दुश्मनी है। मैं उससे मिलने जाऊंगा और उसे यह बताऊंगा कि बीस लाख देने पर तुम छूट सकते हो। वह फौरन तैयार हो जायेगी। एक स्विस बैंक में मेरा अंकित अकाउंट है ही। सो मैं उससे कहूंगा कि इस अकाउंट में पैसा ट्रांसफर कर दे। तत्पश्चात दस लाख मैं तुम्हारे हवाले कर दूंगा।"

"मेरा अपहरण कौन करेगा?" ग्रेनविल ने पूछा।

"उसका प्रबंध मैं करने जा रहा हूं।" आरशर ने कहा, "अब तुम ऐसा करो कि पचास हजार मुझे दे दो। मैं एक घंटे के अन्दर-अन्दर जनेवा पहुंचना चाहता हूं।"

तनिक संकोच के पश्चात ग्रेनविल ने अपनी जेब से नोटों का बंडल निकाला और उसमें से पचास हजार आरशर को दे दिये।

"जनेवा से मैं लुगानो जाऊंगा जहां पर मैं होटल दा स्विस में ठहरूंगा। तुम मुझसे वहां पर सम्पर्क करना। तुम्हारा काम यह है कि तुम हेल्गा के मन में यह बात बिठा दो कि तुम उसके बिना जीवित नहीं रह सकते। बाकी तुम मुझ पर छोड□ दो," आरशर ने ग्रेनविल की ओर देखकर मुस्कराते हुये कहा, "रहा अपहरण, तो यह रोजमर्रा की बात हो चुकी है। हेल्गा को कोई शक नहीं होगा कि उससे पैसा ऐंठने के लिये यह महज एक ढोंग है। जब तुम्हारा अपहरण हो रहा हो, तो थोड□ा-सा मुकाबला जरूर करना। तुम्हें विला से लाकर मेरे पास छोड□ दिया जायेगा। और फिर जब तक हेल्गा से पैसा नहीं मिल जायेगा, तब तक तुम मेरे साथ रहोगे।"

"जैक, मुझे डर लगता है," ग्रेनविल ने कहा, "मैंने हेरा-फेरियां तो बहुत की हैं किन्तु आज तक कोई जुर्म नहीं किया।"

"जुर्म तो तब होता है, जब बात पुलिस तक जाये। बात पुलिस तक जानी ही नहीं। और फिर यह तो सोचो कि दस लाख हाथ लगेंगे और सदा-सदा के लिये सम्पन्न मूर्ख प्रौढ□ाओं से जान छूट

जायेगी। इस दौरान तुम हेल्गा को टूटकर प्यार करो। वह जितनी तुम्हारे लिये उत्कंठित होगी, उतनी आसानी से उससे पैसा मिल जायेगा।"

ग्रेनविल ने एक दीर्घ श्वास छोड□ा।

"तो ठीक है फिर। कब होगा मेरा अपहरण?"

"हेल्गा के साथ उसके विला में पहुंचने के ऐन तीन दिन बाद। इस बीच मैं तुमसे एक बार मिलूंगा और तुम्हें बताऊंगा कि तुम्हारा अपहरण करने के लिये मैंने क्या प्रबंध किया है।" कहकर आरशर अपनी जगह से उठा और जलपानगृह से बाहर निकल आया।

* * *

लगभग दो वर्ष पूर्व जब जैक आरशर ल्यूसेन की एक प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय लॉफर्म में सीनियर पार्टनर के रूप में काम करता था, तो एक दिन उसके नाम एक टेलीफोन कॉल आई थी।

"मैं मोसिस सीजल बोल रहा हूं। तुम मुझे जानते हो।" दूसरी ओर से एक कठोर अमरीकन आवाज आई थी।

आरशर जो रोजाना हैरल्ड ट्रिब्यून पढ□ता था, मोसिस सीजल के नाम से परिचित था, इस बात से वाकिफ था कि वह एक माफिया है और कर चोरी के सिलसिले में एफ-बी-आई उसकी खोज में लगी हुई है।

"हां, मिस्टर सीजल।" आरशर ने बड□े सावधान स्वर में कहा था, "मैंने आपके बारे में पढ□ा है।"

"तो ध्यान से मेरी बात सुनो। मैं तुमसे परामर्श करना चाहता हूं। जिसके लिये मैं तुम्हें फीस दूंगा। एक आदमी जो हरमन रोल्फ नामक उद्योगपति का परामर्शदाता हो, वह मेरी नजरों में अहमियत रखता है। मैं कल रात आठ बजे बर्नी के रेस्तरां में आऊंगा। तम वहां पहुंच जाना, और मेरी बात सुनने के पश्चात अपनी फीस ले लेना।" कहकर उसने फोन बन्द कर दिया था। कुछ देर तक आरशर सोच में पड□ा रहा था। वह जानता था कि सीजल एक घोषित अपराधी है। इसके अलावा वह इस बात से भी परिचित था कि माफिया वालों को ना करना खतरे से खाली नहीं होता। सो अपने साझेदारों से परामर्श किये बिना उसने फैसला कर लिया था कि वह सीजल से मिलने जाएगा, और उससे जो लाभ होगा, उसके बारे में किसी से कोई जिक्र नहीं करूंगा।

बर्नी का रेस्तरां एक छोटी-सी गली में स्थित था-पुराना और फटीचर।

आरशर जब रेस्तरां के भीतर दाखिल हुआ था, तो भारी-भरकम दढि□यल ने उसका स्वागत किया था, और उसे यह बताया था कि मिस्टर सीजल आपकी राह देख रहे हैं। तब वह आरशर की अगुआई करता हुआ उसे रेस्तरां के पृष्ठ भाग में एक छोटे से कमरे में ले आया था। जहां पर प्रलम्बी भृकुटियों वाला इटेलियन कंपारी सोडा पी रहा था।

"ओ.के. बर्नी।" प्रलम्बी भृकुटियों वाले ने उस भारी-भरकम शरीर वाले से कहा था, "अब तुम जल्दी से मेरे लिये सुअर का गोश्त ले आओ।"

तब उसने आरशर को सामने कुर्सी पर बैठने का इशारा किया था। जब आरशर कुर्सी पर बैठ गया था, तो उसने आरशर से कहा था, "मेरे पास ज्यादा समय नहीं है। मैं तुमसे ठेठ मतलब बात करना चाहता हूं। वह यह है कि मेरे पास बहुत पैसा है, और मैं इसे किसी सुरक्षित जगह रखना चाहता हूं। बोलो, कोई जुगाड□ कर सकते हो?"

इतनी देर में बर्नी गोश्त और स्पेगेटी लेकर पहुंच गया था। और सीजल खामोश हो गया था।

जब बर्नी जा चुका, तो आरशर ने सीजल से पूछा था, "आपका पैसा नगद के रूप में है या बांड्स के रूप में।"

"सारा नगद है।" कहकर सीजल गोश्त एवं स्पेहगेटी पर पिल पड□ा था।

"मैं एक विश्वसनीय प्राइवेट बैंक में आपके लिये अंकित अकाउंट की व्यवस्था कर सकता हूं।"

"तो फौरन कर दो। पैसा मेरे पास है।" कहकर सीजल ने एक पुराने से सूटकेस की ओर इशारा किया था, "इसमें पूरे पच्चीस लाख रखे हैं।"

आरशर चिहुंक गया था।

"मैं आपका यह काम कर सकता हूं। मिस्टर सीजल।"

"यह काम करने के मैं तुम्हें पचास हजार फ्रैंक्स दूंगा। बोलो मंजूर है?"

आरशर सोचने लगा, यह रकम सीधी मेरी जेब में जायेगी। साझेदारों को बताने का सवाल ही नहीं होता।"

"मुझे मंजूर है। मिस्टर सीजल।"

"तो फिर यह तय रहा।" सीजल ने स्पेगेटी का एक और निवाला मुंह में डालते हुये कहा, "तुम यह पैसा अपने साथ ले जाओ।" इसके साथ उसने जोर की डकार ली और बोला, "मैंने तुम्हारी पूरी छानबीन करवाई है। तुम ठीक आदमी हो। लेकिन फिर भी यह याद रखना कि यदि तुमने मेरे साथ कोई छल करने का प्रयास किया तो मेरे आदमी तुरन्त तुम्हारे पीछे लग जायेंगे।"

"ऐसी बात को आप दिल से ही निकाल दीजिये।" आरशर ने उसे आश्वासन दिया था, "आप अपना पैसा मेरे पास दे दीजिये...मैं तुरन्त इसका बन्दोबस्त कर देता हूं। इसके साथ ही आप मुझे कोई ऐड्रेस दे दीजिये जहां पर मैं आपके अकाउंट का नंबर भेज सकूं।"

सीजल ने सिर हिला दिया था।

"यह रहा मेरी पत्नी का ऐड्रेस"...कहने के साथ सीजल ने अपनी जेब से बटुआ निकालकर आरशर को एक कार्ड, और नोटों की गड्डी दी थी। इस दौरान वह अपना पूरा खाना भक्ष चुका था। और तब अपनी घड□ी की ओर देखकर कहा, "अब मैं चलता हूं।''

तभी बर्नी वहां पहुंच गया था।

"आपके लिये और कुछ खाने के लिये लाऊं, मिस्टर सीजल?"

"अब नहीं। मेरी उड□ान का समय हो चुका है।" और तब जैक आरशर की ओर इशारा करके बर्नी से कहा था, "यह मेरे पैसे की देखरेख करेगा। यह मुझ पर एहसान कर रहा है। सो यदि इसे कभी कोई जरुरत पड□े, तो तुम मेरे एहसान का बदला चुका देना।" तब सीजल ने आरशर को संबोधित करके कहा था, "बर्नी इस शहर का संकट निवारक है। यदि कभी तुम्हें कोई ऐसा-वैसा काम हो, तो सीधे बर्नी के पास चले आना। यह तुरन्त तुम्हारी समस्या का समाधान कर देगा।" कहकर सीजल वहां से चला गया था।

आरशर को यह सब याद था।

जनेवा एयरपोर्ट पहुंचने पर उसने टैक्सी ली थी, और ड्राइवर को बर्नी के रेस्तरां चलने को कहा था। टैक्सी में बैठकर उसे याद आया था कि उसने सीजल की रकम एक स्विस बैंक में जमा करवा दी थी, और उसका अकाउंट नंबर उसकी पत्नी को भेज दिया था। दो महीने पश्चात उसने हैरल्ड ट्रिब्यून में यह पढ□ा था कि सीजल को गोली मार दी गई थी।

टैक्सी का भाड़ा देकर आरशर रेस्तरां के अन्दर चला गया था जहां पर बर्नी उसे देखते ही पहचान गया था।

"मिस्टर आरशर, आप!"

"हां बर्नी, कहो कैसे हो?"

"आइये खाना खाइये," बर्नी ने कहा, और उसकी अगुआई करता हुआ एक पिछले कमरे में ले गया। तब वह खुद खाना लेने गया, और स्पेगेटी और व्हिस्की की बोतल आरशर के सामने लाकर रख दी।

"बैठ जाओ बर्नी," आरशर ने उससे कहा, "मैं तुमसे कोई बात करने आया हूं।"

"जरा एक मिनट।" कहकर बर्नी ने कमरे का दरवाजा बन्द किया, और तब आरशर के सामने बैठकर बोला, "अब बताओ क्या बात है?" ''मेरी एक मुश्किल है, तुम चाहो तो उसको हल कर सकते हो।"

"यदि मैं कर सकता होऊंगा, तो जरूर करूंगा। आप बताओ।"

"मुझे दो विश्वसनीय आदमियों की जरूरत है। विश्वसनीय से मेरा अर्थ है कि मैं उन आदमियों को काम करने के लिये पैसा दूंगा। लेकिन यह काम करने के पश्चात वह किसी से जिक्र नहीं करेंगे।"

बर्नी ने सिर हिलाया।

"काम क्या है, मिस्टर आरशर?"

"काम यह है बर्नी कि उन दो आदमियों से मैं अपने एक जानने वाले के अपहरण का अभिनय करवाना चाहता हूं। सच बात तो यह है कि उस आदमी ने खुद मुझे ऐसा करवाने को कहा है। वह उस औरत को भयभीत करवाना चाहता है, जिसके साथ वह रहता है क्योंकि वह दिन ब दिन उसके सिर चढ़ती जा रही है। उन आदमियों को बस इतना करना होगा कि उस औरत के घर जाकर उस आदमी को कार में बिठाकर वहां से ले आना होगा।"

बर्नी ने माचिस की डिबिया से एक दियासलाई निकाली और दांत कुरेदने लगा।

"उसके बाद?" बर्नी ने पूछा।

कुछ भी नहीं। आरशर ने कहा, "उस औरत को यकीन हो जायेगा कि मेरे ब्वॉय फ्रैंड का अपहरण हो गया है। वह जानबूझकर उस औरत से कुछ दिन दूर रहेगा, और फिर उसके पास वापस चला जायेगा। इस बीच उस औरत की अक्ल ठिकाने आ जायेगी।"

बर्नी ने सिर हिला दिया।

"इस काम पर तो पैसा खर्च होगा मिस्टर आरशर।''

"खर्चा मैं दूंगा। तुम मुझे दो विश्वसनीय आदमियों का प्रबंध कर दो। मैं तुम्हें पांच सौ फ्रैंक्स दूंगा।"

बर्नी कुछ देर तक चुपचाप दांत कुरेदता रहा, फिर उसने सिर हिला दिया।

"पांच सौ में तो मुश्किल है मिस्टर आरशर। यदि आप एक हजार खर्च करने पर तैयार हों, तो मैं

दो विश्वसनीय आदमी दे सकता हूं।"

"मुझे मंजूर है, मैं हजार दे दूंगा।"

बर्नी की बांछें खिल गयीं।

"आप मजे से खाना खाइये मिस्टर आरशर। मैं अभी आपके काम का प्रबंध करके आता हूं।" कहकर बर्नी कमरे से बाहर चला गया।

"पंद्रह मिनट पश्चात बर्नी वापस पहुंच गया, और आराम से आरशर के सामने बैठ गया।

"मैंने प्रबंध कर दिया है, मिस्टर आरशर। वे दो हैं, और शत-प्रतिशत विश्वसनीय हैं। वह एक स्टीमर पर इकट्ठे काम करते हैं, और बहुत अच्छी अंग्रेजी बोलते हैं। उनमें से बड़े का नाम मैक्स सेजेटी है, और छोटे का जैक्रास बेलमान्ट है। उन दोनों के आपस में समलिंगकामी संबंध हैं।" बर्नी मुस्कराकर बोला, "यदि आप पैसा खर्चने को तैयार हैं, तो उन पर पूर्ण विश्वास किया जा सकता है।"

आरशर ने सकारात्मक सिर हिलाया।

"मैं उनको देखना और उनसे बात करना चाहता हूं।"

"हां, हां, आप उन दोनों को अच्छी तरह से देखिये भालिये। यदि वे आपको सन्तोषजनक न लगें तो मैं किन्हीं दो और का प्रबंध कर दूंगा।"

"इस समय वे दोनों यहीं पर हैं?" आरशर ने पूछा।

"और उन्होंने कहां जाना है। काम से सीधे यहां आते हैं।" कहकर बर्नी उम्मीद भरी दृष्टि से आरशर की ओर देखने लगा। आरशर उसकी दृष्टि का अर्थ समझ गया, और अपने बटुए से एक हजार फ्रैंक्स निकालकर बर्नी के हाथ में दे दिये। "जैसे आप सीजल के दोस्त वैसे मेरे।" कहकर बर्नी अपनी जगह से उठा, और दरवाजे के पास जाकर दो आदमियों को अन्दर आने का इशारा किया।

उनमें से एक का कद लम्बा और शरीर छरहरा था। वह आयु में छोटा था। दूसरे का कद छोटा, और शरीर हृष्ट-पुष्ट था। उसने अपने बाल डाई कर रखे थे। वह आयु में बड़ा था।

उन दोनों ने मैली-कुचैली जीन्स एवं स्वीट शर्ट्स पहन रखी थीं। और आरशर को जरा भी नहीं जंचे थे लेकिन सीजल ने उसे बताया था कि बर्नी पर विश्वास किया जा सकता है, सो आरशर ने कोई आपत्ति नहीं की।

"बैठ जाओ।" आरशर ने उन दोनों से कहा। वे दोनों बैठ गये।

"मेरा नाम सेजेटी है," हृष्ट-पुष्ट शरीर वाले ने कहा, "और यह मेरा साथी है बेलमान्ट।"

"बर्नी ने मुझे बताया है कि तुम दोनों पर विश्वास किया जा सकता है।" आरशर ने अपनी आवाज में कठोरता पैदा करके कहा। हालांकि मैं तुम्हें बिलकुल नहीं जानता। खैर, बात यह है कि मेरा एक मित्र अपनी गर्ल फ्रेंड को धमकाने के लिये अपना अपहरण करवाना चाहता है। तुम्हें अभिनय इस ढंग से करना होगा कि यह वास्तविक लगे। तुम्हारा काम यह होगा कि लुगानो जाकर विला के अन्दर घुस जाओगे। वह आदमी तुम्हारा मुकाबला करने का अभिनय करेगा, और तब तुम दोनों उसे

पकड□कर विला से बाहर लाओगे और कार में बिठाकर यहां पहुंचा दोगे। और इसके बाद इस बारे में किसी से कोई जिक्र नहीं करोगे।

सेजेटी ने सकारात्मक सिर हिला दिया।

“पैसा कितना मिलेगा?”

“दो हजार तुम्हें और दो ही हजार तुम्हारे साथी को।” सेजेटी ने मुंह बना लिया।

“दो-दो हजार तो बहुत थोड□ हैं। पांच-पांच की बात करो।’’

“चार-चार हजार से कौड□ी ऊपर नहीं दूंगा। मंजूर हो तो हां करो।” आरशर ने शुष्कता से कहा।

“मंजूर है।” सेजेटी ने कहा, “लेकिन खर्चा अलग देना पड□गा।”

“ठीक है।” आरशर ने कहा।

“और पेशगी में आधे अभी लेंगे।” सेजेटी ने कहा।

“अभी एक-एक हजार खर्चा दूंगा। बकाया काम होने पर मिलेगा।” आरशर ने दृढ□ता से कहा, और एक-एक हजार के दो नोट अपनी जेब से निकालकर उनके सामने मेज पर रख दिये।

सेजेटी ने वह रकम जेब में डाल ली।

“तुम्हारे पास सिर पर डालने के लिये टोप और डराने-धमकाने के लिये बन्दूकों का प्रबंध है?” आरशर ने पूछा।

“हमारे पास हर चीज का प्रबंध है।” सेजेटी ने उसे आश्वासन दिया।

“तो तुम्हें यह अपहरण आज से तीन दिन बाद अर्थात अट्ठारह तारीख की शाम को करना होगा। उस दिन दोपहर दो बजे तुम लोग स्विस होटल में मेरे पास पहुंच जाना। वहां पर मैं तुम्हें पूरी तफसील समझा दूंगा। टोप और बंदूकें अपने साथ लेते आना। समझ गये?”

सेजेटी ने सकारात्मक सिर हिलाया।

“तुम्हारे पास कार तो होगी।” आरशर ने पूछा।

“है।” सेजेटी ने उत्तर दिया।

तब आरशर ने उन्हें पांच सौ खर्च के लिये दे दिये। जब वे यह बातचीत कर रहे थे तो आरशर ने बड□ ध्यान से यह बात नोट की थी कि सेजेटी का साथी बेलमान्ट बिलकुल खामोश बैठा रहा था, और उसने अपने मुंह से एक शब्द तक नहीं निकाला था।

“और तुम बेलमान्ट,” आरशर ने शुष्कता से पूछा, “तुम सहमत हो न?”

“जब मैं सहमत होऊं, तो बेलमान्ट अपने आप सहमत हो जाता है।” सेजेटी ने कहा। और वे दोनों अपनी-अपनी जगह से उठ खड□ हुये, “अच्छा तो अब हम चलते हैं।” सेजेटी ने कहा, और बेलमान्ट के साथ वहां से चला गया।

उन दोनों के जाते ही बर्नी कमरे के अन्दर पहुंच गया।

“आपको तसल्ली है न मिस्टर आरशर।”

“भई मुझे तो तुम्हारी तसल्ली पर तसल्ली है।” आरशर ने कहा, “तुम्हें निश्चय है न कि ये दोनों आदमी विश्वसनीय हैं। कहीं ऐसा न हो कि कोई ऐसी-वैसी बात हो जाये।”

“आप बिलकुल निश्चिंत रहिये।” बर्नी ने आश्वासन दिया। आपने पैसा दिया है-आपका पूरा काम होगा। और कोई सेवा बताइये।”

“बस, अब मैं वापस जाना चाहता हूं। एक टैक्सी बुला दो।”

“बाहर खड□ी है।”

आरशर ने बर्नी से विदा कही, और टैक्सी में सवार होकर अपने होटल की ओर चला गया।

जब आरशर की टैक्सी नजरों से ओझल हो गई, तो बर्नी बार के पीछे आकर खड□ा हो गया। उसी समय सेजेटी भी उसके पास पहुंच गया।

“क्या माजरा है भई।” सेजेटी ने बर्नी से पूछा।

“बड□ा रोचक और लाभदायक माजरा है। यह जो मोटा यहां आया था न-आरशर-यह किसी समय हरमन रोल्फ का वित्तीय सलाहकार हुआ करता था-और हरमन रोल्फ अथाह दौलत पीछे छोड□ गया है। तुम मुझसे सम्पर्क बनाये रखना मैक्स (सेजेटी)…मैं यह जानना चाहता हूं कि वह कौन से व्यक्ति की गर्ल फ्रैंड कौन औरत है। जैसे ही यह पता चले कि अपहरण कौन-सी जगह पर करना है, मुझे फोन कर देना। समझ गये ना?”

“वह तो समझ गया,” मैक्स सेजेटी ने कहा, “लेकिन टोपों और बन्दूकों का प्रबंध कहां से होगा। उसके सामने तो हमने झूठ बोल दिया था कि हमारे पास हर चीज का प्रबंध है।”

“तो इसमें चिंता करने की क्या बात है।” बर्नी बोला, “टोपों और बन्दूकों का प्रबंध मेरे पास है। तुम मुझे बस वह सूचना दे देना जो मैंने तुमसे मांगी है।”

* * *

ग्रेनविल के आगे-आगे चलते हुये हेल्गा जैसे ही एयरपोर्ट से बाहर निकली थी, उसने हिकल को इन्तजार करते हुये देख लिया था।

हिकल की आयु मात्र बावन वर्ष थी किंतु वह अपनी आयु से काफी बड□ा लगता था। उसका कद छोटा, शरीर गोल-मटोल एवं सर घुटा था। उसने पंद्रह वर्ष तक पोलियोग्रस्त हरमन रोल्फ की सेवा की थी तथा उसकी मृत्यु के पश्चात अपनी समस्त निष्ठा हेल्गा के प्रति समर्पित कर दी थी। हेल्गा को वह बहुत पसंद करता था।

फोन पर हेल्गा ने जब उसे यह समाचार सुनाया था कि मुझे एक आदमी से प्रेम हो गया है और मैं उससे विवाह करने वाली हूं, तो हिकल यह सुनकर परेशान हो गया था।

हिकल इस बात से भली-भांति परिचित था कि हृष्ट-पुष्ट नौजवान मर्द हेल्गा की कमजोरी हैं लेकिन इस समय हेल्गा के चेहरे को प्रफुल्लित पाकर हिकल की उम्मीदें बंधने लगीं कि हेल्गा ने

अपने लिये सही मर्द का चयन किया होगा, किन्तु दूसरे ही क्षण ग्रेनविल पर नजर पड□ते ही उसकी उम्मीदों पर ओस पड□ गई। ग्रेनविल का आकर्षक एवं मनोहर व्यक्तित्व देख कर उसके मस्तिष्क में खतरे की लाल बत्ती जलने-बुझने लगी थी।

“ओह हिकल। तुम्हें मैंने बहुत मिस किया है,” कहकर हेल्गा ने ग्रेनविल का उससे परिचय करवाया, “यह हिकल हैं जिसके बारे में मैंने तुम्हें बताया था।”

ग्रेनविल को भला इतनी फुर्सत कहां थी कि एक नौकर की ओर ध्यान देता। “यह लो मेरा सामान पकड□ो।” ग्रेनविल ने कहा था और इस ढंग से हिकल को अपना सूटकेस पकड□वाया था मानों उस पर एहसान कर रहा हो।

“यस सर।” हिकल ने सामान पकड□ने के साथ बड□ आदर से उत्तर दिया था।

लेकिन उसी झण से ग्रेनविल एवं हिकल एक दूसरे के शत्रु बन गये थे।

तब हिकल ने हेल्गा को बताया था कि नई रोल्ज राईस मिल गई है, और विला कल तक तैयार होगा। सो मैंने एक होटल में आप और मिस्टर ग्रेनविल के लिये अलग-अलग कमरे सुरक्षित करवा दिये हैं।

“ओह हिकल, तुम कितने समझदार एवं स्वीट हो।” कहकर हेल्गा ने नई रोल्ज राईस देखी थी जिसे देखकर वह विभोर हो उठी थी। तब वह ग्रेनविल के साथ रोल्ज की पिछली सीट पर बैठ गई थी। और हिकल कार चलाकर उनको होटल पहुंचाने ले गया था। होटल पहुंचकर हेल्गा और ग्रेनविल अपने-अपने कमरों में चले गये थे।

ग्रेनविल ने अपने कमरे में दाखिल होते ही दरवाजे को भीतर से चटकनी लगाई थी, और फोन के पास जाकर स्विस होटल में ठहरे आरशर का नंबर डायल किया था।

“मैंने पूरा प्रबंध कर दिया है।” आरशर ने बताया, “तीन दिन पश्चात हमारा काम शुरू हो जायेगा। तुम्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं।”

“मेरे विचार में चिंता करने की पूरी जरूरत है।” ग्रेनविल ने व्यग्रता से कहा, “मुझे इस आदमी से-क्या नाम है उसका...हिकल ...उसकी ओर से बहुत चिंता हो रही है।”

“हिकल?” आरशर ने चौंककर कहा, “वह यहां पर है।” “वह बिलकुल यहां पर है ऐसा लगता है कि वह कर्ता-धर्ता है। मुझ पर नजर पड□ते ही उसकी आंखों में नफरत के आसार पैदा हो गये थे। मैं इन गृह प्रबंधकों की आंखों को देखते ही उनको पहचान लेता हूं। यह पुराने निष्ठावान गृह-प्रबंधक बहुत खतरनाक होते हैं।”

“तुम्हारा अंदाजा कुछ गलत नहीं है।” आरशर ने चिंतित स्वर में कहा, “वह हिकल तो हेल्गा का भी बाप है।”

“वह तुम्हारी सिरदर्दी है...उसका समाधान तुम्हें करना पड□गा?” ग्रेनविल ने कहा।

“उसका समाधान भी हो जायेगा।” आरशर ने समझाया, “तुम यह करो कि हेल्गा के साथ खूब प्रेम करो। जब उसे यह निश्चय हो जायेगा कि तुम उसके साथ विवाह करना चाहते हो तो फिर वह अपने आप हिकल को रौब में रखेगी। बाकी मैं देख लूंगा।”

“यदि तुम्हारे बस का हुआ तो।” ग्रेनविल ने कहा। वह इस समय चिड□चिड□ा-सा हो रहा था।

“तुम बस इस बात का ध्यान रखना कि तुम हिकल के साथ किस ढंग से पेश आते हो,” आरशर ने समझाया, “उससे मीठा बनकर रहना, जरा खुशामद से बात करना, मेरा यह आशय नहीं कि उसे सिर चढ□ा लेना, उसको बस मस्का लगाते रहना।”

अगली सुबह ग्रेनविल होटल से बाहर आया था, और उस जगह चला आया था जहां पर हिकल रोल्ज राईस की झाड□-पोंछ कर रहा था। ग्रेनविल ने उसके साथ बातों का सिलसिला शुरू करना चाहा था लेकिन हिकल ने उसकी हर बात का शुष्क एवं संक्षिप्त उत्तर देकर उसकी जरा भी हिम्मत नहीं बढ□ाई थी जिससे ग्रेनविल को स्पष्ट विदित हो गया था कि हिकल का रवैया उसके प्रति प्रतिकूल है।

तभी हेल्गा भी रोल्ज के पास पहुंच गई थी।

“चलें,” हेल्गा ने ग्रेनविल के गाल को होंठों का स्पर्श देते हुये कहा था, और तब हिकल से बोली थी, “कोई समस्या तो नहीं?”

“मैंने सारा सामान कार में रख दिया है मैडम। आप जब चाहें हम यहां से रवाना हो सकते हैं।’’ हिकल ने यह उत्तर दिया था।

“तो आओ चलें क्रिस, मैं तो तुम्हें अपना विला दिखाने के लिये बेसब्र हो रही हूं।”

* * *

लुगाना से बाहर, कैस्टगनोला में स्थित वह विला हरमन रोल्फ ने दस साल पूर्व एक अमरीकन फिल्म प्रोड्यूसर से खरीदा था।

यह विला हर प्रकार के ऐसे सुख-साधनों से लैस था जिनकी कल्पना ही की जा सकती थी।

विला पहुंचकर हिकल सीधा रसोईघर में चला गया था। और हेल्गा-ग्रेनविल को विला दिखाने में रत हो गई थी। ग्रेनविल विला का ऐश्वर्य देखकर इतना चकाचौंध रह गया था कि उसे घुटन-सी महसूस होने लगी थी। अंत में हेल्गा उसे अपने बेडरूम में ले गई थी जिसकी सज्जा देखकर तो ग्रेनविल की आंखें फटी की फटी रह गई थीं।

“क्रिस डार्लिंग,” हेल्गा ने कहा, “हिकल समझदार आदमी है। वह इस बात को खूब समझता है कि हम दोनों इस बेडरूम में सोया करेंगे।”

ग्रेनविल शीघ्र से शीघ्र कमरे से बाहर निकलना चाहता था।

“हेल्गा-मुझे तुम्हारा स्विमिंग पूल बहुत अच्छा लगा है, क्या मैं उसमें तैराकी कर सकता हूं?”

“तुम जो चाहो कर सकते हो, क्रिस। यह तुम्हारा घर है।” कहकर हेल्गा गुनगुनाती हुई रसोई घर में चली गई।

“ओह हिकल। मैं तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं कितनी खुश हूं। तुम्हें कैसा लगा है वह।”

"ठीक है मैडम।" हिकल ने संक्षिप्त उत्तर दिया। हेल्गा खुशी से हंसने लगी।

"मैं उससे विवाह करना चाहती हूं हिकल-और तुम हमेशा हमारे साथ रहोगे।"

"मुझे आप पर विश्वास है, मैडम।" हिकल ने बेमानी-सा उत्तर दिया।

"ओ हिकल। तुम कितने अच्छे हो।" हेल्गा ने कहा, और वहां से अपने बेडरूम में चली आई। जहां पर उसने सारे कपड□े उतार दिये और अपने तन पर एक महीन सी शॉल लपेटी और स्विमिंग पूल पर चली गई।

ग्रेनविल आंखें बन्द किये बड□ी सुस्ती से पानी के तल पर तैर रहा था। हेल्गा ने अपने तन पर से शॉल हटाकर परे फेंक दी और पानी में नंगी गोता लगाकर पानी के अन्दर-अन्दर तैरती हुई ग्रेनविल के पास पहुंची। तब वह पानी के अन्दर से बाहर उभरी और ग्रेनविल को अपने पास खींचकर उसके अधर पान करने के साथ-साथ उसके साथ जल में यौन क्रीड□ा करने लगी।

तत्पश्चात जब वे दोनों टैरेस में बैठे सूर्यास्त का दृश्य देख रहे थे, तो हेल्गा ने ग्रेनविल का हाथ अपने हाथ में ले लिया।

"मुझे हमेशा से यह उम्मीद थी कि मुझे तुम जैसा ही कोई आदमी मिलेगा, क्रिस।"

"लेकिन इसका कोई फायदा नहीं डार्लिंग," ग्रेनविल ने अपना अभिनय शुरू करते हुये कहा, "यह तो चार दिन की चांदनी है।"

"तुम्हारा आशय?" हेल्गा ने समीक्षात्मक दृष्टि से उसकी ओर देखते हुये पूछा।

"मेरा आशय है कि तुम और मैं बेजोड□ हैं। इन मधुर क्षणों में तुम यह चर्चा क्यों ले बैठी हो। यदि तुम इतनी अमीर न होतीं, तो...।"

हेल्गा ने अपना हाथ ग्रेनविल के हाथ से परे हटा लिया और सीधी सपाट नजरों से उसकी ओर देखने लगी। ग्रेनिवल-हेल्गा की इस दृष्टि से हमेशा गड□बड□ा जाता था।

"तुम चुप क्यों हो गए...स्पष्ट बात करो।" हेल्गा की आवाज की कड□क सुनकर ग्रेनविल सावधान हो गया कि उसका वास्ता किसी मूर्ख प्रौढ□ा से नहीं पड□ा।

"स्पष्ट बात यह है हेल्गा कि यदि तुम इतनी धनवान न होतीं तो मैं तुमसे फौरन विवाह कर लेता। इससे बढ□कर मेरे लिये और क्या खुशी की बात हो सकती थी। लेकिन तुम जानती हो कि मैं एक अंग्रेज हूं, और एक अंग्रेज कभी भी अपनी पत्नी के टुकड□े नहीं तोड□ता।"

"मैंने तो ऐसी अण्ड वण्ड कभी नहीं सुनी," हेल्गा बोली, "यह किसने कहा है कि तुम मेरे टुकड□े तोड□ोगे। तुम प्रतिभा-सम्पन्न हो और मेरे विचार में हमारी बहुत अच्छी जोड□ी सिद्ध हो सकती है।"

ग्रेनविल अपनी जगह पर पहलू बदलने लगा।

"मुझमें प्रतिभा तो है, लेकिन मैं आज तक अपनी प्रतिभा से पैसा पैदा नहीं कर पाया। हम दोनों आपस में खुश नहीं रह पायेंगे। इन सुखद क्षणों में ऐसी बातें करने से क्या फायदा! आओ आनन्द मनायें फिर मैं चला जाऊंगा। मैं तुमसे झूठ नहीं कह रहा।"

ग्रेनविल सोचने लगा...यह बड़ी खतरनाक है। आज तक जिस औरत के साथ मैंने ऐसे डायलाग बोले, वह मेरी गोद में बैठ चपड़-चपड़ करने लगती थी। और यह है कि मुझे कह रही है कि मैं घटिया डायलॉग बोल रहा हूं। ग्रेनविल का मस्तिष्क तेजी से काम करने लगा कि इसके प्रश्न का क्या उत्तर दूं।

उसी समय हेल्गा ने अपना सवाल दोहराया।

“तुम्हें मुझसे प्रेम है या नहीं...मेरी बात का जवाब दो?”

“तुम वाकई एक अद्भुत औरत हो।”

“यह मेरे सवाल का कोई जवाब नहीं...मैंने तुमसे यह पूछा है कि तुम्हें प्रेम है या नहीं?”

ग्रेनविल ने एक लंबा सांस लिया। हेल्गा ने हां या न में उत्तर मांगा था।

“हेल्गा डार्लिंग, मुझे तुमसे बहुत प्रेम है।”

उसका जवाब सुनकर हेल्गा काफी देर तक ध्यानपूर्वक उसके चेहरे की ओर देखती रही थी, जिसके जवाब में ग्रेनविल उसकी ओर यूं देखने लगा था मानों दिलोजान से उस पर आसक्त हो। उसके चेहरे पर यह भाव देखकर हेल्गा की तसल्ली हो गई थी, और वह कुर्सी के साथ टेक लगाकर बैठ गई थी।

तभी हिकल वहां टैरेस में आया था, और यह कहा था कि डिनर तैयार है। हेल्गा ने हिकल से डिनर वहीं लाने को कहा।

थोड़ी देर पश्चात जब हिकल उनके सामने डिनर लगा रहा था, तो वे खामोश हो गये थे। जब हिकल जा चुका, तो हेल्गा ने क्रिस से कहा, “अपने बारे में डिनर के बाद बात करेंगे। फिर वह उसे कल के प्रोग्राम के बारे में बताने लगी कि कल हम पहाड़ों में सैर करने चलेंगे। वहां पर एक बहुत बढ़िया-सा जलपान गृह है। वहीं पर लंच करेंगे। इसी बहाने हिकल को छुट्टी मिल जायेगी। डिनर के पश्चात वे आराम कुर्सियों पर बैठ गये थे। हिकल उनके लिये कॉफ़ी रख चुका, तो हेल्गा ने उसे आराम करने को कहा था।

जब हिकल उसे गुडनाईट कहकर वहां से चला गया, तो हेल्गा ने ग्रेनविल से कहा, “आओ, अब एक दूसरे के बारे में खुलकर बात करते हैं। पहले मैं तुम्हें अपने बारे में बताती हूं...मैंने केवल हरमन की दौलत की वजह से उसके साथ विवाह किया था। वह अपंग और नपुंसक था। उसे एक ऐसी खूबसूरत मेजबान पत्नी की जरूरत थी जो उसकी संस्थाओं को चलाने एवं उनकी देख-रेख करने में उसकी सहायक हो सके। मैं उसकी जरूरतों पर पूरी उतरी थी। इसी वजह से उसने मुझे अपनी पत्नी बनाने की पेशकश की थी और शर्त रखी थी कि मैं किसी मर्द के साथ प्रेम-संबंध नहीं जुटाऊंगी। मैंने उसे वचन दिया था कि ऐसा नहीं करूंगी लेकिन चोरी-छिपे अपनी शारीरिक आवश्यकतायें पूरी करती थी। मुझे यह अभिशाप है कि मैं एक अतिकामी नारी हूं। मुझे हर क्षण मर्द की इच्छा होती है।” कहकर हेल्गा उसके हाथ को थपथपाकर बोली, “अब मैं प्रेम संबंधों से ऊब गई हूं और किसी एक के साथ रहना चाहती हूं, अब से पहले मुझे किसी के साथ प्रेम नहीं हुआ, लेकिन अब है...तुम्हारे साथ।”

ग्रेनविल उसकी स्पष्ट बातें सुनकर चौंक गया था, “मुझे भी तुमसे बहुत प्रेम है लेकिन मुझे यह अभिशाप है कि मैं एक औरत के टुकड□े नहीं तोड□ सकता। तुम बहुत धनवान हो और तुम्हारे सामने मेरी माली हैसियत कुछ भी नहीं।”

“मैं तुम्हारे इन जज्बातों की कदर करती हूं क्रिस, लेकिन मान लो यदि तुम्हारे पास अपनी कमाई के पचास एक लाख हो जायें, तो तुम मुझसे विवाह करने के लिये तैयार होओगे?”

“हेल्गा, तुम अजीब-सी बातें करती हो। मैं एकदम से इतनी रकम कैसे कमा सकता हूं?”

“उसका रास्ता मैं तुम्हें बताती हूं-हम फ्रांस और जर्मनी में अपने नये कारखाने स्थापित करने जा रहे हैं। मैं तुम्हें इनमें से किसी एक कम्पनी का सीनियर पार्टनर नियुक्त कर दूंगी। तुम्हारे मातहत लेखाकारों, विशेषज्ञों एवं सहायकों का पूरा स्टाफ होगा। इस पर तुम्हारा स्वभाव, तुम्हारा व्यक्तित्व एवं तुम्हारा बहुभाषी होना ही कंपनी के लिये बहुत लाभदायक सिद्ध होगा। इस प्रकार तुम कम्पनी के स्टॉक होल्डर बन जाओगे। एक-एक पैसा जो तुम पाओगे वह किसी के एहसान का नहीं होगा बल्कि अपनी मेहनत की कमाई का होगा। यदि तुम मेरी बात से सहमत हो तो हम कल ही विवाह कर सकते हैं।”

सुबह से शाम तक एक ऑफिस में बैठकर काम करने एवं हेल्गा तानाशाह के मातहत काम करने की कल्पना से ग्रेनविल के रोंगेट खड□े हो गये। इस समय उसे आरशर की सीख स्मरण हुई...तुम हेल्गा के साथ प्रेम करो।

“मैं तुम्हें सोचकर बताऊंगा, हेल्गा। इस समय तो मेरा मन तुम्हें प्यार करने को कर रहा है।”

“तो चलो, आओ।” कहकर हेल्गा उसकी अगुआई करती हुई अपने बेडरूम में ले गई।

अगली सुबह जब हेल्गा की आंखें खुलीं, तो सात बज चुके थे। क्रिस को अपनी बगल में न पाकर वह घबरा गई थी।

उसी समय हिकल कॉफ□ी लेकर कमरे में आया था और जब उसने हेल्गा को बताया था कि मिस्टर ग्रेनविल तैराकी कर रहे हैं, तो हेल्गा की जान में जान आई थी।

तत्पश्चात कॉफी पान करने के साथ-साथ हेल्गा गत रात की यौन क्रीड□ा को याद करके दोहराने लगी थी कि क्रिस ने किस तरह से मुझे औंधा लिटाकर मेरी टांगें जरा भर फैलाई थीं। फिर एक ही झटके के साथ....

मैं क्रिस को मनाकर उसके साथ विवाह करूंगी ही करूंगी। क्रिस जैसा कामी ही मेरी यौन तृप्ति कर सकता है। यहां पर लुगानो में हम विवाह नहीं करेंगे। विवाह तो मैं पैराडाइज सिटी में करूंगी और वहीं से क्रिस का जीवन शुरू करूंगी।

तभी हेल्गा को लोमन एवं विनबार्न का ख्याल आया और वह सोचने लगी-मैं उनको बताकर ही नहीं आई कि मैं कहां जा रही हूं। कहीं वे यह न सोचने लगें कि किसी ने मेरा अपहरण कर लिया है।

वह विचार आते ही हेल्गा ने अपने बिस्तरे से उठकर गाउन पहना और फोन के पास जाने लगी। उसी समय क्रिस तैराकी करके वहां आया।

“क्रिस डार्लिंग, तुम नाश्ता करो। मैं इतनी देर में लोमन एवं विनबार्न से जरा फोन पर बात कर

आऊं।” कहकर हेल्गा फोन करने चली गई।

उसी समय हिकल कमरे में दाखिल हुआ और क्रिस के पास आकर खड□ा हो गया।

“आप नाश्ते के साथ चाय लेंगे या कॉफी?”

“सिर्फ कॉफी लूंगा और कुछ नहीं।” कहकर उसने हिकल को वहां से भेज दिया।

ग्रेनविल अपनी चिंता में डूबा हुआ था कि मैं आजाद पंछी हूं...आज इस प्रौढ□ा के साथ, तो कल उस प्रौढ□ा के साथ, विविधता ही जीवन का तत्त्व होती है और हेल्गा मुझे पचास लाख का लालच देकर अपने पिंजरे का पंछी बनाना चाहती है। मैं पचास लाख का क्या करूंगा। मुझे वही दस लाख भले हैं जो आरशर ने मुझे देने का वचन दिया है। मुझे फौरन आरशर से सम्पर्क करना चाहिये, नहीं तो यह चालबाज औरत मुझे फंसा लेगी।

तभी हिकल कॉफी लेकर वहां पहुंच गया।

“यहां पर कोई गोल्फ कोर्स तो होगा ही।” ग्रेनविल ने हिकल से पूछा।

“यस सर, यहां पास ही में है। मैं आपको इस जगह का नक्शा ला देता हूं।”

हिकल ने उसे नक्शा लाकर दे दिया, और ग्रेनविल उस नक्शे का अध्ययन करने लगा।

इतनी देर में हेल्गा वहां पहुंच गई।

“सॉरी डार्लिंग, मैं आज तुम्हारे साथ बाहर नहीं जा पाऊंगी,” हेल्गा ने अपने दोनों हाथ क्रिस के कंधों पर रखते हुये कहा, “लोमन एवं विनबार्न के कुछ ऐसे काम अटक गये हैं कि मुझसे परामर्श करना जरूरी है। उनके बार-बार फोन आयेंगे। मुझे उनके फोनों का यहीं इंतजार करना पड□ेगा। तुम ऐसा करो कि अकेले घूम आओ। फिर शाम को जी भरकर आनन्द मनायेंगे।”

ग्रेनविल के लिये यह सुनहरी मौका था।

‘‘मैं तुम्हारी मजबूरियां समझता हूं डार्लिंग। कल रात तुमने एक प्रस्ताव रखा था डार्लिंग। यदि मैं एक दौर गोल्फ का खेल आऊं, तो कैसा रहे। क्योंकि जब मैं गोल्फ खेल रहा होता हूं, तो मेरा दिमाग बड□े ही तरीके से सोचता है, और मैं ठीक निर्णय पर पहुंचता हूं। वैसे तुम्हें मालूम ही है कि मेरा जवाब हां में होगा।’’

हेल्गा का दिमाग इस समय अपने बिजनेस में व्यस्त था। उसने क्रिस की बस इतनी ही बात सुनी थी कि वह गोल्फ खेलने जाना चाहता है। सो उसने सकारात्मक सिर हिला दिया था।

“हां-हां, तुम गोल्फ खेलने चले जाओ। रोल्ज राइस ले जाओ। कब तक वापस लौटोगे?”

“तीन बजे तक लौट आऊंगा।”

वास्तव में हेल्गा नहीं चाहती थी कि क्रिस इस समय बाहर जाता। वह उसके साथ अपने बिजनेस के विषय पर बातचीत करके यह अंदाजा लगाना चाहती थी कि क्रिस कितनी सूझ-बूझ का मालिक है-लेकिन वह कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती थी। सो उसने क्रिस को गोल्फ खेलने के लिये जाने दिया था।

तभी हिकल वहां पहुंचा था।

“हिकल, मिस्टर ग्रेनविल तो गोल्फ खेलने गये हैं। और मुझे कॉल्स करनी हैं। तुम ऐसा करो कि मेरे लिये हल्का लंच तैयार करना।”

“मैं आपका सैंडविच लंच तैयार कर देता हूं।”

“हां।” कहकर हेल्गा अपने बैडरूम में इधर-उधर टहलने लगी।

“हिकल, यह आदमी मुझे बहुत अच्छा लगा। मैं उसे रजामंद करने का प्रयास कर रही हूं कि वह हमारी कारपोरेशन की किसी कम्पनी में कोई पद संभाल ले। उसे कुछ संकोच है। यदि वह मान जाये, तो मैं उससे विवाह कर लूं।”

“जैसी आपकी इच्छा मैडम।” हिकल ने अरुचि से कहा, और कमरे से बाहर चला गया।

उसी समय टेलीफोन की घंटी बजने लगी और तदुपरांत हेल्गा तीन घंटे तक हरमन रोल्फ इलैक्ट्रानिक कारपोरेशन के मामलों में उलझी रही।

* * *

आरशर स्विस होटल के लाउंज में बैठा था और पिछले दिन के बारे में सोच रहा था। वह सारा दिन व्यस्त रहा था। उसने एक मर्सिडीज कार किराये पर ली थी और काफी सारे प्रॉपर्टी डीलरों को मिलाने के बाद पैराडिसो में एक विला किराये पर लिया था। पैराडिसो लुगानो से जुड□ा हुआ था। वह बंगला बिलकुल साधारण-सा था, और आरशर को उसके लिये एक महीने का किराया देना पड□ा था। बहरहाल, ग्रेनविल को छिपाने के लिये वह एक बहुत अच्छी जगह थी।

अगले दिन दो बजे सेजेटी एवं बेलमान्ट ने आरशर के पास पहुंचना था। तब उसने उन दोनों को हेल्गा का विला दिखाने ले जाना था। तत्पश्चात कल रात ग्रेनविल का हेल्गा के विला से अपहरण किया जाना था।

इस समय आरशर यह सोच रहा था कि अब सब कुछ ग्रेनविल पर निर्भर करता है। यदि उसने अपनी भूमिका ठीक निभाई है, तो अगले चंद दिनों में दस लाख मेरी जेब में होंगे।

इसी समय आरशर ने लॉबी के शीशे के दरवाजे से बाहर देखा और उसे काले एवं रजत रंग की एक रोल्ज राइज दिखाई दी जिससे ग्रेनविल उतरना ही चाहता था। आरशर लपक कर बाहर आया, और ग्रेनविल की बगल वाली सीट पर बैठ गया। आरशर के बैठते ही ग्रेनविल ने कार स्टार्ट कर दी।

“क्या राजसी कार है!” आरशर पुकार उठा और इसके साथ ही उसके मन में ईर्ष्या होने लगी कि यदि हेल्गा ने मेरे साथ सहयोग बरता होता, तो इस समय ऐसी ही कार मेरे नीचे होती।

“मैं तुमसे बात करना चाहता हूं।” ग्रेनविल के लहजे की तेजी सुनकर आरशर उसके चेहरे की ओर देखने लगा।

“कोई गड□बड□ हो गई है क्या?”

“तुम कल्पना भी नहीं कर सकते कि मेरे साथ क्या बीत रही है।” ग्रेनविल ने बताया, “इस हेल्गा

से मुझे घुटन होने लगी है। वह मुझे पागल बना देगी। उसकी इच्छा यह है कि मैं उसकी फर्म में कोई पद संभाल लूं। उसने मुझसे विवाह करने की ठान ली है। मैंने जब यह बहाना बनाया कि मैं तुम्हारे टुकड नहीं तोड ूगा तो कहने लगी कि मैं तुम्हें ऐसा काम सौंपूंगी कि तुम कुछ ही समय में पचास लाख के मालिक बन जाओगे तथा तुम्हें यह महसूस होगा कि एक-एक पैसा तुमने अपनी मेहनत से कमाया है। अब तुम खुद ही सोचो आरशर कि यह कैसी अजीब मुसीबत है कि रात के समय उसकी यौन तृप्ति करूं और दिन में ऑफिस में बैठकर काम करूं। इस प्रकार तो मैं पागल हो जाऊंगा।"

आरशर में एक दीर्घ श्वास छोड ा और सोचने लगा, काश कि हेल्गा ने ऐसी पेशकश मुझसे की होती, तो मैं नाचने लगता। हरमन रोल्फ इलैक्ट्रॉनिक कारपोरेशन में काम करने और पचास लाख कमाने का अवसर और क्रिस दूर भागना चाहता है। आरशर के हृदय में उसके प्रति घृणा उत्पन्न होने लगी। यह जाईगोलो है और जाईगोलो ही रहेगा...काम और जिम्मेदारी से दूर भागता है।

"मैं तुम्हारी मुश्किल को खूब समझता हूं, क्रिस।" आरशर ने शांत स्वर में कहा, "लेकिन इसमें उत्तेजित होने की क्या बात है? तुमने हेल्गा को क्या जवाब दिया था?"

"मैंने उससे यह कहा था कि सोचकर बताऊंगा।'' ग्रेनविल ने बताया, "अब मैं उससे यह बहाना बनाकर आया हूं कि जब मैं गोल्फ खेल रहा होता हूं, तो मेरा दिमाग सही ढंग से काम करता है, और मैं सही फैसला कर पाता हूं।

"इस समय यदि वह अपने बिजनेस के मामले में व्यस्त न हुई होती, तो उसने मुझे आने ही न दिया होता। यदि मैं उसकी फर्म में काम करने की सहमति व्यक्त कर दूं, तो वह कल ही मुझसे विवाह कर ले।"

"इसी भ्रम ही में तो हम उसे रखना चाहते हैं, क्रिस।" आरशर ने सब्र से कहा, "तम खामख्वाह में घबरा रहे हो। तुम्हारा उसके साथ विवाह करने का प्रश्न ही नहीं होता। तुमने अपनी भूमिका बिलकुल सही निभाई है। इसी तरह बने रहो। जब तुम विला वापस पहुंचो तो हेल्गा से यह कहना कि मैं तुम्हारी फर्म में काम करने के लिये तैयार हूं और जितनी जल्दी तुमसे विवाह हो सके उतना ही अच्छा है।

ग्रेनविल ने सिगरेट सुलगाकर कहा, "उसके साथ विवाह करने के विचार से तो मेरे रोंगटे खड हो जाते हैं। तुम यह बताओ कि मुझे वहां से कब निकालोगे?"

आरशर उसके प्रति घृणा महसूस करते हुये सोचने लगा-यदि मुझे इसके साथ स्थान बदलने का मौका मिल जाये, तो मैं क्या न कर डालूंगा।

"कल रात तुम्हारा अपहरण होगा, और इसके साथ तुम्हारी सारी चिंतायें समाप्त हो जायेंगी।"

"ईश्वर करे ऐसा ही हो।" ग्रेनविल ने कहा, "अब मैं तुम्हें कैसे समझाऊं कि वह कितनी स्वत्वबोधक और तानाशाही प्रकार की औरत है। मैंने ऐसी अजीब औरत आज तक नहीं देखी।"

"तुम चिंता मत करो।" आरशर ने उसे आश्वासन दिया, "कल रात दस बजे दो आदमी विला पहुंचेंगे। उन्होंने सर पर टोप पहन रखे होंगे और उनके हाथ में बंदूकें होंगी। वह तुम्हें और हेल्गा को डरायेंगे धमकायेंगे। तुम उनके साथ मुकाबला करने का अभिनय करना लेकिन अति मत करना क्योंकि वे दोनों अनाड ी हैं। वे तुम्हें वहां से लाने से पहले हेल्गा के नाम एक रुक्का छोड आएंगे। जो मैंने खुद तैयार किया है। हेल्गा उस रुक्के को पढ कर इतनी भयभीत हो जायेगी कि

पुलिस को रिपोर्ट नहीं करेगी। वे दो आदमी तुम्हें वहां से लाकर एक विला में छोड□ देंगे। फिर मैं तुम्हें संभाल लूंगा। तुम्हें चिता करने की कोई जरूरत ही नहीं। एक सप्ताह के भीतर तुम दस लाख के मालिक होओगे।”

“लेकिन हिकल भी तो वहीं पर होगा।” ग्रेनविल ने कहा, “कहीं ऐसा न हो कि वह बना बनाया खेल बिगाड□ दे।”

“हिकल...हां।” आरशर ने भौंहें चढ□ाकर कहा, “तुम यह बताओ कि वह सोने कितने बजे जाता है?”

इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। कल रात हेल्गा ने डिनर के काफी देर बाद छुट्टी दी थी।

“तो फिर ऐसा करते हैं कि तुम्हारा अपहरण रात ग्यारह बजे करवायेंगे। तुम हेल्गा से कहकर हिकल को जल्दी छुट्टी दिलवा देना। एक और बात क्रिस, तुम द्वार ताला खोलना मत भूलना।” मैंने सारा विला देख रखा है तथा विला के अगले दरवाजे से ही विला के भीतर प्रविष्ट हुआ जा सकता है। हिकल जब चला जाये, तो किसी बहाने से बाहर आकर अगले दरवाजे का ताला खोल देना।”

ग्रेनविल ने सकारात्मक सिर हिला दिया।

तभी कार के शीशे पर दस्तक हुई, और वे दोनों उस तरफ देखने लगे। शीशे के बाहर दरवाजे के पास वर्दी में मलबूस यातायात सिपाही खड□ा था।

इस हस्तक्षेप से ग्रेनविल क्रुद्ध हो गया और बटन दबा कर खिड□की का शीशा नीचे कर दिया।

“क्या बात है?” ग्रेनविल ने इटेलियन भाषा में चिल्लाकर पूछा।

“आप नो पार्किंग जोन में खड□े हैं, सर।” पुलिसमैन ने कहा, “अत: मैं आपका चालान काट रहा हूं।”

“भाड□ में जाओ।” ग्रेनविल गुर्राकर बोला, “मैंने तो इस शहर में नो पार्किंग जोन का बोर्ड कहीं देखा नहीं। यह नो पार्किंग जोन है, तो यहां पर बोर्ड क्यों नहीं लगा हुआ?”

आरशर जो काफी समय तक स्विट्जरलैंड में रह चुका था, जानता था कि यहां की पुलिस बड□ी तुनकमिजाज है। सो पुलिसमैन के प्रति ग्रेनविल का यह व्यवहार देखकर वह घबरा गया।

पुलिसमैन की आंखों में सख्ती टपकने लगी थी।

“आप अपने कागजात दिखाईये।”

“हे ईश्वर! यह कहकर ग्रेनविल ने कार का ग्लोब कम्पार्टमेन्ट खोला और उसमें से कार के कागज निकालकर पुलिस मैन के हाथ में पकड□ा दिये।

कुछ देर तक कागजों का अध्ययन करने के पश्चात पुलिसमैन गहरी नजरों से ग्रेनविल की ओर देखने लगा।

“यह कार आपकी तो नहीं है?”

“तुम निरक्षर हो क्या।” ग्रेनविल गुर्राकर बोला, “पढ□ नहीं सकते यह किसकी कार है। यह कार

मैडम हरमन रोल्फ की है और उन्होंने मेरे इस्तेमाल के लिये मुझे दी है।”

पुलिसमैन का चेहरा और सख्त हो गया।

“आप अपना पासपोर्ट दिखाईये।”

ग्रेनविल चूंकि बहुत ज्यादा सफर करता था, अपना पासपोर्ट हमेशा अपने साथ रखता था। उसने फटाक से अपना पासपोर्ट और पुलिसमैन के हाथ में थमा दिया।

इस बिन्दु पर आरशर ने बड□ी बेवकूफी की थी। वह पुलिसमैन एवं ग्रेनविल के बीच पड□ गया था और अपनी जेब से बटुआ निकालकर अपना पुराना विजिटिंग कार्ड पुलिसमैन को दिखाया था। इस कार्ड पर उसका नाम लिखा था और वह ऐड्रेस दिया था जब वह एक अंतर्राष्ट्रीय वकीलों की फर्म में काम किया करता था।

“बात यह है, ऑफिसर,” आरशर ने पुलिसमैन से बड□े शांत स्वर में कहा, “कि मिस्टर ग्रेनविल एक अंग्रेज हैं तथा यहां के यातायात नियमों से अपरिचित हैं। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि मैडम रोल्फ ही ने अपनी कार मिस्टर ग्रेनविल को अपने इस्तेमाल के लिये दी है। यह एक मेहमान के रूप में उनके यहां ठहरे हुये हैं।”

पुलिसमैन ने आरशर का कार्ड ध्यान से देखने के पश्चात वह कार्ड आरशर को व पासपोर्ट ग्रेनविल को वापस कर दिये।

“आप आइंदा अपनी गाड□ी नो पार्किंग जोन में मत खड□ी करना।” कहकर पुलिसमैन ने उन दोनों को सैल्यूट मारा और गाड□ी आगे करने का इशारा किया।

जब उनकी कार रेंगते हुये आगे निकल गई, तो पुलिसमैन ने अपनी जेब से नोटबुक निकाल कर उसमें कुछ नोट किया, और नोटबुक जेब में वापस डाल ली। उसकी याददाश्त भी बहुत अच्छी थी। सो उसने आरशर का चेहरा अपने दिमाग में बिठा लिया था। उसे आश्चर्य हो रहा था कि आरशर जैसा फटेहाल आदमी अंतर्राष्ट्रीय वकीलों की एक कम्पनी में काम करता होगा।

“साला हरामी।” ग्रेनविल कार आगे बढ□ाते हुये बड□बड□ाया।

“तुम तो पागल हो गये हो, क्रिस।” आरशर ने कहा, “स्विस पुलिसमैन के साथ इस ढंग से बात नहीं किया करते। तुम उसके साथ बड□ी बदतमीजी से पेश आये थे।”

“जाये जहन्नुम में।” ग्रेनविल ने कहा।

तब उसने रोल्ज राइस ईडन होटल के पार्किंग लॉट में खड□ी कर दी।

‘चलो कुछ पीते हैं।”

आरशर और ग्रेनविल टैरेस पर आकर एक एकान्त कोने में बैठ गये। और ग्रेनविल ने वेटर को दो मारटिनी लाने को कहा।

“देखो जैक, इस काम में कोई गड□बड□ नहीं होनी चाहिये।” ग्रेनविल ने कहा, “तुम मुझे उन आदमियों के बारे में बताओ जिन्होंने मेरा अपहरण करना है। तुम्हें विश्वास है कि वे विश्वसनीय हैं।”

ड्रिंक्स के आने तक आरशर चुप बैठा रहा। तब उसने बताना शुरू किया।

ग्रेनविल तीन बजे के पश्चात जब विला वापस पहुंचा था, तो अपने आपको एकदम हल्का महसूस कर रहा था। आरशर ने उसे यकीन दिलाया था कि कुछ ही दिनों में उसके पास दस लाख होंगे तथा उस पर किसी प्रकार की कोई पाबंदी नहीं होगी।

विला पहुंचकर ग्रेनविल ने रोल्ज राइज गैराज में पार्क की थी और विला की ओर अन्दर चला गया था। जब वह प्रवेश द्वार अंदर से बंद कर रहा था, तो उसे हेल्गा की आवाज सुनाई दी थी, जो फोन पर किसी से बात कर रही थी। ग्रेनविल सीधा अपने कमरे में आया था-नहाया-धोया था-और फिर टहलते हुये हेल्गा के कमरे में गया था।

हेल्गा उसके पीछे बैठी काम में व्यस्त थी। उसके चेहरे पर सख्ती-सी छाई हुई थी लेकिन ग्रेनविल को देखते ही हेल्गा के चेहरे की सख्ती नर्म पड़ गई थी। फिर वह अपनी जगह से उठी थी, और ग्रेनविल के पास आकर उसके गाल को अपने होंठों का स्पर्श दिया, "अब मेरे सवाल का जवाब दो। जवाब हों होना चाहिये...मैं ना नहीं सुनूंगी।"

"मेरा जवाब बिल्कुल हां है।" ग्रेनविल ने कहा, और हेल्गा को गोद में भरकर बेडरूम में ले आया, और दरवाजे की अंदर से चिटकनी लगा दी। विवाह से पहले पूर्व अभ्यास करने।

"अरे हिकल क्या सोचेगा कि हम दिन में ही जुट गये हैं।" हेल्गा अपनी स्लेक्स उतराते हुये बोली।
"ऐसी की तैसी हिकल की। मैं अपनी पत्नी के साथ जुट रहा हूं।"

दस मिनट पश्चात जब वे दोनों सुख जनित शिथिलता की अवस्था में एक-दूसरे की बगल में लेटे हुये थे, तो हेल्गा ग्रेनविल को अपने विवाह के कार्यक्रम के बारे में बताने लगी कि हम पेरॉडाइज सिटी में विवाह करेंगे। वहां द्वीप पर मेरा एक आलीशान बंगला है। विवाह होने तक तुम बंगले की कॉटेज में ठहरना। मैं अपने विवाह का ऐलान करूंगी तो देखना शहर के समस्त प्रतिष्ठित लोग कैसे मुझे बधाई देने आते हैं। हम अपना विवाह बड़ी धूमधाम से करेंगे-वगैरह वगैरह।

* * *

इन बातों से ग्रेनविल का दिल हौलने लगा था, लेकिन वह हूं हां करने के साथ-साथ उसका हाथ सहलाता रहा था।

"मेरे जैसा भाग्यशाली कौन होगा।" ग्रेनविल ने कहा, और मन ही मन में सोचने लगा कि कल तक इस तानाशाही औरत से मुझे मुक्ति मिल जायेगी।

तभी हिकल ने दरवाजे पर दस्तक दी और हेल्गा को बताया कि विनबार्न का फोन आया है। यह सुनकर हेल्गा चिढ़-सी गई, लेकिन उसने यहीं बेडरूम में विनबार्न का फोन रिसीव किया और फिर आधे घंटे तक बिजनेस संबंधी वार्ता करती रही। फोन सुनने के पश्चात हेल्गा ने सारी बात ग्रेनविल को कह सुनाई। ग्रेनविल हां में हां मिलाता रहा था। अंत में जब हेल्गा ने उसकी राय पूछी थी, तो वह हेल्गा का मुंह ताकने लगा था तथा अपनी अनभिज्ञता छिपाने के लिये यह बहाना बना दिया था कि जब तक मैं पूरे कागजात न देख लूं, मैं कोई राय नहीं दूंगा। हेल्गा यह सुनकर बहुत निराश हुई थी, किन्तु उसने उसी क्षण विनबार्न की सैक्रेटरी को फोन पर यह आदेश दिये थे कि वह

कागजात विमान द्वारा यहां भिजवा दिये जायें।

तत्पश्चात हेल्गा एवं ग्रेनविल घूमने के लिये बाहर चले गये थे। देर गये जब वे वापस लौटे थे, तो हिकल अभी भी उनका इंतजार कर रहा था। हेल्गा को यह बात अच्छी नहीं लगी थी कि हिकल हर समय उनकी चौकीदारी करता रहता है। सो उसने हिकल को यह हिदायत कर दी-"तुम हमारा इंतजार मत किया करो। तुम्हें टी.वी. देखना अच्छा लगता है, सो तुम टी.वी. देखा करो। मुझे किसी चीज की जरूरत महसूस होगी, तो तुम्हें बुला लिया करूंगी।"

"जैसे आपका हुक्म मैडम।" हिकल ने कहा था और वहां से चला गया था।

तत्पश्चात हेल्गा और ग्रेनविल बेडरूम में चले गये थे, और काफी देर तक यौनाचार करने के पश्चात एक-दूसरे की बगल में सो गये थे।

ग्रेनविल अब हेल्गा से ऊब चुका था। वह जब कभी भी किसी प्रौढ□ा से पीछा छुड□ाना चाहता, तो उसके साथ अपना आजमाया हुआ दांव खेलता था जो हमेशा कामयाब रहता था।

सो अगली सुबह जब ग्रेनविल की आंख खुली, तो हेल्गा अभी सो रही थी।

ग्रेनविल ने अपना हाथ माथे पर रखा और कराहने लगा। उसकी क्षण हेल्गा की आंख खुल गई और वह व्याकुलता से ग्रेनविल की ओर देखने लगी।

"खैर तो है क्रिस? तुम कराह क्यों रहे हो?

"मुझे आधासीसी का दौरा पड□ गया है। अब यह तीन दिन तक यूं ही चलेगा।"

"मैं अभी डॉक्टर को बुलाती हूं।"

"डॉक्टर को बुलाने का कोई फायदा नहीं। आधासीसी का कोई इलाज नहीं होता। तीन दिन बाद अपने आप ठीक हो जायेगा। बोलने पर भी दर्द होता है। तुम मुझे बुलाओ मत और मुझे चुपचाप लेटा रहने दो।"

हेल्गा बेचारी बाहर टैरेस में चली आई जहां पर हिकल क्यारियां ठीक कर रहा था।

"आज आप बहुत जल्दी उठ गई हैं, मैडम। आपकी तबीयत तो नासाज नहीं?"

"मैं तो ठीक हूं हिकल लेकिन मिस्टर ग्रेनविल को आधासीसी का दर्द शुरू हो गया है।"

"आधासीसी का दर्द बहुत तेज होता है।" हिकल ने सपाट लहजे में कहा, "आपके लिये कॉफ□ी यहीं ले आऊं?"

"हां।" हेल्गा ने जवाब दिया।

हिकल जब काफी ले आया, तो हेल्गा ने कहा, "मैं तुमसे कुछ बात करना चाहती हूं हिकल।"

"मैं हाजिर हूं, मैडम।"

"बात यह है हिकल कि मैंने मिस्टर ग्रेनविल से विवाह करने का फैसला कर लिया है। मुझे चूंकि तुम्हारी वफादारी पर पूर्ण विश्वास है, अत: मैं तुमसे यह जानना चाहती हूं कि तुम्हारी क्या राय है।"

"मेरी कोई राय नहीं मैडम। यह तो आपकी खुशी की बात है।" हिकल ने भावशून्य स्वर में कहा।

हिकल के स्वाभाव से हेल्गा भली-भांति परिचित थी कि जब वह किसी व्यक्ति को नापसंद करता है, तो उसके प्रति शीत रवैया अपना लेता है और जब उससे पूछा जाता है, तो उस व्यक्ति के बारे में अनिश्चित सा उत्तर देता है। हेल्गा को भली-भांति स्मरण था कि जब उसने हरमन के साथ विवाह किया था तो हिकल ने उसका मौन विरोध किया था। लेकिन बाद में जब हेल्गा मुश्किल में फंसी थी, तो हिकल ने पूर्ण वफादारी का सबूत देकर उसकी सहायता की थी। वह सोचने लगी-मैं क्रिस से कहूंगी कि वह हिकल को खुश रखा करे...यह अपने आप लाइन पर आ जायेगा।

तत्पश्चात हेल्गा पंजों के बल चलती हुई अपने बेडरूम की ओर गई, जहां पर ग्रेनविल आराम कर रहा था। धीरे से दरवाजा खोलकर अंदर झांककर देखा तो वह सिगरेट पीने के लिये उत्कंठित हो रहा था, और उसने पैकेट से सिगरेट निकालने के लिये हाथ बढ□ाया ही था कि दरवाजा खुलने की आवाज सुनकर अपना हाथ वापस खींच लिया, और माथे पर रखकर कराहने का अभिनय करने लगा।

हेल्गा कुछ क्षणों तक ध्यानपूर्वक उसकी ओर देखती रही थी, और फिर बड□ी धीरे से दरवाजा बन्द करके वापस लौट गई थी।

ग्रेनविल सोचने लगा-क्या अजीब औरत है एक क्षण के लिये भी पीछा नहीं छोड□ती। खैर, जब तक आरशर मेरा अपहरण नहीं करवा देता, तब तक तो मुझे यह ढोंग करना ही पड□ेगा। आज पहली बार वह अपने अपहरण के बारे में गंभीरता से सोच रहा था। हेल्गा के बारे में वह बहुत असहज अनुभव करता था...यह औरत तानाशाह किस्म की औरत है। यदि इसे कहीं संदेह हो गया कि इसे ठगने की कोशिश की जा रही है, तो न जाने यह क्या रुख अपना ले। खैर, जो कुछ भी है। दस लाख हासिल करने के लिये कुछ न कुछ जोखिम तो उठाना ही पड□ता है। यह पैसा मिलते ही मैं वेस्टइंडीज चला जाऊंगा, और जब यह बात कुछ ठंडी पड□ जायेगी तो यूरोप वापिस लौट आऊंगा।

इसके साथ ही एक विचार उसके मन में आया और वह भय के कसाव में आ गया-मैं आरशर को बिल्कुल नहीं जानता-उसकी एवं मेरी मुलाकात बिलकुल संयोगिक थी। वह एक अंतर्राष्ट्रीय वकील न होकर कोई चार सौ बीस हो। इसमें तो कोई संदेह नहीं कि वह हेल्गा को जानता है। लेकिन मेरे अपहरण का सारा फिरौती धन उसके हाथ में आयेगा। और पैसा मिलने के बाद यदि वह गायब हो गया, तो मैं उसे कहां ढूंढने जाऊंगा।

वहीं अंधेरे में लेटे-लेटे ग्रेनविल इस समस्या पर गौर करने लगा।

* * *

दोपहर दो बजे जब मैक्स सेजेटी और जैक्रास बेलमान्ट फोक्स वैगन में होटल स्विस के बाहर पहुंचे, तो आरशर होटल का भुगतान करके किराये की मर्सिडीज में उनकी राह देख रहा था। सेजेटी एवं बेलमान्ट की कार देखते ही आरशर ने उन दोनों को अपने पीछे-पीछे आने को कहा। थोड□ी देर पश्चात ये दोनों कारें पैराडिसो में उस विला के बाहर पहुंच गईं, जो आरशर ने किराये पर लिया था। वहां पहुंचने के पश्चात आरशर-सेजेटी एवं बेलमान्ट को विला के अन्दर ले गया और उनको बैठने

को कहा।

"कोई समस्या तो नहीं हुई" आरशर ने इटेलियन भाषा में पूछा।

"ना।" सेजेटी ने सस्मित उत्तर दिया।

"तुम सर पर पहनने के लिये टोप और बन्दूकें लाये हो?"

"हां।" सेजेटी ने बताया।

आरशर कमरे में टहलने लगा।

"वह काम आज रात ग्यारह बजे करना होगा। तुम दोनों को विला जाना होगा। वहां का प्रवेश द्वार खुला मिलेगा। तुम धड□ाके से अन्दर जाओगे और वहां पर मौजूद आदमी एवं औरत को आतंकित करके आदमी को अपनी कार में बिठाकर यहां ले आओगे। फिर मैं तुम्हारा भुगतान कर दूंगा और तुम यहां से वापस चले जाओगे।"

यह सुनकर सेजेटी ने सकारात्मक सिर हिला दिया था, जबकि बेलमान्ट चुपचाप बैठा गलीचे की ओर देखता रहा था।

"वह विला कहां पर है?" सेजेटी ने पूछा।

"मैं थोड□ी देर में तुम दोनों को वह विला दिखाने ले चलूंगा।" आरशर ने कहा, "वहां पर एक नौकर है। वह शायद कोई मुश्किल खड□ी करने का प्रयास करे। उस सूरत में तुममें से एक को उसका ध्यान रखना पड□ेगा। लेकिन एक बात याद रहे...तुम उसके साथ हिंसा पर उतारू नहीं होओगे।"

बेलमान्ट जिसने अब तक एक शब्द नहीं कहा था, बोला, "उसे मैं निपट लूंगा।"

बेलमान्ट ने जब यह कहा था, तो उसके चेहरे पर एक शैतानी मुस्कराहट नाच रही थी जिसे देखकर आरशर चौंक-सा गया था।

"मैं एक बार फिर कह दूं कि तुम लोग वहां पर किसी प्रकार की हिंसा नहीं करोगे।" आरशर ने एक-एक शब्द पर बल देकर सेजेटी से कहा, "यह बात अपने दिमाग में बिठा लो। मैं हिंसा की जगह अपहरण की असफलता पसंद करूंगा।"

"आप निश्चिन्त रहिये-हम वैसा ही करेंगे जैसा आप चाहते हैं।"

"अब मैं तुम्हें विला के नक्शे से समझाता हूं कि वह आदमी एवं औरत कौन से कमरे में होंगे।" कहकर आरशर ने अपनी जेब से विला का नक्शा निकाला और उन दोनों को समझाने लगा।

"समझ गये?" आरशर ने आखिर में पूछा।

"बिलकुल।" सेजेटी ने उत्तर दिया।

तब आरशर ने अपनी जेब से एक कागज निकाला।

"इस कागज पर मैंने कुछ वाक्य लिखे हैं। तुम उनको कंठस्थ कर लो। विला पहुंचकर जब तुम उस आदमी और औरत को आतंकित करोगे, तो यही वाक्य उनके सामने दोहराओगे।"

"यह काम बेलमान्ट कर सकता।" सेजेटी ने कहा, और वह कागज सेजेटी के हाथ से लेकर बेलमान्ट के हाथ में दे दिया।

"कौन-सा तुम करोगे और कौन-सा बेलमान्ट, उससे मेरा कोई संबंध नहीं। मुझे संबंध मात्र इससे है कि मेरा काम पूरा होना चाहिए।"

"उस बात से आप निश्चिंत रहिये।" सेजेटी ने आश्वासन दिया।

"तो चलो, अब मैं तुम दोनों को विला दिखा लाऊं।"

तब आरशर सेजेटी एवं बेलमान्ट को विला दिखाने ले गया।

जब वे वापस लौट रहे थे, तो आरशर ने कहा, "अभी अपहरण को आठ घंटे पड□ हैं। तब तक तुम मेरे साथ रहना चाहोगे, या कुछ और करना चाहोगे?"

"हम यहां पहली बार आये हैं, सो यह शहर देखना चाहिये। आप हमें पैरॉडिसो में अपने विला उतार देना वहां हम अपनी कार में घूम चले जायेंगे, और रात सवा दस बजे आपके पास पहुंच जायेंगे।"

पैरॉडिसी विला पहुंचकर आरशर ने सेजेटी एवं बेलमान्ट को बाहर उतार दिया और अन्दर बेडरूम में आकर टांगें फैला कर बिस्तरे पर लेट गया। हेल्गा से बदला लेने के लिये उसे बहुत लंबा इंतजार करना पड□ा था और अब उसकी कामना पूरी होने में चंद ही घंटे बाकी थे।

'दस लाख'-आरशर सोचने लगा, यह रकम हाथ लगते ही मैं न्यूयार्क जाकर टैक्स कर परामर्शदाता का काम आरंभ कर दूंगा। एक बार पैसा मेरे हाथ आ जाये फिर यह हेल्गा रांड मेरा कुछ भी नहीं बिगाड□ पायेगी। अपनी रुसवाई से बचने के लिये जैसे हरमन रोल्फ ने मेरे खिलाफ गबन का मुकदमा नहीं चलाया था कि कहीं मैं वह भेद न खोल दूं कि किसी समय हेल्गा के साथ मेरे अनुचित संबंध थे, उसी प्रकार हेल्गा भी अपनी पर्दापोशी करने के लिये कि एक जाईगोलो ने मेरा उल्लू बनाकर मुझे ठगा है, अपने मुंह से उफ तक नहीं करेगी। सो आरशर हेल्गा की ओर से सर्वथा अचिंतित था किन्तु सेजेटी और बेलमान्ट की ओर से उसे चिन्ता हो रही थी। ये दोनों उसे दुष्ट से लगे थे, विशेषकर बेलमान्ट। और इस समय यदि आरशर ने उन दोनों को अपनी कार पोस्ट ऑफिस के बाहर खड□ करते हुये देख लिया होता, तो वह और चिंतित हो गया होता।

कार पोस्ट ऑफिस के बाहर पार्क करके सेजेटी सीधा एक फोन बूथ के अन्दर गया था, और बूथ को भीतर से सिटकिनी लगाकर जनेवा में बर्नी का नम्बर डायल किया था। बर्नी ने पूरी बात सुनने के बाद कहा था, "तुम दो घंटे बाद मुझे दोबारा फोन करना, मैक्स।" और इतना कहकर फोन बन्द कर दिया था।

बर्नी के स्विट्जरलैंड में कई सम्पर्क थे। उनमें से एक लुगानो में था। उसका नाम था लकी वेलिनी। बर्नी ने उसका नम्बर डायल किया।

"लकी," बर्नी ने कहा, "मुझे एक सूचना चाहिये।"

"क्या सूचना चाहिये?" लकी ने दूसरी ओर से पूछा।

"केस्टगनोला पर हिलायस विला में कौन रहता है और वह किसका है?"

“हिलायस विला?” लकी ने चौंककर कहा, “वह विला हरमन रोल्फ का है। वह मर चुका है और अब उसकी पत्नी उसकी मालिक है। वह कभी-कभार यहां आती रहती है तथा आजकल यहीं पर है।”

बर्नी की खीसें निकल आईं।

“तुम घर पर रुकना लकी। मैं शाम को वहीं पहुंच रहा हूं।” कहकर बर्नी ने फोन बन्द कर दिया।

तब बर्नी ने एयरपोर्ट पर फोन करके अपने लिए एक एयर टैक्सी बुक करवाई।

दो घंटे पश्चात जब सेजेटी का फोन आया, तो बर्नी ने उससे कहा कि मैं तुम्हारे पास पहुंच रहा हूं।

“तुम वैसे करो जैसे आरशर कहता है, और उस आदमी का विला से वहां ले आओ। इससे आगे मैं निपटूंगा।”

“तुम हमें कहां पर मिलोगे?” सेजेटी ने पूछा।

“मैं तुम्हें छः बजे एयरपोर्ट पर मिलूंगा। तुम ऐसा करना कि एयरपोर्ट पर पहुंच जाना।”

“पहुंच जाऊंगा।” सेजेटी ने कहा, और फोन बन्द कर दिया।

* * *

दोपहर को भूख लगने के कारण ग्रेनविल टैरेस पर चला आया, जहां पर हेल्गा फाईलें देखने में व्यस्त थी। ग्रेनविल को देखकर हेल्गा के चेहरे पर रौनक आ गई।

“अब तुम्हारी तबीयत कैसी है, डार्लिंग?’’

“अब तो कुछ ठीक है।” ग्रेनविल ने अपनी आवाज में कमजोरी पैदा करके कहा, “जरा कॉफ□ी पीने का मन कर रहा है।”

“लो अभी लो।” कहकर हेल्गा ने घंटी बजाई।

उसी क्षण हिकल वहां पहुंच गया और हेल्गा ने उसे ग्रेनविल के लिये कॉफी लाने को कहा।

थोड□ी देर पश्चात जब हिकल कॉफी देकर चला गया, तो ग्रेनविल ने हेल्गा से कहा, “तुम तो जब देखो काम में डूबी रहती हो।”

“जब इतने बड□े कारपोरेशन को बोझ कंधों पर हो, तो काम करना ही पड□ता है। थोड□े दिनों बाद जब तुम मेरे जीवन साथी बन जाओगे, मेरा बोझ अपने आप हल्का हो जायेगा।”

“हां।” क्रिस ने जवाब दिया, और मन ही मन में सोचने लगा-‘अब मेरी मुक्ति के कुछ ही घंटे बाकी हैं।’

“क्रिस, मैं तुमसे एक बात कहना चाहती हूं कि तुम हिकल के साथ स्नेह से पेश आया करो। वह हमारे विवाह को सख्त नापसंद करता है।”

“तुम एक नौकर की पसंद और नापसंद को इतना महत्त्व देती हो।”

यह सुनकर हेल्गा कसाव में आ गई।

“देखो क्रिस, तुम्हें छोड□कर हिकल मेरे लिये सबसे ज्यादा महत्त्व रखता है। वह एक वफादार, मेहरबान और निहायत भरोसेमंद आदमी है। इसके अलावा मेरी मुश्किलों में उसने मेरी बहुत सहायता की है। मैं तुम्हें स्पष्ट कर दूं कि तुम्हें उसके साथ बनाकर रखनी पड□ेगी।”

“जैसे तुम कहोगी।” ग्रेनविल ने उसकी हां में हां मिलाई।

कुछ देर पश्चात क्रिस अपने कमरे में चला आया और हेल्गा अपने काम में ऐसी रत हुई कि उसे रात ढलने का पता नहीं चला।

तब क्रिस टैरेस में आया, और हेल्गा अपनी फाइलें को एक तरफ रखकर उसे बातें करने लगी।

फिर उन दोनों ने वहीं टैरेस पर इकट्ठे डिनर किया।

डिनर के बाद क्रिस ने हेल्गा से कहा, “अब तुम हिकल को उसके कमरे में भेज दो फिर निश्चिंत होकर बेडरूम में बैठेंगे।”

सो हेल्गा ने हिकल को बाहर का दरवाजा बन्द करके अपने कमरे में जाने को कहा, और क्रिस को अपने बेडरूम में ले गई।

क्रिस ने बेडरूम का टी.वी. चला दिया। उस समय टी.वी. पर एक बहुत रोचक नाटक आ रहा था। हेल्गा उस नाटक को देखने में मग्न हो गई। फिर क्रिस बाथरूम जाने के बहाने से कमरे से बाहर आया और प्रवेश द्वार के पास जाकर चिटकनी हटा दी। तब वह बाथरूम में गया और फ्लश बहाई। और बेडरूम में आकर हेल्गा के पास बैठ गया। ऐन जब घड□ी की सुई ने ग्यारह का स्पर्श किया, तो प्रवेश द्वार धड□ाम से खुला तथा दो आदमी सिरों पर टोप पहने और हाथों में बन्दूकें पकड□े बेडरूम के अन्दर घुस गये।

* * *

आरशर अपने किराये के विला में प्रवेश द्वार पर खड□ा था और बार-बार अपनी घड□ी की ओर देख रहा था। हर बीतते क्षण के साथ उसकी व्याकुलता बढ□ती जा रही थी। कोई साढ□े ग्यारह बजे के करीब जब उसे मर्सिडीज विला के बाहर खड□ी होती दिखाई दी, तो उसकी जान में जान आई।

सबसे पहले ग्रेनविल मर्सिडीज से नीचे उतरा था, और लंबे-लंबे डग भरता हुआ विला के अन्दर चला आया था।

“कोई तकलीफ तो नहीं हुई?” आरशर ने पूछा। “कोई तकलीफ नहीं हुई। एकदम परफैक्ट काम हुआ है।”

“अभी आराम से बात करते हैं।” कहकर आरशर सेजेटी और बेलमान्ट के पास आया, और उनका भुगतान करके वहां से चलता कर दिया।

तब आरशर ने अलमारी के पास आकर व्हिस्की की बोतल निकाली और दो गिलासों में डालकर

ग्रेनविल के सामने आकर बैठ गया।

"अब तुम मुझे पूरा किस्सा सुनाओ।" आरशर ने कहा।

ग्रेनविल ने अपने गिलास से दो-तीन चुसकियां लेकर गिलास एक तरफ रख दिया।

"मैंने नौ बजे ही हेल्गा से कहकर हिकल को चलता करवा दिया था और हेल्गा के साथ बेडरूम में आ गया था। संयोग से उस समय टी.वी. पर एक बहुत रोचक नाटक प्रसारित हो रहा था। हेल्गा उसे देखने में मग्न हो गई थी। तब मैं बहाना करके बेडरूम से बाहर आया था और प्रवेश द्वार की चिटकनी खोल दी थी। ऐन ग्यारह बजे ये दोनों आदमी वहां पहुंचे थे, और मुझे एवं हेल्गा को धमकाने लगे थे। उन्होंने हेल्गा से कहा था कि यदि तुम इस (यानी मेरी) आदमी की खैर चाहती हो तो पुलिस को सूचित करने का प्रयास मत करना। कल तक तुम्हें सूचना मिल जायेगी कि इस आदमी की रिहाई के लिये तुम्हें कितना (फिरौती) धन देना होगा।

हेल्गा यह सुनकर पत्थर की मूर्ति की तरह स्तब्ध हर गई थी। फिर वे मुझे कार में बिठाकर यहां ले आये। सो इस प्रकार अब मैं तुम्हारे सामने बैठा हूं। मुझे ऐसा महसूस हो रहा है मानों कैद से छूटकर आया होऊं। वह औरत तो निरी तानाशाह है।"

"तुम यह सब छोड□ी और मुझे यह बताओ कि हेल्गा वाकई तुम पर रीझी हुई है?" आरशर ने कहा, "इस बारे में निश्चिंत होना बहुत जरूरी है...क्योंकि यदि वह तुम पर रीझी हुई नहीं है तो पुलिस को रिपोर्ट कर देगी।"

इस बात से आरशर एवं ग्रेनविल दोनों अनभिज्ञ थे कि सेजेटी ने कुछ आगे जाकर अपनी फोक्स वैगन रोक दी थी, और बेलमान्ट बर्नी के आदेशानुसार कार से उतर कर विला वापिस लौट आया था और चोरी छिपे रसोई में जाकर अधखुले दरवाजे के साथ कान लगाकर आरशर एवं ग्रेनविल की बातचीत सुनने लगा था। बेलमान्ट ने आरशर की यह बात सुन ली थी-कि हेल्गा वाकई तुम पर रीझी हुई है?

इसके उत्तर में ग्रेनविल ने कहा था "रीझी हुई? वह तो मेरे हाथों बिक चुकी है। जब मेरा अपहरण किया जा रहा था तो उसकी शक्ल देखते बनती थी। उसके मुखमण्डल से ऐसा लगता था, मानो उसका सब कुछ लुट गया हो।"

"गुड! एक्सीलेन्ट।" आरशर ने सहर्ष कहा, "अब हम अपने लक्ष्य के नजदीक पहुंच चुके हैं। कल मैं हेल्गा से मिलने जाऊंगा। इस मुलाकात के लिये मैंने कितने दिन इंतजार किया है, यह मैं जानता हूं।"

"मैं तुमसे एक बात कहना चाहता हूं, जैक।" ग्रेनविल ने जरा रुककर कहा।

"कहो।"

"बात यह है जैक कि बीस लाख बहुत बड□ी रकम होती है। इतनी रकम के लालच में किसी का दिल भी फिर सकता है।" ग्रेनविल ने सीधे आरशर की आंखों में देखते हुये कहा "तुमने यह कहा कि यह पैसा स्विस अकाउंट में जमा करा दिया जायेगा। मेरे पास क्या गारंटी है कि मुझे अपना हिस्सा मिलेगा।"

आरशर यह सुनकर हक्का-बक्का रह गया-और सोचने लगा, क्या मैं इतना गया बीता लगने लगा हूं कि दो कौड़ी के एक जाईगोलो को मेरी बात पर विश्वास नहीं।

"तुम्हें पूरा हिस्सा मिलेगा," आरशर ने तनिक रोष से कहा, "हम इसमें आधे-आधे के साझेदार है।"

''वह तो तुम ठीक कहते हो। ग्रेनविल ने कहा, "लेकिन मेरे पास क्या गारंटी है कि मुझे अपना हिस्सा मिलेगा। मुझे गारंटी चाहिये।"

"तुम्हारी बातों से साफ जाहिर है कि तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है।" आरशर ने कटुता से कहा।

इसमें बुरा मानने की कोई बात नहीं जैक। जहां पर इतनी बड़ी रकम का सवाल होगा, मैं किसी पर भी विश्वास नहीं करूंगा। मेरे विचार में तुम भी ऐसा ही करोगे। आज से हम दोनों हरदम इकट्ठे रहेंगे। हम आज ही बैंक जाकर साझा खाता खोलेंगे। जब तुम्हें पैसा मिल जायेगा, तो मैं अपना हिस्सा खुद निकाल लूंगा।

"अगर तुम ऐसा चाहते हो, तो ऐसा कर लेते हैं।" आरशर ने कहा।

"हां, मैं ऐसा ही चाहता हूं।" ग्रेनविल ने उत्तर दिया।

"मुझे मंजूर है।" आरशर ने कहा, "अब तुम ध्यान से मेरी बात सुनो। बीस लाख किसी के पास नगद नहीं रखा होता। एकदम से इतने पैसे का प्रबंध करने के लिये हेल्गा को अपने स्टाक बेचने पड़ेंगे, और मैं उसे तीसरे से चौथे दिन की मोहलत नहीं दूंगा। इस दौरान हम यहीं ठहरेंगे, और तुम बिलकुल बाहर नहीं जाओगे। मैंने तुम्हारे खाने-पीने के लिये हर चीज का प्रबंध कर रखा है।"

"उसकी तुम चिंता मत करो।" ग्रेनविल ने गिलास की व्हिस्की खत्म करके कहा।

"अब मैं जरा एक जरूरी काम की ओर देख लूं।" आरशर ने कहा, और अलमारी खोलकर दराज में से एक पोलरायड कैमरा निकाला, "यह मैं रास्ते से लेता आया था।"

"क्यों?" ग्रेनविल ने साश्चर्य पूछा।

"सबूत छोड़ने के लिये।" आरशर ने बताया, और तब दूसरे दराज से टमाटर की चटनी की एक बोतल निकाली।

"हे ईश्वर! तुम पागल हो गये हो क्या?"

"मैं पागल नहीं हूं क्रिस। यह टमाटर की चटनी की बोतल बीस लाख की है...इसी की वजह से हमें इतनी रकम मिलेगी?"

"वह कैसे?'' ग्रेनविल ने पूछा। उसे कुछ समझ ही नहीं लग रही थी कि आरशर क्या बहकी-बहकी बातें कर रहा है।

इस बीच बेलमान्ट रसोई के दरवाजे से लॉबी में सरक आया और बैठक में झांकने लगा था।

"बीस लाख हासिल करने के लिये कुछ न कुछ पापड़ बेलने ही पड़ते हैं।" आरशर ने कहा, "अब तुम थोड़ी-सी चटनी अपने चेहरे पर लगाने दो। तत्पश्चात तुम फर्श पर लेट जाना। फिर मैं पोलरायड कैमरे से तुम्हारी फोटो खींचूंगा। हेल्गा जब यह फोटो देखेगी तो फौरन रकम देने के लिये तैयार हो जायेगी। मैं हेल्गा को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। हिंसा के नाम पर उसके रोंगटे खड़

हो जाते हैं।”

ग्रेनविल अपना सर पीछे झटक कर जोर-जोर से हंसने लगा। “क्या दिमाग पाया है तुमने? तो लगाओ फिर मेरे चेहरे पर टमाटर की चटनी।”

बेलमान्ट को लगा कि उसे काफी जानकारी मिल गई है। वह जिस भांति छिपकर विला के भीतर घुसा था, उसी प्रकार बाहर निकल आया। थोड□ी ही फासले पर सेजेटी फोक्स वैगन में बेलमान्ट की प्रतीक्षा कर रहा था। बेलमान्ट के कार में सवार होते ही सेजेटी ने कार आगे बढ□ा दी।

* * *

लकी बैलिनी एक इटेलियन था। उसका एक छोटा-सा ढाबा था, जहां पर वह अनेक प्रकार का स्वादिष्ट इटलियन भोजन अपने ग्राहकों के लिये तैयार करता था। ढाबे के ऊपर ही उसका निवास स्थान था। लकी के आठ लड□के थे, जो बड□े होकर अपने धंधों में लग कर उससे अलग हो चुके थे। लकी की पत्नी का नाम मार्टिया था जो बहुत ही मोटी थी, लेकिन बिलकुल पतिव्रता थी। लगभग पंद्रह वर्ष पूर्व लकी नेपल्ज में एक माफिया डॉन हुआ करता था। अब उसकी आयु चौहत्तर वर्ष की हो चुकी थी। और वह माफिया धंधे से रिटायर हो चुका था, किन्तु सच कहा है, माफिया सदा माफिया रहता है। लकी भली-भांति जानता था कि बर्नी के नेपल्ज वालों के साथ बड□े ठोस सम्पर्क हैं।

इस समय बर्नी एवं लकी ढाबे के पिछले कमरे में बैठे थे।

“तुम मुझे इस रोल्फ औरत के बारे में बताओ।” बर्नी ने अपनी घड□ी की ओर देखते हुये कहा, “अब ग्यारह बज रहे हैं-तथा सेजेटी एवं बेलमान्ट अपना काम करने वाले होंगे। मुझे उस औरत में बहुत दिलचस्पी है।”

लकी, जिसे शहर की सारी खबर रहती थी, ने बर्नी को हेल्गा रोल्फ के बारे में बताया कि हेल्गा-भूतपूर्व मिसेज हरमन रोल्फ है और उसने अपने पति की समस्त सम्पत्ति उत्तराधिकार में पाई है। और रोल्फ इलैक्ट्रॉनिक कारपोरेशन की मालिक है। उसकी निजी सम्पत्ति ही अस्सी करोड□ के लगभग है। वह परले दर्जे की विलासिनी है और यहां तक कि होटल वेटरों, बारमैनों के साथ तक रमण करने से संकोच नहीं करती थी।

“लेकिन अब जब से हरमन रोल्फ की मृत्यु हुई है, वह कुछ विवेकी हो गई है। आजकल वह क्रिस्टोफर ग्रेनविल नाम व्यक्ति पर रीझी हुई है और उसे हेल्गा ने अपने विला में रखा हुआ है।”

“यह ग्रेनविल कौन टुच्चा है?” बर्नी ने पूछा।

“ग्रेनविल एक अंग्रेज है। देखने में बहुत अमीर लगता है लेकिन मुझे उसकी अमीरी एक ढोंग लगती है। मुझे उसके बारे में कोई जानकारी नहीं सिवाय इसके कि वह कुछ समय तक जर्मनी में रह चुका है।”

“तुम जैक आरशर के बारे में कुछ जानते हो?” बर्नी ने पूछा।

लकी ने सकारात्मक सिर हिला दिया।

"वह रोल्फ की देखरेख किया करता है। मैंने सुना है कि वह एक टैक्स कर परामर्शदाता है। रोल्फ के जीवित होते वह प्राय: यहां आया करता था, और उसके विला में ही ठहरा करता था। फिर कहते हैं कि उसने रोल्फ के पैसे का गबन किया था और बवन्डर में पड□ गया था-लेकिन मैं इस बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं जानता। सुनने में तो यह भी आया है कि रोल्फ की पत्नी के साथ उसके प्रेम संबंध थे लेकिन यह सच है या झूठ, यह ईश्वर ही जानता है।"

बर्नी ने इस बात पर गौर करते हुए सकारात्मक सिर हिला दिया।

"अब तुम आराम करो लकी। बात यह है कि मैं एक खिचड□ी पका रहा हूं। जब वह पक जायेगी, तो उसमें से कुछ तुम्हें भी मिलेगी।"

लकी खीसें काढ□ कर मुस्कराने लगा।

"मेरे दो एक मित्र मेरे साथ हैं। तुम्हें कोई आपत्ति तो नहीं यदि वह मेरे साथ यहीं ठहर जायें।"

"तुम इसे अपना घर समझो बर्नी।" लकी ने कहा, "लेकिन उन्हें जमीन पर ही सोना पड□ेगा। मेरे पास और चारपाईंयाँ नहीं हैं।"

"उसकी तुम चिंता मत करो, वे जमीन पर ही सो जायेंगे।"

तब लकी ऊपर अपनी पत्नी के पास चला आया और सारी बात उसे बताने लगा।

इस बीच सेजेटी एवं बेलमान्ट नीचे बर्नी के पास पहुंच गये और ग्रेनविल के अपहरण का कथन उसे लफ्ज-बालफ्ज कह सुनाया। तत्पश्चात बेलमान्ट ने बर्नी को वह बातें बताईं जो उसने आरशर एवं ग्रेनविल के बीच होते हुए सुनी थीं।

"वे दोनों उस औरत को बीस लाख का चूना लगाना चाहते हैं," बेलमान्ट ने कहा, "सोचो तो।"

बर्नी ने उपहासक मुस्कान के साथ कहा, "वे अभी बच्चे हैं। वह औरत ज्यादा नहीं तो कम से कम साठ करोड□ की आसामी है। कुछ दिन पहले हमारे आदमियों ने रोम में सत्तर लाख का अपहरण किया था। हम इस कार्य को इस ढंग से करेंगे...।"

फिर आधे घंटे तक बर्नी उनको बताता रहा, "अब समझ में आया?"

"बहुत अच्छी तरह से।" सेजेटी ने कहा, "एक बात बताओ-इसमें हमारा हिस्सा कितना होगा?"

"इस बारे में बाद में बात करेंगे।" बर्नी ने कहा, "अब आराम कर लें।"

* * *

धीरे-धीरे से जब हेल्गा की नींद खुली, तो कुछ देर तक वह भावशून्यता की अवस्था में ज्यों की त्यों बिस्तरे पर लेटी रही। तनिक देर पश्चात् जब उसने अपना हाथ बढ□ाकर ग्रेनविल का हाथ अपने हाथ में लेना चाहा, तो उसे अपनी बगल में न लेटा पाकर उसे सारा वाकिया याद आ गया।

गत रात ग्रेनविल के अपहरण के पश्चात वह जोर-जोर से चीखने-चिल्लाने लगी थी। तब उसे बेकाबू देखकर हिकल ने पानी के एक गिलास में नींद की चार गोलियां घोलकर उसे पिला दी थीं।

कुछ देर बाद वह शांत हो गई थी, और गहरी नींद सो गई थी। इस समय पिछली रात की घटना स्मरण होते ही वह बेकरार हो गई।

इसी समय हिकल कॉफी लेकर वहां पहुंच गया।

“हिकल, मैं तुम्हारी बहुत ही आभारी हूं। कल रात यदि तुम यहां न होते, तो मैंने न जाने अपने साथ क्या कर लिया होता। क्रिस के साथ पता नहीं क्या बीत रही होगी।”

“आप धीरज धरिये मैडम।” हिकल ने उसे सांत्वना दी-“मिस्टर ग्रेनविल भले-चंगे वापस आ जायेंगे। ऐसी घटनायें तो आजकल आये दिन घटती रहती हैं।”

“ईश्वर करे वे क्रिस को मुझे वापस लौटा दें।”

“मैं आपके लिये हमाम तैयार कर देता हूं मैडम। आप नहा धो लीजिये। आज का दिन आपके लिये बहुत कठिन हो सकता है तथा जब एक औरत कठिनाई से दो चार हो, तो उसे सामान्य दिनों की तरह व्यवहार करना चाहिये।”

हेल्गा ने बड□ी मुश्किल से अपने आंसुओं पर काबू पाया और बिस्तरे से उठकर बाथरूम जाने की तैयारी करने लगी। स्नान करने के पश्चात जब वह ड्रेसिंग टेबल के सामने बैठी परिसज्जा कर रही थी, तो अपने आपसे कहने लगी-मैं हेल्गा रोल्फ हूं। मुझे क्रिस के साथ प्रेम है। मेरे पास हरमन रोल्फ के पैसे की जादुई चाबी है। मैं क्रिस को हर कीमत पर हासिल करके रहूंगी, चाहे उसे छुड□ाने के लिये मुझे कितना ही पैसा क्यों न देना पड□े।

थोड□ी देर बाद जब वह ड्रेसिंग रूम से बाहर आई, तो हिकल शेकर और गिलास लिये उसकी प्रतीक्षा में खड□ा था।

“आप थोड□ा-सा जलपान कर लीजिये मैडम।”

हेल्गा ने सहमति में सिर हिलाया; और हिकल के हाथ से गिलास लेकर अपनी घड□ी की ओर देखने लगी।

“सवा ग्यारह बज चुके हैं हिकल; और अभी तक उनका (अपहरणकर्ताओं का) कोई संदेश नहीं आया। वह कह गये थे कि हम कल सुबह तुम्हें सूचित कर देंगे कि क्रिस की रिहाई के लिये तुम्हें कितनी फिरौती देनी होगी।”

“वे अवश्य आपको सूचित करेंगे मैडम। यह एक आतंक युद्ध है तथा आपको धीरज धरना चाहिए।”

हेल्गा हाथ में गिलास लिये वहीं बैठ गई।

“मुझे बस यही शंका सता रही है कि अपहरणकर्ता कहीं उसे कोई शारीरिक हानि न पहुंचायें।”

“वे ऐसा नहीं करेंगे मैडम।” हिकल ने सांत्वना दी।

इसी समय प्रवेश द्वार की घंटी बज उठी। घंटी की आवाज सुनते ही हेल्गा के हाथ में पकड□ा गिलास छलक गया तथा उसका चेहरा विवर्ण हो गया।

“आप अपने आपको संयत रखिये मैडम। शायद पोस्टमैन अपहरणकर्ताओं का पत्र लाया हो, मैं

अभी देखकर आता हूं।”

हिकल ने जब दरवाजा खोला, तो चौखट के बाहर आरशर को खड□ा देखकर उसे हैरानी सी हुई किन्तु उसने अपने चेहरे से कुछ व्यक्त नहीं होने दिया।

“कहो हिकल कैसे हो,” आरशर ने सस्मित कहा, “मुझे पहचानते हो न।”

“खूब पहचानता हूं।” हिकल ने संक्षिप्त उत्तर दिया।

“मैं मैडम रोल्फ से मिलने आया हूं।”

“वह इस समय घर पर नहीं हैं।” हिकल ने दृढ□ता से झूठ बोला।

“वह इस समय घर पर ही हैं और मुझसे मिलेंगी। तुम उनसे जाकर कहो कि मैं मिस्टर ग्रेनविल के बारे में बात करने आया हूं।”

कुछ देर तक हिकल एकटक आरशर की ओर देखता रहा जो लगातार मुस्कराये जा रहा था।

“यहीं रुको।” हिकल ने उसके फटीचर कपड□ों को देखते हुये कहा, और दरवाजा बन्द करके अन्दर चला आया।

हेल्गा जो कसाव में टैरेस में खड□ी थी, हिकल को देखकर बोली, “कौन है?”

“मैडम, मिस्टर आरशर आपसे मिलने आये हैं।”

हेल्गा की आंखें रोष से सुलगने लगीं।

“आरशर! उसमें यहां आने का साहस कैसे हुआ? तुम उसे दफा कर दो। मैं उसे अपने घर में पग नहीं धरने दूंगी।”

“आप आरशर से मिल लें तो अच्छा है मैडम। वह मिस्टर ग्रेनविल के बारे में आपस बात करने आया है।”

यह सुनकर हेल्गा ने स्तब्धता के मारे अपनी आंखें बंद कर लीं। फिर उसने अपने आप पर काबू पाकर कहा, “कहीं इस अपहरण के पीछे उसका हाथ तो नहीं?”

“मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता मैडम, किन्तु ऐसा हो सकता है।”

हेल्गा की भीतरी शक्ति प्रबल हो गई। वह अपने कमरे में टहलने के साथ-साथ सोचने लगी-पिछली बार जब आरशर ने मुझे ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था तो मैंने उसे अच्छी तरह से परास्त किया था। अब की बार भी ऐसे ही सही।

“उसे अन्दर भेज दो हिकल। मैं उससे अकेले में बात करूंगी।” यह सुनते ही हिकल ने हाई फाई के पास लगा हुआ बटन दबाया। उसी क्षण प्रवेश द्वार खुला, और आरशर लपकता हुआ अन्दर चला आया।

“ओह हेल्गा, कितने दिनों से तुमसे मिलने की इच्छा हो रही थी,” आरशर ने अपनी गूंजदार आवाज में कहा, “आखिर मुलाकात हो ही गई।”

हिकल धीरे से बाहर चला आया और दरवाजा बन्द कर दिया।

हेल्गा अपनी जगह पर अचल खड़ी थी। उसका सिर जरा पीछे की ओर झुका हुआ था, और वह फौलादी नजरों से आरशर को देख रही थी। तब उसने आरशर को एक नजर ऊपर से नीचे तक देखा था और उसके होंठ कुंचित हो गये थे।

“तुम्हें मुझमें तबदीली नजर आ रही है न।” आरशर ने सस्मित कहा, “मेरा सितारा गर्दिश में था लेकिन अब मेरा भाग्योदय होने वाला है। तुम अब भी पहले जैसी प्रभावशाली लगती हो। तुम्हारी आयु ने तुम पर कोई प्रभाव नहीं डाला। यह सब पैसे का खेल है। तुमने यदि मेरी मुसीबत में मेरा साथ दिया होता, तो मेरे पास भी पैसा होता, और इस समय मैं भी तुम्हारी तरह प्रभावशाली लग रहा होता।”

“तुम यहां क्या करने आये हो?” हेल्गा ने पूछा। उसकी आवाज में पत्थर जैसी सख्ती थी।

“बस यह कह लो तुमसे बदला लेने आया हूं। तुम्हें याद है, आज से दस मास पूर्व तुमने मुझसे यह कहा था कि चारों इक्के मेरे हाथ में हैं। समय-समय की बात होती है। उस समय तुम्हारे हाथ में थे, और आज चारों इक्के मेरे हाथ में हैं।”

हेल्गा ने जब काफी देर तक कोई उत्तर नहीं दिया, और ज्यों की त्यों अपनी जगह पर खड़ी रही, तो आरशर अपनी बात जारी रखते हुये बोला, “मैं कब से इस मौके की ताक में था कि जिस घाट पर तुमने मुझे पानी पिलाया था उसी घाट पर मैं तुम्हें पिलाऊं।”

अनायास हेल्गा को अपने पिता की सीख स्मरण होने लगी कि एक इंसान जब कठिन स्थिति में हो और उसका दुश्मन उसे नीचा दिखाने पर तुला हो, तो ध्यान से उसकी बात सुनो और उसकी कमजोरी का पता लगाओ।

मुझे आरशर की कमजोरी का पता लगाना चाहिये-हेल्गा ने मन ही मन में कहा।

“बात यूं है हेल्गा कि दो दिन पहले एक आदमी ने मुझसे सम्पर्क स्थापित किया था, और मुझसे यह अनुरोध किया था कि मैं उसकी ओर से तुमसे बात करूं। इस प्रतिनिधित्व के वह मुझे दस हजार फ्रैंक्स देगा। तुम जानती हो कि जब से तुमने मेरे पेट पर लात मारी है, तब से मैं तंगी के दौर से गुजर रहा हूं। उसके पश्चात तुम्हारे दिवंगत पति ने मुझे ऐसा बदनाम किया कि लोग मेरी छाया से दूर भागते हैं। यही कारण है कि मुझे ऐसे काम करके अपनी जीविका चलानी पड़ती है। तुमने मेरी मिट्टी पलीद न की होती तो मुझे यह दिन न देखने पड़ते।”

“मैंने तुम्हारी मिट्टी पलीद नहीं की थी,” हेल्गा ने पहली बार बोलते हुये कहा, “तुमने अपने हाथों अपनी मिट्टी पलीद की थी-गबनकार, कूटकार और ब्लैकमेलर बन कर।”

“तुम तो ताने मार रही हो।” आरशर ने कहा।

“तो क्या तुम इस बात से इनकार कर सकते हो कि तुम एक गबकार हो, कूटकार हो, ब्लैकमेलर हो, और अपने बारे में पूरी तरह से जानना चाहो, तो यह भी कह दूं कि परले दर्जे के झूठे और मक्कार हो।”

“खैर छोड़ो पुरानी बातों को,” आरशर ने कहा, “किस्सा यह है कि जिस आदमी ने मुझसे सम्पर्क किया था, यानी जो मेरा क्लाइंट है, वह इस बात से परिचित है कि तुम ग्रेनविल पर रीझी हुई

हो, और तुमने उसे अपने पास रखा हुआ था। वह यह भी जानता है है कि तुम एक बहुत ही दौलतमन्द औरत हो। उसी ने ग्रेनविल का अपहरण करवाया है ताकि तुमसे पैसा ऐंठ सके। वह एक माफिया है और बहुत ही निर्दयी है। उसे न जाने कहां से यह पता लग गया है कि किसी समय मेरे और तुम्हारे बीच गहरे संबंध थे। इसीलिये तुमसे बातचीत करने के लिये मेरा चयन किया है।”

“मैं उस आदमी से खुद बात करूंगी।” हेल्गा ने कहा।

“लेकिन वह तुमसे सीधे बात नहीं करना चाहता। वह मेरे द्वारा ही तुमसे बात करेगा।”

“तो इसका आशय है कि अब तुम गबनकार, कूटकार एवं ब्लैकमेलर होने के साथ-साथ माफिया भी बन गये हो।” हेल्गा ने चोट की।

आरशर कुलबुला उठा।

“मुझ पर चोटें करने से तुम्हारा मतलब हल नहीं होगा। डेढ□ मतलब की बात यह है कि मेरे क्लाइंट ने यह शर्त रखी है कि यदि तुम ग्रेनविल को जीवित वापस चाहती हो तो तीन दिन के अन्दर उसे बीस लाख की फिरौती दे दो। तीन दिन समाप्त होते ही वह चौथे दिन ग्रेनविल का एक कान काटकर तुम्हें भेज देगा।”

यह सुनकर हेल्गा के पैरों तले से जमीन निकल गई। किन्तु उसने अपने चेहरे को भावशून्य बनाये रखा।

“तुम सोचकर मुझे जवाब देना।” कहकर आरशर उठकर बाहर जाने लगा।

“ओह! यह तो मैं भूल ही गया।” कहकर आरशर ने अपनी जेब से एक लिफाफा निकाला और हेल्गा के सामने रख दिया। “मेरे क्लाइंट ने यह लिफाफा तुम्हें देने को कहा था।” कहकर आरशर वहां से चला गया।

हेल्गा ने कांपते हुये हाथों से वह लिफाफा खोला। उसमें तीन तस्वीरें थीं जिन्हें देखकर हेल्गा के रोंगटे खड□ हो गये। उन तस्वीरों में ग्रेनविल जमीन पर पड□ा था तथा उसका चेहरा खूनों-खून हो रहा था। यह दृश्य देखकर हेल्गा की भीतरी शक्ति छिन्न-भिन्न हो गई और वह अपना चेहरा हाथों में छिपा कर सिसकने लगी। उसी समय हिकल वहां पहुंच गया।

“मुझे मालूम था वे दुष्ट क्रिस के साथ ऐसा ही करेंगे।” हेल्गा सिसक कर बोली।

हिकल ने एक नजर तस्वीरों को देखा तथा हेल्गा को सांत्वना देते हुए बोला, “आप अपने आपको काबू में रखिये मैडम।’’

“तुम इन तस्वीरों को तो देखो, उन राक्षसों ने क्रिस के साथ क्या किया है।”

हिकल दोबारा से उन तस्वीरों को देखने लगा। फिर कुछ सोचकर वह एक दराज के पास आया और उसमें से एक आवर्द्धक लेंस निकाल कर उन तस्वीरों पर रखा और उन्हें ध्यान से देखने लगा। तब उसने वह आवर्द्धक लेंस और तस्वीरें एक तरफ रख दीं और हेल्गा को संबोधित करते हुये बोला, “मैडम आप अपने आप पर काबू पायें, तो मैं आपसे एक बात पूछूं।”

“तुम मुझे मेरे हाल पर छोड□ दो और यहां से चले जाओ।”

“मैडम, मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं।”

“क्या बताना चाहते हो?” हेल्गा ने बेसब्री से पूछा।

हिकल ने एक तस्वीर उठाई और हेल्गा की ओर लहरा कर बोला, “मैडम, यह टमाटर की चटनी है।”

“टमाटर की चटनी। यह तुम क्या औल-फौल बोल रहे हो।”

“मैडम, आपके पति मिस्टर रोल्फ के यहां कार्यरत होने से पहले मैं एक फिल्म प्रोड्यूसर के पास नौकरी किया करता था। उससे मैंने मेकअप का आर्ट सीखा था। टमाटर की चटनी शरीर के किसी हिस्से पर लगाकर खून का स्वांग करने के लिये प्रयोग की जाती है।

“तुम कहना क्या चाहते हो?”

“मैं यह कहना चाहता हूं मैडम कि मिस्टर ग्रेनविल को कोई हानि नहीं पहुंची और इन तस्वीरों में ढोंग दिखाया गया है।”

“जो कुछ भी है हिकल-मुझे क्रिस को हर कीमत पर वापस हासिल करना है।”

“मैडम, मैं आपसे एक सवाल करना चाहता हूं।”

“तुम यह आडम्बर क्यों कर रहे हो...कभी कोई बात बताना चाहते हो, कभी एक सवाल करना चाहते हो। मेरी जान पर बनी है, और तुम्हें आडम्बर सूझ रहे हैं।”

हिकल ने हेल्गा की डांट को नजरअंदाज करके कहा, “आपके विचार में वे दो आदमी जिन्होंने मिस्टर ग्रेनविल का अपहरण किया था वह विला के अन्दर कैसे घुसे?”

“तुम अजीब से सवाल करते हो। वे अन्दर आये थे, और उसे यहां से ले गये।”

“मैंने आपसे पूछा है, वे अन्दर कैसे आये थे?” हिकल ने अकड□कर पूछा।

“प्रवेश द्वार से आये थे, और कहां से आ सकते थे।” हेल्गा ने चिढ□कर जवाब दिया।

“लेकिन प्रवेश द्वार तो मैंने खुद अपने हाथ से बन्द किया था, मैडम।”

हेल्गा उसकी ओर देखने लगी।

“मेरी अक्ल कुछ काम नहीं करती हिकल।”

“मैं आपकी मन:स्थिति समझता हूं, मैडम। लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि अपहरणकर्ता प्रवेश द्वार से अन्दर आये थे, और प्रवेश द्वार मैंने अपने हाथ से बन्द किया था। आप मुझे यह बताइये कि आपके साथ अन्दर जाने के बाद मिस्टर ग्रेनविल आपको यहीं कमरे में छोड□कर बाथरूम या बाहर लॉबी में गये थे।”

“हां, क्रिस बाथरूम गया था।”

“तो इसका मतलब है कि उन्होंने ही प्रवेश द्वार खोला होगा।”

“तुम्हारे कहने का आशय है कि मिस्टर ग्रेनविल ने अपना अपहरण खुद करवाया है?’’ हेल्गा

गुस्से से बोली।

“ये तस्वीरें जाली हैं मैडम और इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं कि मिस्टर ग्रेनविल ने ही प्रवेश द्वार खोला। इन लक्षणों से क्या विदित होता है, इसका अंदाजा आप खुद लगा सकती हैं।”

“क्रिस को मेरे साथ प्रेम है। वह कभी ऐसा नहीं कर सकता। मुझे मालूम है, तुम्हें उससे नफरत है। मैं तुम्हारी यह अण्ड-बण्ड बिलकुल नहीं सुनूंगी।”

“मैडम, मैंने मिस्टर आरशर और आपके बीच हुई वार्ता टेपरिकार्ड की है। आरशर की बातों से साफ जाहिर होता है कि यह कोई घोटाला है। मेरा परामर्श यह है कि आपको यह मामला पुलिस के सुपुर्द कर देना चाहिये।”

“पुलिस के सुपुर्द कर देना चाहिये! तुम्हारी मत हर गई है। क्रिस माफिया के कब्जे में है। यदि मैंने पैसा नहीं दिया, तो वे उसका एक कान काट कर मुझे भेज देंगे। मेरे लिये पैसा कोई महत्त्व नहीं रखता। मेरे पास ढेरों पैसा है। मुझे तो क्रिस वापस चाहिये। मैं तुम्हारी कोई बात नहीं सुनना चाहती। तुम्हें मेरे मामलात में दखल देने का कोई अधिकार नहीं…क्रिस बेचारा मुसीबत में फंसा है, और तुम उस पर बेबुनियाद इल्जाम लगा रहे हो कि उसने खुद अपना अपहरण करवाया है।” कहकर हेल्गा ने धड□ाम से दरवाजा बन्द किया, और अपने बेडरूम में चली गई।

हिकल काफी समय तक वहीं टैरेस में खड□ा रहा था, और सोचता रहा था। आखिर उसे एक बात याद आई।

* * *

जैक आरशर हिलायस विला से अपने किराये के विला की ओर वापस जा रहा था। वह इस समय बहुत ही प्रसन्नचित्त था कि मैं हेल्गा को उस बिन्दु पर ले आया हूं जहां मैं उसे लाना चाहता था। पैसा देने के अलावा उसके पास और कोई चारा ही नहीं। परसों तक मेरी जेब में दस लाख होंगे। यह रकम हाथ लगते ही मैं न्यूयार्क रवाना हो जाऊंगा और वहीं बसकर कर परामर्शदाता का काम आरंभ कर दूंगा। मेरी अगली पिछली कसर निकल जायेगी। इन्हीं विचारों से मस्त आरशर अपने विला पहुंच गया। किराये की मर्सीडीज को पार्क किया, और बरामदे की सीढि□यां तय करते हुये वहीं बाहर से आवाज लगाई-

"क्रिस, काम बन गया।"

लेकिन उसे अन्दर से कोई जवाब नहीं मिला।

आरशर के माथे पर बल पड□ गये।

वह दौड□ा-दौड□ा बेडरूम में आया, किन्तु ग्रेनविल बेडरूम में भी नहीं था। तब उसने बाथरूम में झांककर देखा...वह भी खाली था। फिर आरशर ने सारा विला छान मारा, लेकिन ग्रेनविल का नामोनिशान नहीं था।

वह गायब हो चुका था।

* * *

आरशर के रवाना होने के पश्चात ग्रेनविल एक आराममुर्सी पर बैठ गया था, और सिगरेट के कश लेने के साथ सोचने लगा था-अब बस तीन दिन की बात है। फिर मैं दस लाख का मालिक होऊंगा। यह रकम हाथ लगते ही मैं वेस्टइंडीज चला जाऊंगा। कुछ दिन बाद जब यह मामला ठण्डा पड□ जायेगा, तो मैं वापस लौट आऊंगा। इतना पैसा पास होने पर मैं अपनी इच्छा की औरतों का चयन किया करूंगा। प्रौढ□ाओं के पास तक नहीं फटकूंगा।

ग्रेनविल इन्हीं विचारों में ग्रस्त था कि उसे अपने पीछे एक आहट सुनाई दी। उसने जो घूमकर पीछे देखा, तो चिंहुककर अपनी कुर्सी से उठ खड□ा हुआ कमरे के दरवाजें की चाौखट पर सेजेटी एवं बेलमान्ट खड□ थे।

"तुम लोग यहां कैसे ? तुम तो जनेवा जा रहे थे।"

"हमने अपना इरादा बदल दिया था।" सेजेटी ने कहा, और बेलमान्ट की ओर देखकर बोला, "क्यों जैक्रास, ठीक है ना ?"

बेलमान्ट ने कोई उत्तर नहीं दिया था, और वहीं चौखट पर खड□ भावशून्य दृष्टि से ग्रेनविल की ओर देखता रहा था।

इस समय उन दोनों के चेहरे से क्रूरता झलक रही थी जिसे देखकर ग्रेनविल को खतरे का पूर्वाभास होने लगा था।

"तुम यहां क्या करने आये हो ?" ग्रेनविल ने तनिक घबराहट से पूछा।

“हम तुम्हें लेने आये हैं।” सेजेटी ने उत्तर दिया।

“तुम्हारा मतलब ?”

“तुम अंग्रेजी भाषा अच्छी तरह समझते हो।” सेजेटी ने कहा, “हमारा मतलब साफ है...हम तुम्हें लेने आये हैं।”

“तुम! मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊंगा।” ग्रेनविल ने घुड□ककर कहा, “तुम्हें पैसे मिल चुके हैं। तुम यहां से दफा हो जाओ।”

“अपनी घुड□की अपने पास रखो। इस बार टमाटर की चटनी नहीं है। इस बार असली प्रोग्राम है।” सेजेटी ने कहा, “और अपनी जेब से साइलेंसर सज्जित आटोमेटिक पिस्तौल निकालकर ग्रेनविल की ओर लक्ष्य करते हुये बोला, “यह देख रहे हो न, यह तुम्हारी खोपड□ी में सुराख कर देगी और उस सुराख से जो लाल रंग निकलेगा। वह तुम्हारे खून का होगा। टमाटर की चटनी का नहीं।”

ग्रेनविल दहशत में आ गया।

“इसको मेरे सामने से हटाओ।” ग्रेनविल ने कांपती हुई आवाज में कहा।

“इसे अपने सामने से हटवाना चाहते हो, तो चुपचाप चले चलो। हम तुम्हें कार में बिठाकर ले जायेंगे। और अगर तुमने बहादुरी दिखाने का प्रयास किया तो एक अदद गोली बड□ी खामोशी से तुम्हारी रीढ□ के पार हो जायेगी।

“तुम मुझे कहां ले जाओगे ?” ग्रेनविल ने फुसफुसी आवाज में पूछा, “और मेरे साथ क्या करोगे ?”

“तुम जितना चुप रहोगे, उतना ही कष्ट से दूर रहोगे। सो चुपचाप हमारे साथ चले चलो।”

ग्रेनविल एवं बेलमान्ट ने उसे कार में बिठाया और वहां ले गये जहां पर बर्नी उनकी प्रतीक्षा कर रहा था।

“ओह, मिस्टर ग्रेनविल,” बर्नी ने अपनी जगह से उठकर कहा, “हम दोनों की यह पहली मुलाकात है लेकिन हम दोनों का एक पारस्परिक मित्र है-जैक आरशर।”

बर्नी के चेहरे पर हालांकि मुस्कराहट थी किन्तु उसकी आंखों से ग्रेनविल को दहशत होने लगी थी।

“तुम मिस्टर आरशर को जानते हो ?” ग्रेनविल ने फुसफुसी आवाज में पूछा।

“हां मैं उसे जानता हूं।” बर्नी ने कहा, “आप तशरीफ रखिये मैं आपसे बात करना चाहता हूं।”

ग्रेनविल एक मजनूं की तरह कांपता हुआ एक कुर्सी पर बैठ गया।

“मुझे समझ नहीं लगती कि आप मुझसे क्या बात करना चाहते हैं।”

“मैं आपको अभी सारा किस्सा समझाता हूं। बात यह है कि आरशर मेरे पास आया था और उसने मुझसे दो विश्वसनीय आदमियों का प्रबंध करने को कहा था जो एक अपहरण का नाटक कर सकें। इस काम के लिये आरशर ने मुझे एक हजार और इन दोनों को चार-चार हजार दिये थे। अब मुझे यह पता चला है आप दोनों इस अपहरण नाटक से बीस लाख बनाने का इरादा रखते हैं। आप जानते

हैं कि अपहरण एक ऐसा अपराध है जिसकी सजा मौत होती है। हम लोगों ने अपना जीवन जोखिम में डालकर यह काम किया…सो हम इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि हमें और पैसा मिलना चाहिये।”

“तो तुमने आरशर से बात की होती।” ग्रेनविल ने कहा, “मुझे यहां क्यों लाये हो?”

“आपने यह बहुत अच्छा सवाल किया है कि हम आपको यहां क्यों लाये हैं।” बर्नी ने बताया, “हम आपको इसलिये यहां लाये हैं क्योंकि हमने आपको अपहृत कर लिया है और आपका यह दूसरा अपहरण पहले की तरह नकली नहीं है वरन् वास्तविक है।”

“मुझे तो कुछ भी समझ नहीं लग रही।” ग्रेनविल बड□ी मुश्किल से कह पाया।

“मिस्टर ग्रेनविल,” बर्नी ने कहा, “आप एवं मिस्टर आरशर दोनों अनाड□ी हैं। आपको ऐसा अवसर मिला है जिसमें आपका ऐसी औरत से वास्ता पड□ा है जो अरबपति है तथा वह आप पर मोहित है तथा आप उससे मात्र बीस लाख ही ऐंठना चाहते हैं। आजकल फिरौती का भाव सत्तर लाख से ऊपर चल रहा है। सो इस स्थिति से अब मैं खुद निपटूंगा और आपकी आशिक को उसका प्रेमी यानी आपको लौटाने के लिये एक करोड□ की फिरौती तलब करूंगा। इसमें से पांच लाख आरशर को दूंगा। बशर्ते कि आपने सहयोग दिया तो।”

“सहयोग से तुम्हारा मतलब।”

“सहयोग से मेरा मतलब है कि हो सकता है कि आपकी आशिक को धमकाने के लिये आपका कान या हाथ की उंगली काट कर भेजनी पड□े। ऐसी सूरत में आपको कोई कष्ट नहीं होगा। सेजेटी आपका अंग काट कर तपा हुआ लोहा उस जगह पर रख देगा। बस क्षण मात्र के लिये दर्द होगा। लेकिन ऐसी नौबत आयेगी ही नहीं। इससे पहले ही आपकी आशिक फिरौती देकर आपको रिहा करवा लेगी।” बर्नी ने कहा, “अब मैं आरशर से मिलना चाहता हूं। उसे मेरे एवं हेल्गा रोल्फ के बीच बिचौलिये कि भूमिका निभानी होगी। मैं आधे घंटे पश्चात वापस लौट आऊंगा। इस बीच सेजेटी एवं बेलमान्ट आपका ध्यान रखेंगे।”

* * *

क्रिस! अपहृत! माफिया के चंगुल में! रह-रहकर ये तीन बातें हेल्गा के मस्तिष्क में गर्दिश कर रही थीं। मुझे फौरन अपने बैंकर बर्न के पास जाकर पैसे का प्रबंध करना चाहिये, ताकि जब वह सुअर आरशर मुझसे मिलने आये, तो मैं उसे नगद दे सकूं।

हिकल।

उसमें इतना साहस कि यह कहे कि क्रिस ने जानबूझकर अपना अपहरण करवाया है। उसे क्रिस से ईर्ष्या है। वह तो चाहता है कि मैं सारी उम्र अकेली रहूं जबकि मेरा अंग-अंग क्रिस के लिये उत्कंठित हो रहा है।

टमाटर की चटनी!

सरासर बकवास करता है हिकल। क्रिस ने अपने आपको छुड□ाने का प्रयास किया होगा, और उन दुष्टों ने उसके चेहरे को जख्मी कर दिया होगा।

प्रवेश द्वार खुला था।

तो क्या? हो सकता है हिकल उसे चटकनी लगाना भूल गया हो और इस भ्रम में हो कि उसने चटकनी लगा दी थी।

हेल्गा अब ऊंची-ऊंची बड□बड□ाने लगी थी।

उसकी आवाज सुनकर हिकल अन्दर चला आया। मैं फिरौती का प्रबंध करने के लिये बैंक जा रही हूं!'' हेल्गा ने शुष्कता से कहा, “शाम तक वापस लौटूंगी।”

“आप मेरी एक सलाह मानिये मैडम...।”

“मैं तुम्हारी कोई सलाह नहीं सुनना चाहती हूं। तुम्हारी जबान बहुत चलने लगी है। तुम्हें कोई हक नहीं था मिस्टर ग्रेनविल पर झूठे इल्जाम लगाने का। मैं हर कीमत पर उसे माफिया के चंगुल से मुक्त कराऊंगी, और उससे विवाह करूंगी और कान खोलकर सुन लो...जब मिस्टर ग्रेनविल से मेरा विवाह हो जायेगा, तो तुम्हें उसी प्रकार से उनकी सेवा करनी पड□गी जिस प्रकार मेरी करते हो। तुम्हें मंजूर हो, तो नौकरी करना नहीं तो छोड□ देना।”

“जैसे आप कहेंगी मैडम।”

तब हेल्गा नीचे आई और अपनी रोल्ज राईस में सवार होकर बैंक चली गई।

हिकल अपने कमरे में आकर अपनी पुरानी डायरी ढूंढने लगा। डायरी मिलने पर उसने एक फोन नंबर नोट किया और फोन के पास आकर पेरिस में जीन फॉकन का नंबर डायल किया।

* * *

आरशर आरामकुर्सी पर धड□ाम से बैठ गया, और भावशून्य दृष्टि से कमरे ही दीवारों को देखने लगा। यह ग्रेनविल कहां गया?

वह इतना असावधान तो है नहीं कि इतना समझाने के बावजूद कहीं घूमने गया हो। तो फिर वह कहां गया हेल्गा से पैसा ऐंठने का मामला फिट किया है तो ग्रेनविल गायब हो गया है।

ना वह गायब नहीं हुआ। वह डर गया है। आखिर वह एक जाईगोलो है। जाईगोलो बड□ डरपोक किस्म के लोग होते हैं। मेरे यहां से जाते ही वह रेलवे स्टेशन गया होगा, और गाड□ी में बैठ स्विट्जरलैंड से कहीं बाहर चला गया होगा।

मेरा भाग्य ही खोटा है। अब मैं कौन-सा मुंह लेकर हेल्गा के पास जा सकता हूं। और यदि परसों मैं उसके पास नहीं गया, तो न जाने वह क्या मुसीबत खड□ी कर दे। मेरे हित में यही है कि मैं फौरन यहां से गायब हो जाऊं।

इसी समय दरवाजे की घंटी बजी और आरशर का दिल जोर-जोर से धड□कने लगा। कहीं ऐसा न हो कि हेल्गा ने पुलिस को सूचित कर दिया हो। लेकिन जब घंटी बजनी बन्द नहीं हुई, तो आरशर ने प्रवेश द्वार के पास आकर दरवाजा खोल दिया। और बर्नी को चौखट के पार खड□ा देखकर उसका दिल धक से रह गया। बर्नी को देखते ही उसे खतरे का पूर्वाभास होने लगा।

"मिस्टर आरशर, कहो कैसे हो ?" बर्नी ने कमरे के अन्दर आते हुये कहा।

"बर्नी तुम यहां कैसे ?" आरशर अपने चेहरे पर जबदरस्ती की मुस्कान फैला कर बोला।

"मैं एक मामले पर तुमसे बात करने आया हूं।" कहकर बर्नी कुर्सी पर बैठ गया।

"बोलो क्या बात है ?"

"मिस्टर ग्रेनविल का अपहरण कर लिया गया है।"

"ग्रेनविल का अपहरण कर लिया गया है। आरशर ने साश्चर्य कहा।

"हां।"

"किसने किया है उसका अपहरण ?"

"मैंने। तुम एक अनाड□ी हो मिस्टर आरशर। मैंने जो अपहरण किया है, वह पहले अपहरण की भांति कोई नाटक नहीं है बल्कि वास्तविक है। इस काम की बागडोर अब मैंने अपने हाथ में ले ली है। ग्रेनविल को वापस पाने के लिये हेल्गा रोल्फ को एक करोड□ की फिरौती देनी होगी जिसमें से मैं पांच लाख तुम्हें और पांच ग्रेनविल को देने के लिये तैयार हूं। बाकी पैसा मैं अपने पास रखूंगा। तुम्हें बिचौलिया बनना होगा। तुम उसके विला जाकर उससे यह कहोगे कि फिरौती बीस लाख से बढ□ाकर एक करोड□ कर दी गई है।"

"एक करोड□ !" आरशर ने मुंह फाड□कर कहा, "हेल्गा इतनी रकम कभी नहीं देगी।"

"जब ग्रेनविल का एक कान काटकर उसे भेजा जायेगा, तो अपने आप देगी।"

"तुम ऐसा करो कि खुद इस मामले से निपटो," आरशर ने कहा, "मैं इससे कोई सरोकार नहीं रखना चाहता।"

"तुम्हें रखना पड□ेगा।" बर्नी ने अपनी जेब से साइलेन्सर सज्जित पिस्तौल निकाल कर आरशर की ओर लक्ष्य करते हुये कहा, "तुम वैसा ही करोगे जैसा तुम्हें बताया जायेगा। और अगर नहीं करोगे तो एक घंटे पश्चात पुलिस को तुम्हारा शव यहां पड□ा मिलेगा और किसी को यह तक पता नहीं चलेगा कि तुम्हारी हत्या किसने की थी।"

पिस्तौल देखकर आरशर के हाथ-पैर कांपने लगे थे।

"तो ठीक है जैसे तुम कहोगे वैसे ही करूंगा।"

"अकलमंद आदमी हो।" बर्नी ने कहा, और फिर जरा रुक कर बोला, "मैंने सुना है कि तुमने हेल्गा रोल्फ को बीस लाख का प्रबंध करने के लिये तीन दिन की मोहलत दी थी। बहुत अच्छा किया था। उसे भागदौड□ करने दो। तीसरे दिन तुम उसके पास जाना और उसे यह कहना कि फिरौती बीस लाख से बढ□ाकर एक करोड□ कर दी गई है, अत: उसे दो दिन की मोहलत और दी जाती है। और यदि उसने यह रकम नहीं दी तो ग्रेनविल का एक कान काट कर उसे भेज दिया जायेगा।"

इसी समय फोन की घंटी बजने लगी।

"जाओ यह फोन सुनो।"

यह फोन ग्रेनविल का था। उसने फोन पर ही हाल दुहाई मचा दी कि मेरा अपहरण कर लिया गया है और यह सब तुम्हारी गलती से हुआ है।

फोन सुनकर आरशर बिलकुल छिन्न-भिन्न हो गया था।

"मुझे मालूम है यह ग्रेनविल का फोन था।" बर्नी ने कहा, "मैंने उसे यह फोन करने को कहा था। ताकि तुम यह न समझो कि मैं तुमसे धुप्पल मार रहा हूं। बात यह है कि तुम अपना पासपोर्ट मेरे हवाले कर दो ताकि तुम स्विट्जरलैंड छोड़कर न जा सको। इसके बावजूद भी अगर तुमने कोई ऐसा प्रयास किया तो तुम्हारे साथ कोई घातक दुर्घटना घट जायेगी। मेरे आदमी चौबीस घंटे तुम्हारी नकलो-हरकत पर निगरानी रखेंगे। अच्छा तो अब मैं चला।" कहकर बर्नी वहां से बाहर आकर अपनी कार में सवार हुआ और वहां से चला आया।

* * *

"मैं अपने ये शेयर बेचना चाहती हूं।" हेल्गा ने अपने ब्रोकर से कहा, "मुझे बीस लाख नगद चाहिये और कल तक चाहिये।"

"शेयर बेचना उचित नहीं होगा मैडम रोल्फ क्योंकि आजकल शेयर बाजार बहुत मंदा चल रहा है। आप कहें तो बैंक आपको बीस लाख का ऋण दे सकता है।"

"आप मुझे इतना ऋण दे देंगे?"

"बिलकुल दे देंगे मैडम।"

"लेकिन मैं यह रकम किसी स्विस बैंक के अंकित अकाउंट में ट्रांसफर करवाना चाहूंगी। वह नम्बर और बैंक का नाम मैं बाद में दूंगी।"

"हमें उसमें कोई आपत्ति नहीं मैडम।"

"तो ठीक है फिर आपका धन्यवाद।" कहकर हेल्गा बैंक से बाहर चली आई।

वह सारा दिन उसने अपनी कार में इधर-उधर घूमते व्यतीत किया था। उसने लंच और डिनर भी बाहर किया था।

शाम को जब वह विला पहुंची थी तो आठ बजे चुके थे। अपनी कार पार्क कर जब वह ऊपर पहुंची थी, तो हिकल ने उसके लिये दरवाजा खोला था और बड़ी औपचारिकता से पेश आया था।

"हिकल, मैंने आज सुबह तुमसे बुरा-भला कहा था उसके लिये तुम मुझे माफ कर देना। मिस्टर ग्रेनविल की वजह से मेरी मन:स्थिति इतनी बिगड़ी हुई है कि मैं अपने आपे से बाहर हो जाती हूं। तुमने मेरी ढांढस न बंधाई होती तो मैंने न जाने अपने साथ क्या कर लिया होता।"

"मैं आपकी मन:स्थिति को खूब समझता हूं, मैडम। जिस दिन से आप मिस्टर रोल्फ की पत्नी बनी थीं उस दिन से मैं आपकी प्रशंसा करता हूं-और जिस चीज की वजह से मैं आपकी प्रशंसा करता हूं, वह है आपका साहस। मुझे विश्वास है कि आपका साहस हमेशा आपका साथ देगा। मुझे यकीन है कि इस समय भी आप यदि साहस से काम लें तो आप इस मामले की तह पर पहुंच जायेंगी, और

आपकी सारी मुश्किलें दूर हो जायेंगी।”

“मेरी हिम्मत बंधाने के लिये बहुत-बहुत धन्यवाद हिकल।”

तब हिकल वहां से बाहर चला आया था।

हेल्गा ने नींद की गोलियां खाई थीं और बिस्तरे पर लेट गई थी।

अगले दिन सुबह जब हिकल कॉफ□ी लेकर आया था, तो हेल्गा ने कहा, “मैं सारा दिन टैरेस में बैठूंगी, मैं बहुत कुछ सोचना चाहती हूं।”

“मेरे विचार में बेहतर यह होगा मैडम कि यदि आप घूमने फिरने चली जायें, तो आपका मन बेहतर लगा रहेगा।”

“तो ठीक है, फिर मैं घूमने चली जाऊंगी।” कहकर हेल्गा ने कॉफ□ी पी। और फिर बाहर जाने के लिये नहाने धोने चली गई थी।

अब हेल्गा को भला यह कहां से मालूम होता कि हिकल ने उसे बाहर जाने का परामर्श इसलिये दिया था। क्योंकि वह फाकन नामक एक व्यक्ति के टेलीफोन का इंतजार कर रहा था और नहीं चाहता था कि जब वह टेलीफोन आये, तो उस समय हेल्गा घर पर हो।

सो हेल्गा के जाने के पश्चात वह उत्सुकता से टेलीफोन का इंतजार करने लगा था-वह टेलीफोन कोई ग्यारह बजे के करीब आया था।

संध्या के समय जब हेल्गा वापस पहुंची थी, तो एक पुलिसमैन को हिकल के पास खड□ पाया था। जब उसने हिकल से उस पुलिसमैन के बारे में पूछा था, तो हिकल ने यह कह दिया था कि वह मेरा लाइसेंस चेक करने आया था। तब हेल्गा अपने बेडरूम में चली गई थी, और हिकल विला के दरवाजे बन्द करके अपने कमरे में चला आया था। जहां पर उसने अपनी ऐनक पहनी थी, और लिफाफा फाड□कर फाकन की वह रिपोर्ट पढ□ने लगा था, जो थोड□ी देर पहले वह पुलिसमैन उसे देकर गया था, जिसे हेल्गा ने अपनी वापसी पर हिकल के पास खड□ देखा था।

* * *

अगली सुबह साढ□ सात बजे जब हेल्गा की आंख खुली थी, तो वह जरा भी आशंकित नहीं थी। उसे मालूम था कि आरशर आयेगा-उसके आने पर मैं पैसा उसके बैंक में ट्रांसफर कर दूंगी, और फिर क्रिस मुझे वापस मिल जायेगा।

थोड□ी देर बाद हिकल कॉफी लेकर आया था। आज उसका चेहरा कुछ अजीब-सा हो रहा था जिसे देखकर हेल्गा बेचैन सी हो गई थी।

कॉफी पीने के पश्चात हेल्गा नहाने धोने चली गई थी। नहा धोकर जब वह तैयार होकर बैठक में आई थी, तो उसी समय हिकल वहां गया था। उस समय हिकल ने गृहप्रबंधक का सूट पहनने की बजाय एक सूट पहन रखा था। हिकल को इस लिबास में देखकर हेल्गा को बड□ी हैरानी हुई थी।

“मैं आपसे कुछ बात करना चाहता हूं मैडम-एक नौकर के नाते नहीं वरन् एक शुभचिंतक के

नाते।”

“तुमने यह लिबास क्यों पहन रखा है?”

“क्योंकि मैं आपके बिना टोके आपको एक बात कहना चाहता हूं। और यदि आपने मेरी बात नहीं सुनी, तो फिर मैं आपकी नौकरी छोड□ना चाहूंगा।” कहकर हिकल एक कुर्सी खींच कर बैठ गया। हिकल ने पहले कभी ऐसा नहीं किया था।

“मैं तुम्हारी पूरी बात सुनूंगी लेकिन तुम्हें नौकरी नहीं छोड□ने दूंगी। तुम बात बताओ।”

“बात यह है मैडम कि मेरी एक भतीजी है यानी मेरी बहन की लड□की। पंद्रह वर्ष पूर्व उसने एक जीन फॉकन नामक एक फ्रेंच नागरिक से विवाह किया था। फॉकन एक पुलिस अधिकारी है जिसे उसकी कार्यकुशलता के कारण इन्टरपोल में ट्रान्सफर कर दिया गया था। वह एक बहुत ही ईमानदार अधिकारी है और आजकल उपयुक्त है। मुझे आपको यह बताने में बड□ा खेद होता है कि ग्रेनविल के साथ पहली ही मुलाकात में मुझे उस पर शक गुजरा था कि वह कोई ठीक आदमी नहीं है, सो कल मैंने अपने भतीजी दामाद फॉकन को फोन किया था तथा उससे जानकारी मांगी थी कि मिस्टर ग्रेनविल का कोई इन्टरपोल रिकॉर्ड तो नहीं।”

“तुममें इतनी हिम्मत कि मेरी अनुमति के बिना मिस्टर ग्रेनविल के बारे में पूछताछ करो। तुम ईर्ष्या से पागल हो गये हो। मैं मिस्टर ग्रेनविल के बारे में कोई बुराई नहीं सुनना चाहती।”

हिकल उदासीन दृष्टि से हेल्गा की ओर देखने लगा।

“मेरी बात आपको सुननी ही पड□ेगी मैडम। आपको कायल करने के लिये मेरे पास हर ऐसा सबूत है जो इस चीज की पुष्टि करेगा कि जो मैं कह रहा हूं, वह सत्य है। कल रात एक पुलिस अधिकारी मिस्टर ग्रेनविल की मिसल लेकर यहां पहुंचा था, जो मेरे भतीजी दामाद ने जनेवा से विमान द्वारा यहां भिजवाई थी। वह मिसल असल की फोटोकॉपी है। मिस्टर ग्रेनविल तीन बार द्विविवाह करने के अपराध में जर्मन पुलिस द्वारा वांछित है।”

“द्विविवाह!” हेल्गा ने हैरत से कहा।

“यस मैडम। इस मिसल के मुताबिक प्रौढ□ाओं के टुकड□े तोड□ना मिस्टर ग्रेनविल का पेशा है। उसका तरीका यह है कि वह किसी तनहा सम्पन्न प्रौढ□ा को फांस कर उससे विवाह कर उसके पैसे पर ऐश करता है। जब उस औरत से ग्रेनविल का जी भर जाता है, तो उसे छोड□ किसी और सम्पन्न प्रौढ□ा को फांस लेता है।”

“मैं नहीं मान सकती। मैं यह अण्ड-बण्ड सुनने के लिये तैयार नहीं हूं।” हेल्गा ने चीखकर कहा।

हिकल ने अनवरत अपनी बात जारी रखते हुये कहा, “उसका अपहरण सरासर एक छल था। पुलिस ने यह बात मुझे साबित कर दी है कि दो दिन पहले मिस्टर आरशर एवं मिस्टर ग्रेनविल दोनों आपकी रोल्ज में देखे गये थे। एक पुलिसमैन ने उन्हें रोका था और अपने कागजात दिखाने को कहा था। मिस्टर आरशर ने अपना कार्ड दिखाया था, और मिस्टर ग्रेनविल ने अपना पासपोर्ट। जबकि मिस्टर आरशर आपसे मिलने आये थे, तो उन्होंने आपसे यह कहा था कि मिस्टर ग्रेनिवल से कभी मेरी मुलाकात नहीं हुई, हालांकि परसों वे दोनों आपकी कार में इकट्ठे बैठे थे।”

हेल्गा ने अपनी आंखें बन्द कर लीं और उसके हाथ मुट्ठियों में भिंच गये।

“ग्रेनविल द्विपत्नीक है।” हेल्गा फुंफकार कर बोली, “और हरामजादा मुझसे भी विवाह करने का इच्छुक था।”

हेल्गा में यह अचानक परिवर्तन देखकर हिकल की आस बंध गई। हेल्गा अपनी जगह से उठकर खड□ी हो गई। क्षण-प्रतिक्षण उसका चेहरा कठोर होने लगा था।

“दिल के मामले में औरत मूर्ख होती है हिकल,” हेल्गा ने उसके कंधे पर हाथ रखकर कहा, “अब तुम अपना यह सूट उतार कर रोजमर्रा वाला सफेद कोट पहन लो।”

“जैसी आपकी आज्ञा मैडम।”

हेल्गा ध्यानपूर्वक हिकल की ओर देखने लगी।

“एक घंटे पश्चात आरशर यहां पहुंच जायेगा। तुम उसे सीधा मेरे पास भेज देना। उससे में सुलटूंगी।”

हेल्गा की आवाज में कड□क पाकर हिकल बिलकुल आश्वस्त हो गया।

“यस मैडम।”

इस समय हेल्गा क्रोध से खौल रही थी। हिकल के जाते ही हेल्गा ने ग्रेनविल की मिसल उठाई और उसे पढ□ने लगी।

* * *

आरशर बिस्तर पर लेटा हुआ था। पिछली रात वह मुश्किल से सो पाया था। वह इस बात से बहुत घबराया हुआ था कि वह माफिया के चंगुल में है तथा ग्रेनविल उससे भी अधिक खतरनाक स्थिति में है। इस समय उसे पछतावा हो रहा था कि न उसने ग्रेनविल का नकली अपहरण करवाया होता, न इस मुसीबत में फंसा होता। लेकिन हेल्गा से बदला एवं उससे बीस लाख निचोड□ने के लालच ने उसकी अक्ल पर पर्दा डाल दिया था। वह सोचने लगा कि बर्नी जैसे ठग से मिलकर मुझे यह अपहरण नहीं करवाना चाहिये था।

और अब हेल्गा को यह बात बताने के ख्याल से कि फिरौती बीस लाख से बढ□ाकर एक करोड□ कर दी गई है। आरशर के औसान उड□ने लगते थे। आरशर सोचने लगा-मुझे उसे यह बात तो बतानी ही पड□ेगी। तब उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी? वह एक करोड□ आसानी से दे सकती है लेकिन क्या वह अपने मोह की खातिर इतनी माया देने के लिये तैयार होगी? उसने धुप्पल मारने का प्रयास किया तो? या उसने इतनी रकम देने से इनकार कर दिया तो? और उधर बर्नी ने ग्रेनविल का कान काट मुझे हेल्गा के पास ले जाने को कहा तो? आरशर के मस्तिष्क में ये प्रश्न गर्दिश कर रहे थे, जिनका उसके पास कोई उत्तर नहीं था।

तब आरशर सोचने लगा कि यदि बर्नी मुझसे पासपोर्ट न ले गया होता, तो मैं यहां से भाग गया होता। इसके अलावा बर्नी मुझे मात्र पांच लाख देगा जबकि मुझे पूरे दस लाख मिलने की आशा थी।

आरशर अपने बिस्तर से उठा और नहाने-धोने चला गया। जब वह बाथरूम से बाहर आया, तो सवा दस बजे थे। उसी समय फोन की घंटी बजने लगी।

यह बर्नी का फोन था।

“थोड□ी देर पश्चात तुम हेल्गा से मिलने जाओगे। मुझे विश्वास है कि तुम अपना काम पूरा करके आओगे। उसकी ओर से किसी मुश्किल की प्रत्याशा तो नहीं ?”

“हेल्गा के बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता बर्नी। वह एक तरंगी किस्म की औरत है।”

“तो ऐसा करो कि तुम ऐन ग्यारह बजे विला पहुंच जाना। तुम्हारे वहां पहुंचने के आधा घंटे बाद अर्थात् साढ□े ग्यारह बजे मैं ग्रेनविल से हेल्गा को फोन करवाऊंगा। इससे काम में और आसानी हो जायेगी।” कहकर बर्नी ने फोन बन्द कर दिया।

आरशर वहीं बैठक में टहलने लगा था। सोचने लगा कि यदि ग्रेनविल ने हेल्गा के साथ फोन पर वातोन्मत्तता से बात की तो मुमकिन है कि हेल्गा परास्त हो जाये। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि हेल्गा ग्रेनविल पर रीझी हुई है। इस बात से आरशर की आस बंध गई लेकिन इस बात का उसे कतई यकीन था कि बर्नी उसे फूटी कौड□ी भी नहीं देगा।

बर्नी ने बेअर बांड्स मांगें हैं। आरशर ने सोचा-मैं भी इतना मूर्ख नहीं हूं जो हेल्गा से बेअर बांड्स लूं। मैं उसे यह रकम अपने अंकित अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहूंगा। तब बनी पर मेरा अपर हैंड होगा। मैं उसे मात्र पचास लाख दूंगा, और बाकी अपने पास रखूंगा। ग्रेनविल को मैं अपने हिस्से से दस लाख दे दूंगा। इस ख्याल से आरशर के चेहरे पर रौनक आ गई। उसने कपड□े पहने और बाहर आकर मर्सिडीज में सवार होकर हेल्गा से मिलने के लिये रवाना हो गया।

वहां पहुंच कर जब उसने दरवाजे के घंटी बजाई, तो हिकल ने दरवाजा खोला। और एक नजर उसे ऊपर से नीचे तक देखा।

“हैल्लो हिकल,” आरशर ने अपने चेहरे पर जबरदस्ती की मुस्कान बिखेर कर कहा,” मेरे विचार में मैडम रोल्फ मेरे इंतजार में होंगी।”

“जी हां।” हिकल ने संक्षिप्त उत्तर दिया और उसकी अगुआई करता हुआ अन्दर ले आया जहां पर हेल्ग बैठी थी।

“मिस्टर आरशर आये हैं, मैडम।” हिकल ने आरशर के आगमन की सूचना दी।

हेल्गा ने बिना आरशर की ओर देखे, उसे हाथ के इशारे से बैठने को कहा।

हिकल ने आरशर के बैठने के लिये कुर्सी इस तरीके से सरकाई ताकि जब वे आपस में बात कर रहे हों तो ऐन एक दूसरे के सामने हों।

“तुम जा सकते हो हिकल।” हेल्गा ने कहा।

“यस मैडम।” कहकर हिकल वहां से बाहर चला आया।

हेल्गा ने इस समय आंखों पर धूप का गहरा काला चश्मा लगा रखा था। इससे आरशर को परेशानी होने लगी थी क्योंकि हेल्गा के साथ अपने संबंधों से यह पाया था कि हेल्गा की आंखों से

फौरन उसके दिल का हाल पता चल जाता था और इस समय हेल्गा की आंखों पर काली ऐनक होने के कारण उसकी मन:स्थिति जानना असंभव था। “आज तुम पहले से भी ज्यादा खूबसूरत लग रही हो, हेल्गा।” आरशर ने बात शुरू करने का प्रयास करते हुये कहा।

हेल्गा ने कोई उत्तर नहीं दिया, और न ही अपनी जगह से हिली। उसके दोनों हाथ अपनी गोद में थे तथा वह आराम से बैठी थी।

“मैं एक बुरा समाचार लाया हूं, हेल्गा। न बताना चाहकर भी मैं यह बताने पर मजबूर हूं कि मेरे क्लाइंट ने फिरौती बीस लाख से बढ□ाकर एक करोड□ कर दी है।”

हेल्गा ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की और निश्चल बैठी रही।

हेल्गा ने जब काफी देर तक कोई उत्तर नहीं दिया तो आरशर ने कहा, “तुमने मेरी बात सुनी या नहीं?”

“मैं बहरी नहीं हूं।” हेल्गा ने कहा, आरशर उसकी आवाज की सख्ती से चौंक-सा गया।

“मेरी वजह से ऐसा नहीं हुआ हेल्गा। मैं तुम्हें यकीन दिलाना चाहता हूं कि इसमें मेरा कोई हाथ नहीं। तुम यह बताओ कि तुम यह रकम देने के लिये तैयार हो?”

हेल्गा ने अपनी जगह पर पहलू बदला।

“तुम्हें इनमें से कितने मिलेंगे?”

“इससे तुम्हारा कोई संबंध नहीं।” आरशर ने गुर्राकर कहा, “तुम हां या ना में जवाब दो।”

हेल्गा ने अपना सिर घुमाकर आरशर की ओर देखा लेकिन आंखों पर काली ऐनक होने के कारण आरशर उसकी आंखों से उसकी प्रतिक्रिया जानने से आशक्त था।

“मान लो मेरा जवाब ना है।”

यह सुनकर आरशर बेचैन हो गया।

“यह तुम पर निर्भर है हेल्गा। मैं तो यह आग्रह करना चाहता हूं कि ग्रेनिवल बहुत खतरनाक लोगों के हाथ में है और यदि तुमने फिरौती देने से इनकार कर दिया, तो वह ग्रेनविल का एक कान काट देंगे और मुझे मजबूर करेंगे कि वह कान तुम तक पहुंचाऊं। मैं तो एक जंजाल में फंस गया हूं।”

हेल्गा ने काली ऐनक के पीछे से उसे घूरते हुये कहा, “तो तुम एक जंजाल में फंस गये हो।”

“हां।” आरशर ने कहा, “मैंने तुम्हें बताया है कि जिन लोगों से मेरा वास्ता पड□ा है, वे बहुत ही खतरनाक हैं।”

“मुझे तुम पर तरस आता है।”

यह सुनकर आरशर का चेहरा, लज्जा एवं रोष के सम्मिश्रित रंगों से लाल हो गया।

“तुम खामख्वााह में समय नष्ट कर रही हो। तुम एक शब्द हां या ना में उत्तर दो।”

“तुम यह बताओ कि तुम टिमोथी विलसन के बारे में क्या जानते हो?” हेल्गा ने पूछा।

"टिमोथी विलसन।" आरशर ने साश्चर्य कहा," मैं किसी टिमोथी विलसन को नहीं जानता। तुम मेरे सवाल का जवाब दो। तुम पैसे देने के लिये तैयार हो या नहीं?"

हेल्गा ने हाथ बढ□ाकर सिगरेट उठाई, और उसे होंठों के साथ लगाकर सुलगा लिया।

"कोई समय था जब मैं तुम्हें एक अक्लमंद, समझदार और चतुर आदमी समझती थी। लेकिन जबसे तुम गबनकार, लूटकार, ब्लैकमेलर, और अब माफिया बने हो, तब से मैं तुम्हें इस योग्य भी नहीं समझती कि तुमसे नफरत की जाये।"

"तुम मेरा काफी अपमान कर चुकी हो हेल्गा। हर चीज की हद होती है। तुम कान खोलकर सुन लो, यदि तुम्हें अपना प्रेमी वापस चाहिये तो इस रकम का प्रबंध करके जनेवा में एक अंकित अकाउंट में जमा करवा दो, और यदि नहीं चाहिये तो वैसे जवाब दो।"

हेल्गा के होंठों पर एक कटु मुस्कान फैल गई।

"मिस्टर फटेहाल आरशर। तुम इतने अहमक हो, यह मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी। आओ पहले मैं तुम्हें टिमोथी विलसन के बारे में बताऊं। उसका बाप गोल्फ का एक मामूली पेशेवर खिलाड□ी था। उसने अपने बेटे को गोल्फ सिखाई और उसे भी पेशेवर गोल्फ खिलाड□ी बनाना चाहा। यह लड□का बहुत मनोहर और महत्वकांक्षी था। हालांकि वह इस बात का दावा करता है कि वह केम्ब्रिज का तालीमयाफ्ता है किन्तु वास्तविकता यह है कि सोलह वर्ष की आयु में उसने घर छोड□ दिया था और पेरिस क्रिलियान होटल में बैरागीरी सीखने लगा था। यहीं पर उसने फ्रेंच भाषा सीखी थी लेकिन उसके काम से संतुष्ट न होने के कारण उसे होटल से निकाल दिया गया था। वहां से वह इटली चला आया तथा मिलान के एक रेस्तरां में वेटर की नौकरी करने लगा। यहां पर भी उसका काम संतोषजनक नहीं था। सो उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। अलबत्ता इस दौरान उसने इटेलियन भाषा सीख ली थी। उसे मात्र एक ही चीज में रुचि रही है-औरतों में। इटली से वह जर्मनी चला आया। और आल्डन होटल में काम करने लगा। यहां पर उसने जर्मन भाषा सीख ली। फिर संयोग से एक सम्पन्न प्रौढ□ा उस पर रीझ गई और उसके साथ विवाह कर लिया। दो वर्ष तक इस जर्मन औरत के टुकड□े तोड□ने के पश्चात जब जनाब टिमोथी विलसन उससे ऊब गये, तो उसे छोड□छाड□ एक और सम्पन्न प्रौढ□ा से विवाह कर लिया। जब उससे ऊब गया, तो उसे छोड□कर एक और सम्पन्न प्रौढ□ा फांस ली और उससे विवाह कर उसके टुकड□े तोड□ने से पहले अपना नाम बदल कर क्रिस्टोफर ग्रेनविल रख लिया था।"

यह सुनकर आरशर स्तब्ध रह गया। थोड□ी देर पश्चात जब उसने कुछ कहना चाहा, तो हेल्गा उसे टोकते हुये बोली, "ग्रेनविल उर्फ विलसन की पुलिस मिसल की फोटो कॉपी मेरे पास है। तीन बार द्विविवाह करने के अपराध में पुलिस उसकी खोज में है।"

आरशर अपनी कुर्सी में धंस गया था। उसका चेहरा पसीने से तरबतर हो गया था। इसी समय उसे दूसरे कमरे से टेलीफोन की घंटी बजने की आवाज सुनाई दी थी।

"अब बोलो, अब भी चारों इक्के तुम्हारे हाथ में हैं।" हेल्गा ने पूछा।

इस समय हिकल वहां पर पहुंचा।

"मैडम, मिस्टर ग्रेनविल का फोन आया है। वह आपसे बात करना चाहते हैं।

जैसे ही हेल्गा ने नकारात्मक सिर हिलाया, आरशर की उम्मीद की आखिरी कड□ी भी टूट गई।

“मैं उससे बात नहीं करना चाहती।” हेल्गा ने कहा।

“वैरी वैल मैडम।” कहकर हिकल अन्दर चला गया। आरशर ने हिकल को टेलीफोन पर यह कहते अच्छी तरह से सुन लिया था कि मैडम आपसे बात नहीं करना चाहतीं।

हेल्गा ने अपनी ऐनक उतारकर मेज पर रख दी ओर आग्नेय दृष्टि से आरशर की ओर देखने लगी।

“तुम यहां से दफा हो जाओ, और खैर मनाओ कि मैंने तुम्हें पुलिस के हवाले नहीं किया। आईंदा यदि तुमने मेरे घर में पग धरा तो मैं तुम्हें उसी समय पुलिस के हवाले कर दूंगी।”

उसी समय हिकल वहां पहुंचा और आरशर को कॉलर से पकड□कर विला से बाहर निकाल दिया। जब आरशर अपनी कार में बैठकर वहां से चला गया, तो हिकल अन्दर आया। हेल्गा के हाथ मुट्ठियों की शक्ल में भिंचे हुये थे, और उसके होंठ क्रोध से कांप रहे थे।

“हिकल सामान पैक करो। मैं कल ही यहां से रवाना होना चाहती हूं।”

“आप बहुत अक्लमंदी का सबूत दे रही हैं, मैडम।” कहकर हिकल अन्दर चला गया और अलमारी से सूटकेस निकाल कर हेल्गा का सामान पैक करने लगा।

इस बीच हेल्गा परमसुख के उन क्षणों को याद करके दोहराने लगी जो उसने क्रिस के साथ गुजारे थे। क्रिस कोई चोर या हत्यारा होता, तो भी मैं उसे स्वीकार कर लेती लेकिन द्विपत्नीक-हे ईश्वर! तब वह वहां से हिकल के पास चली आई, और उसके बाजू का स्पर्श करते हुए बोली, “अगर तुमने मेरी आंखें न खोली होतीं, तो मैं बुरी तरह से पिट गई होती।”

“आप में साहस है मैडम और जिस इंसान में साहस होता है, वह कभी नहीं पिटता मैडम।”

* * *

“अन्दर आओ।” बर्नी ने गुर्राकर कहा, “क्या हुआ? उसने ग्रेनविल का फोन क्यों नहीं सुना?”

आरशर का दिल धक-धक कर रहा था तथा उसका चेहरा सफेद पड□ रहा था। वह अस्थिर कदमों से चलता हुआ अन्दर आया।

“वह पैसा नहीं देगी।” आरशर ने बताया।

“वह पैसा देगी।” बर्नी ने जमीन पर थूककर कहा, “तुम्हें अक्ल नहीं है। जैसा तुम्हारा शरीर मोटा, वैसे ही तुम्हारे दिमाग पर चर्बी चढ□ी है। मैं तुम्हें बताऊंगा वह कैसे पैसा देगी। आओ मेरे साथ।” कहकर बर्नी-आरशर को अपनी कार में बिठाकर वहां ले गया जहां पर उसने ग्रेनविल को बंधक बना रखा था।

आरशर को देखते ही ग्रेनविल ने कहा, “क्या बात हो गई थी? हेल्गा ने मुझसे फोन पर बात क्यों नहीं की?”

“मैं उस दिन को पछताता हूं जिस दिन तुम्हारे साथ मेरी भेंट हुई थी। तुम पूछते हो उसने तुमसे बात क्यों नहीं की। उसने इसलिये तुमसे बात नहीं की क्योंकि तुम द्विपत्नीक हो। मुझे पता होता कि द्विविवाह के अपराध में जर्मन पुलिस तुम्हारी खोज में है, तो मैं तुम्हारी छाया से भी दूर रहा होता।”

अपने रहस्योद्घाटन से ग्रेनविल का चेहरा सफेद पड□ गया, “हेल्गा को यह सब बातें मालूम हो गई हैं?”

“मालूम हो गई हैं। उसके पास जर्मन पुलिस द्वारा तैयार की गई तुम्हारी मिसल की फोटोकॉपी है। हेल्गा ने तुम्हारी मिसल में पढ□ा है कि तुम्हारा वास्तविक नाम टिमोथी विलसन है तथा तुमने तीन बार द्विविवाह किया है, और तुम्हारी तीनों पत्नियां जीवित हैं।

“हे ईश्वर! मुझे फौरन यहां से चले जाना चाहिये अन्यथा वह मुझे पुलिस के हवाले कर देगी।”

“तुम यहां से चले जाओगे। वाह! बर्नी ने कमरे में दाखिल होते हुए कहा, ‘‘तुम इस भ्रम को दिल से निकाल दो। मैं देखूंगा वह कैसे पैसा नहीं देती।’’ कहकर बर्नी ने सीटी बजाई।

सीटी सुनते ही सेजेटी और बेलमान्ट कमरे के अन्दर पहुंच गये।

“उसने पैसा देने से इनकार कर दिया है।” बर्नी ने सेजेटी और बेलमान्ट से कहा, “तुम ऐसा करो कि ग्रेनविल का एक कान काट दो।” तब वह आरशर को संबोधित करते हुये बोला, “तुम्हें ग्रेनविल का रक्तरंजित कान हेल्गा के पास ले जाना होगा। इस पर भी यदि उसने पैसा देने से इनकार किया, तो फिर जिस दिन तक वह पैसा देने के लिये सहमत नहीं होगी उस दिन तक तुम्हें ग्रेनविल की एक-एक कटी उंगली उसके पास ले जानी होगी।”

“वह पैसा नहीं देगी।” आरशर ने बर्नी को समझाने का प्रयास किया।

बर्नी ने जमीन पर थूक दिया।

“कोशिश करने में क्या हर्ज है।” बर्नी ने कहा, और बेलमान्ट की तरफ मतवज्जह होकर बोला, “तुम इसका कान काटो जैक्रास।”

ग्रेनविल की जान तुफे-तुफे हो गई।

बेलमान्ट अपनी जेब से उस्तरा निकालकर बेलमान्ट का कान काटना ही चाहता था कि ग्रेनविल ने बर्नी से कहा, “तनिक रुको। मेरा कान मत कोटो। मैं तुम्हें ऐसी स्कीम बता सकता हूं जिससे तुम हेल्गा से एक करोड□ की बजाय चाहो तो डेढ□ करोड□ ले सकते हो।”

बर्नी ने इशारे से बेलमान्ट को रोक दिया, और ग्रेनविल के पास आकर बोला, “क्या स्कीम है?”

और ग्रेनविल बताने लगा।

* * *

हेल्गा की जब नींद खुली, तो सुबह के सवा आठ बजे थे। उसने अंगड□ाई ली और कमरे के चारों ओर एक नजर दौड□ाई। उसे यह विला छोड□ने का कोई खेद नहीं था क्योंकि इस विला के साथ उसकी कोई प्रिया यादगार बद्ध नहीं थी। उसे क्रिस का विचार आया किन्तु उसके हृदय में कोई

हूक नहीं उठी। वह सोचने लगी, कुछ ही हफ्तों में मैं उसे भूल जाऊंगी और वह मेरे अतीत की एक छाया बन जायेगा।

फिर वह सोचने लगी-जब एक इंसान यह सोचने लगे कि उसे किसी के साथ प्रेम हो गया है, तो उसे कितना सावधान रहना चाहिये। प्रेम आखिर क्या होता है। मुझे यह स्वीकार करना पड□गा कि मैं प्रेम का अर्थ कभी नहीं जान पाई और संभवतः न ही कभी जान जाऊंगी। मेरे विचार में तो प्रेम एक अवास्तविक चीज है। कई आदमियों, औरतों को यह वहम होता है कि उन्हें आपस में प्रेम है और फिर एक दिन उन्हें अचानक यह महसूस होता है कि वे एक-दूसरे के लिये बिल्कुल अजनबी हैं। इसके विपरीत कई मर्द औरत ऐसे होते हैं जिनके जीवन की बुनियाद ही प्रेम होता है। मेरे लिये तो प्रेम का एक ही अर्थ है और वह है यौन तृप्ति अर्थात् काम। यह काम मेरे जीवन का सबसे बड□ा अभिशाप रहा है। मैं यह सोचती थी कि क्रिस के साथ मुझे प्रेम हो गया है लेकिन जब हिकल ने मेरी आंख खोली कि यह मनोहर मधुरभाषी क्रिस न केवल एक द्विपत्नीक है वरन् एक मक्कार चार सौ बीस है तो उसके प्रति मेरा प्रेम खत्म हो गया।

"कुछ ही घंटों में मैं यहां से पैरॉडाइज सिटी के लिये रवाना हो जाऊंगी, और मेरा नीरस जीवन शुरू हो जायेगा। वही बिजनेस के मामले, वही बोर्ड मीटिंग अगले जून में पैंतालीस वर्ष की हो जाऊंगी।

हेल्गा ने घड□ी की ओर देखा। आठ बजकर चालीस मिनट हो चुके थे। हिकल कॉफी लेकर अभी तक नहीं आया। आता होगा। नींद नहीं खुली होगी। और फिर अभी मुझे कॉफी की इच्छा भी नहीं हो रही।

हेल्गा ने आंखें मींच लीं और ऊंघने लगी। जब उसने आंखें खोलीं तो नौ बजकर दस मिनट हो चुके थे। लेकिन हिकल अभी तक नहीं आया।

हेल्गा अपने बिस्तर से उठी और गाऊन पहन कर हिकल को किचन में देखने चली गई। हिकल किचन में नहीं था। हेल्गा ने सोचा शायद दूध फट गया हो और दूध लेने गया हो। सो वह बाहर आई। वहां पर हिकल की कार ज्यूं की त्यूं खड□ी थी। हेल्गा ने किचन से वापस आकर रेफ्रिजरेटर खोलकर देखा-उसमें दूध के तीन कार्टन पड□ थे। तब हेल्गा हिकल के क्वार्टर में गई। हिकल वहां भी नहीं था। तब हेल्गा ने सारा विला छान मारा लेकिन हिकल कहीं नहीं मिला। प्रतिक्षण उसकी बेचैनी बढ□ती जा रही थी।

वह सोचने लगी-मुझे पुलिस को सूचित कर देना चाहिये। इस इरादे से उसने अपने कमरे में पग धरा ही था कि जहां की तहां खड□ी रह गई। स्तब्ध! एक दुष्ट-सा आदमी जिसके होंठों के बीच सिगरेट लटक रहा था; उसके कमरे में बैठा हुआ था, और क्रूर दृष्टि से हेल्गा की ओर देख रहा था। उसके हाथ में ड्रिल मशीन थी।

"तुम कौन हो और यहां क्या करने आये हो?" हेल्गा ने अपने आप पर काबू पाकर पूछा।

"आपसे बिजनेस की बात करने आया हूं। चूंकि वह टुच्चा आपको कायल नहीं कर पाया सो मुझे आपके पास आना पड□ा है।"

"तुम चाहते क्या हो?"

"डेढ□ करोड□ बांड्स के रूप में।" बर्नी ने ड्रिल मशीन से मेज पर सुराख करते हुये

कहा-“आपका नौकर हिकल मेरे कब्जे में है। ग्रेनविल ने मुझे बताया है कि वह आपके लिये बहुत महत्त्व रखता है।”

“वह कहां पर है?” हेल्गा ने पूछा।

“आप और मैं अभी उससे मिलने चलेंगे। तब आपको आभास होगा कि यह ड्रिल मशीन कितना बढि□या हथियार होता है। यदि आपने पैसा देने से इनकार किया, तो मैं आपको इस ड्रिल मशीन का प्रदर्शन दूंगा जिसे देखकर आप पैसा न देने का इरादा बदल देंगी। आइये मेरे साथ।”

“मैं तुम्हारे साथ कहीं नहीं जाऊंगी।”

बर्नी दुष्टात्मक ढंग से हेल्गा की ओर देखने लगा।

“आप मेरे साथ आइये। आपने मेरी बात नहीं मानी तो मैं आपके नौकर के पैरों में इतना बड□ा सुराख कर दूंगा कि वह जीवन भर चल नहीं पायेगा।”

यह सुनकर हेल्गा का चेहरा विवर्ण हो गया।

“मैं पैसा देने के लिये तैयार हूं।” हेल्गा अस्थिर कदमों से अपनी जगह से उठती हुई बोली।

“मुझे मालूम था कि आप एक अक्लमंद औरत हैं। आप अपने बैंक को फोन कीजिये कि डेढ□ करोड□ के बेअरर बांड्स बनवाकर आपको भिजवा दें।

हेल्गा फोन के पास चली आई। वह बैंक का नंबर डायल करना ही चाहती थी कि उसे अपने पीछे से आवाज आई।

“अब इसी कोई जरूरत नहीं मैडम।”

हेल्गा ने घूमकर पीछे देखा तो दरवाजे की चौखट पर हिकल खड□ा था तथा उसके दायें-बायें दो सशस्त्र सिपाही खड□े थे जिन्होंने अपने रिवाल्वर बर्नी की ओर लक्ष्य कर रखे थे।

बर्नी उन रिवाल्वरों को अपनी ओर उदृष्टि देखकर अपनी जगह से खड□ा हो गया और अपने हाथ ऊपर कर लिये तब उन्होंने बर्नी के हाथों में हथकड□ी डाली और पुलिसवाहन में बिठाकर अपने साथ ले गये

उनके जाते ही हेल्गा ने हिकल के गले में बाहें डाल दीं और सिसक-सिसककर रोने लगी। हिकल पितावत हेल्गा का सिर थपथपाने लगा।

“मैडम आप धीरज धरिये, आप रो रही हैं। बड□े घर की औरतें अपने आप पर संयम रखती हैं और आप असंयत हो रही हैं। आप मुंह हाथ धोइये। मैं अभी आपके लिये सुबह की कॉफी लाया।”

तनिक देर पश्चात् जब हिकल कॉफी लेकर आया, तो हेल्गा ने जिद करके उसे अपने साथ कॉफी पीने के लिये अपने सामने बिठा लिया। हिकल की उपस्थिति से हेल्गा को ऐसा लग रहा था मानो वह बिलकुल सुरक्षित हो।

“हिकल, अब तुम मुझे पूरी घटना सुनाओ।”

“मैं आपको पूरी बात बताऊंगा मैडम...यह तो आप जानती हैं कि मिस्टर ग्रेनविल के बारे में मैंने

अपने भतीजे दामाद जीन फॉकन को फोन किया था। लेकिन आप यह नहीं जानतीं कि मैंने फॉकन को सारी स्थिति से अवगत करा दिया था कि मिस्टर ग्रेनविल का नकली अपहरण किया गया है और मिस्टर आरशर ने उसको वापस लौटाने के लिये बीस लाख की फिरौती मांगी है। फॉकन ने स्विस पुलिस को चौकस कर दिया, यहां के इंस्पेक्टर ने गत दो दिनों से विला पर निगरानी रखी हुई थी। वह यह जानना चाहता था कि आरशर एवं ग्रेनविल कौन-सी जगह पर छिपे हुये हैं। उस दिन जब मैंने आरशर को कॉलर से पकड़कर विला से बाहर निकाला था, तो एक पुलिस अधिकारी आरशर का पीछा करता हुआ पेरॉडिसो पहुंचा जहां पर आरशर ने एक विला किराये पर ले रखा है। वहां पर उसने बर्नी को देखा। पुलिसवाले काफी समय से बर्नी के पीछे लगे हुये हैं किन्तु कोई प्रमाण न होने के कारण उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर पाते थे। तब पुलिस बर्नी और आरशर का पीछा करते-करते उस जगह पहुंच गई जहां पर उन्होंने मिस्टर ग्रेनविल को बंधक बनाकर रखा हुआ था। पुलिस ने उस जगह की निगरानी करनी शुरू कर दी। उधर जब बर्नी को यह पता चला कि आपको मिस्टर ग्रेनविल में कोई रुचि नहीं रही तो उसने मेरा अपहरण करने की योजना बनाई। पुलिस बर्नी की इस साजिश से सर्वथा अपरिचित थी लेकिन हमारे विला पर उन्होंने पूरी निगरानी रखी हुई थी, सो घबराने की कोई बात ही नहीं थी। सो आज सुबह जब मैं यथापूर्व विला का दरवाजा खोलने गया, तो दो बदमाशों ने मुझे पकड़ लिया और कार में बिठाकर उस जगह ले गये जहां पर आरशर और ग्रेनविल थे। वहां पर यह बर्नी भी मौजूद था। पुलिस ने वहां पर कोई कार्यवाही नहीं की। तब बर्नी आपको धमकी देने के लिये चला आया। फिर इंस्पेक्टर के आदेशों पर आरशर एवं ग्रेनविल को हिरासत में ले लिया गया। तत्पश्चात इंस्पेक्टर मुझे साथ लेकर यहां चला आया। हम जब यहां पहुंचे, तो बर्नी आपको धमकी दे चुका थे, और आप फोन करने जा रही थीं। उसके बाद क्या हुआ, वह आप जानती ही हैं।

"यह सारा किस्सा है। इंस्पेक्टर ने मुझे बताया है कि ग्रेनविल को जर्मन पुलिस के हवाले कर दिया जायेगा। बर्नी और उसके दो गुण्डों पर चोरी का माल रखने के जुर्म में मुकदमा चलाया जायेगा क्योंकि बर्नी के घर से काफी मात्रा में चोरी का माल बरामद हुआ है। इंस्पेक्टर बाजी कह रहा था कि मैं अपहरण का केस नहीं दर्ज करूंगा क्योंकि उसमें आपके लिये परेशानी होगी।

"और आरशर ?" हेल्गा ने पूछा।

"मिस्टर आरशर को अभियोगित करने में एक समस्या सामने पेश आती है। वह उल्टा-सीधा बकेगा। जैसे मिस्टर रोल्फ ने उस पर गबन का मुकदमा नहीं चलाया था, उसी प्रकार से मैं समझता हूं कि बेहतर यह होगा कि आप भी आरशर के विरुद्ध कोई कार्यवाही न करें। अलबत्ता इंस्पेक्टर ने आरशर को स्विट्जरलैंड से निर्वासित करने का फैसला कर लिया है और उसे यहां वापस आने की अनुमति नहीं होगी।"

हेल्गा आदरणीय दृष्टि से हिकल की ओर देखने लगी और सोचने लगी, कितना महान एवं दूरदर्शी है यह आदमी कि इसने मेरी लाज बचाने के लिये आरशर के खिलाफ कार्यवाही नहीं होने दी। यह मेहरबान है। यह भली-भांति जानता है कि किसी समय आरशर के साथ मेरे प्रेम संबंध थे। और यदि आरशर के खिलाफ कार्यवाही की गई तो डंके की चोट पर वह दुनिया को सुनायेगा कि वह मेरे यानी संसार की सबसे सम्पन्न औरत के साथ किसी समय अपने ऑफिस के फर्श पर सरल आसन में

संभोग किया करता था।

“हां, तुमने बिलकुल ठीक किया।” हेल्गा नजरें चुरा कर बोली, “तो अब मामला निपट गया है।”

“हां, यह मामला तो निपट गया लेकिन अभी आगे का काम बाकी है। तीन बजे आपको न्यूयार्क की फ्लाइट पकड□नी है और इस बीच मुझे समान पैक करना है।” हिकल ने कॉफी की ट्रे उठाई और जरा रुककर कहा, “मैडम आईंदा से आप ठीक दाम लगाया कीजिये। मैं इतना महत्त्वपूर्ण नहीं हूं जिसके लिये आप डेढ□ करोड□ की फिरौती देने के लिये सहमत हो गई थीं। बहरहाल, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!” कहकर हिकल किचन में चला आया।

* * *

इंस्पेक्टर को हंसमुख एवं बातूनी पाकर आरशर को बड□ा आश्चर्य हुआ था। यदि आरशर को मालूम न होता कि पुलिस इंस्पेक्टर है तो वह यह कभी अनुमान न लगा पाता।

आरशर को जब यह बताया गया था कि उसे गिरफ्तार न कर स्विट्जरलैंड से निर्वासित कर लंदन भेजा जा रहा है, तो शांति का एक दीर्घश्वास लिया था।

तब इंस्पेक्टर आरशर को अपनी कार में बिठाकर एयरपोर्ट ले आया था। तभी उन्हें बताया गया था कि लन्दन की फ्लाईट लेट जायेगी। सो वह लाउंज में बैठकर आपस में बातें करने लगे थे।

“मैं आपको एक बात फिर से याद दिला दूं, मिस्टर आरशर,” इंस्पेक्टर ने कहा, “कि आप-यहां स्विट्जरलैंड वापस आने का प्रयास मत करना, अन्यथा...।”

“मुझे अच्छी तरह से मालूम है।” आरशर ने कहा।

“आप बड□े भाग्यशाली हैं मिस्टर आरशर कि इतने ठोस प्रमाण होने पर भी मिसेज रोल्फ ने आप पर मुकदमा नहीं चलाया। नहीं तो आपको स्विटजरलैंड की गंदी जेल में कई वर्षों की सजा काटनी पड□ती।”

“मिसेज रोल्फ ने कुछ कारणों से मुझ पर मुकदमा नहीं चलाया।” आरशर ने बताया।

“बड□े लोग हमेशा किसी वजह से ही खामोश रहते हैं। यह मैं अच्छी तरह से समझता हूं।” बाजी ने गोल-मोल शब्दों में टिप्पणी की।

इसी समय लाउंज के अन्दर हल्की सी हलचल मच गई थी। सभी लोग लाउंज के प्रवेश द्वार की ओर देखने लगे थे। आरशर ने जो उस तरफ देखा, तो उसका दिल धक से रह गया। हेल्गा लाउंज के अन्दर प्रवेश कर रही थी। एयरपोर्ट का स्टाफ उसके आगे-पीछे मंडरा रहा था।

प्रेस फोटोग्राफर फोटो खींचने के लिये आपस में प्रतिस्पर्द्धा कर रहे थे।

“यह तो मिसेज रोल्फ हैं।” इंस्पेक्टर बाजी ने कहा, “बहुत ही खूबसूरत औरत है।”

हेल्गा के अंदाज देखकर आरशर का चेहरा लटक गया। वह सोचने लगा-इसका आशय है कि हेल्गा-ग्रेनविल को बिलकुल भूल गई है। उसके चेहरे पर दुःख का नामोनिशान तक नहीं। बल्कि उसके चेहरे पर तो चमक और रौनक है। कितनी चतुर औरत है। यदि मेरी अपहरण योजना सफल हो गई होती तो इस समय मैं भी वी-आई-पी लाउंज में बैठा होता तथा दायें-बायें एयरपोर्ट के खाद्य प्रबंधक खड□े होते।

“वाकई बहुत खूबसूरत औरत है,” इंस्पेक्टर ने अपनी बात दोहराकर कहा, “मैंने सुना है कि किसी समय आपको मैडम रोल्फ के साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त था।”

आरशर ने इंस्पेक्टर की बात नहीं सुनी थी। उसका ध्यान एक मनोहर आदमी को देखने में लगा हुआ था जो अभी-अभी लाउंज में दाखिल हुआ था। उसका कद लम्बा, चेहरा अण्डाकार, कान लंबे, सिर बड□ा, होंठ गुलाबी थे। बाल काले, सघन एवं घुंघराले थे। उसके व्यक्तित्व से यौनाकर्षण टपक रहा था।

इंस्पेक्टर भी आरशर की नजरों का पीछा करता हुआ उस दिशा में देखने लगा।

"ओह तो आप मेस्वं हेनरी दा विलियर को देख रहे हैं। यह तो फ्रांस के सबसे बड़े उद्योगपितयों में से एक हैं। इनके बारे में अफवाह है कि निकट भविष्य में ही ये अमरीका में फ्रांस के राजदूत बनने वाले हैं।"

दो फोटोग्राफर दा विलियर के निकट पहुंचकर उनका फोटो लेने लगे थे।

दा विलियर उनकी ओर देखकर मुस्कराया। तभी एयरपोर्ट का एक अधिकारी वहां पहुंचा, और उसकी अगुवाई करता हुआ उसे लाउंज में लिवा लाया।

आरशर के मुंह से ईर्ष्या भरी एक लम्बी सांस निकल गई।

उसी समय माइक पर न्यूयार्क जाने वाली फ्लाईट की घोषणा होने लगी।

"देखो वे जा रहे हैं।" इंस्पेक्टर ने घूमकर आरशर की ओर देखते हुए कहा।

आरशर विमान की ओर बढ़ती हुई हेल्गा को देखने लगा। हेल्गा के पीछे कुछ फासले पर दा विलियर चल रहा था। पीछे-पीछे दो अन्य आदमी चल रहे थे। हेल्गा बड़ी शान्ति और आत्माभिमान से भरी पग उठाती जा रही थी और उसे देख-देख कर आरशर का हृदय घृणा की ज्वाला से जला जा रहा था। आधे रास्ते पर हेल्गा के हाथ से कोई चीज नीचे गिरी। दूरी की वजह से आरशर उसे स्पष्ट तो न देख पाया, लेकिन उसके अंदाज के मुताबिक वह चीज रूमाल थी। रूमाल स्वयं ही गिरा था या हेल्गा ने उसे जान-बूझकर गिराया था, इसका दृष्टिपात आरशर नहीं पाया लगा। लेकिन यह उसने स्पष्ट देख लिया कि दा विलियर ने उस रूमाल को उठाया था और तेज-तेज डग भरते हुए हेल्गा के करीब पहुंच गया था। हेल्गा रुकी और दा विलियर से रूमाल लेकर एक आभार भरी मधुर मुस्कान से उसकी ओर देखा। फिर उन दोनों में न जाने क्या बात हुई थी कि दोनों एक साथ विमान की ओर बढ़ने लगे थे। इंस्पेक्टर की अनुभवी आंखों से यह सब छुपा न रह सका।

"बहुत तेज-तर्रार औरत है"-इतनी जल्दी तारतम्य बना लिया। इंस्पेक्टर बड़बड़ाया।

"वह आरंभ से ही बहुत तेज-तर्रार रही है इंस्पेक्टर। और आगे भी रहेगी।"

आरशर कड़वे से स्वर में बोला। फिर जैसे ही उसने लंदन जाने वाली फ्लाइट की घोषणा सुनी। उठकर खड़ा हो गया।

"गुडनाईट मिस्टर आरशर-मेरी शुभकामनाएं।" इंस्पेक्टर ने उसकी ओर विदासूचक हाथ हिला दिया।

"धन्यवाद।" आरशर बोला और थके-थके कदमों से विमान की ओर बढ़ चला।

यद्यपि वह अच्छी तरह से जानता था कि इंस्पेक्टर की शुभकामनायें भी उसके भाग्यचक्र को नहीं बदल पायेंगी।

* * *